

मुंबई के जुहू इलाके में टाइगर श्रॉफ पर तीन लोगों ने की गोलीबारी

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 31
न्यूनतम - 19

प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 289 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर सोमवार 19 अक्टूबर 2026 ● आश्विन शुक्ल 9 विक्रमी संवत ● पृष्ठ12 ● मूल्य 4 रूपया

नवम दिन
मां सिद्धिदात्री



मां सिद्धिदात्री नवरात्रि का नौवां स्वरूप हैं। उन्हें सिद्धियां प्रदान करने वाली देवी माना जाता है। वे कमल पर विराजमान रहती हैं और भक्तों को ज्ञान, विवेक तथा आध्यात्मिक उन्नति का आशीर्वाद देती हैं। महानवमी पर उनकी पूजा के साथ नवरात्रि के अनुष्ठानों का समापन होता है। भक्त सुख और मंगल की कामना करते हैं।

एमपी के ग्वालियर में 'मौत' बनकर आया ट्रक

● 41 श्रद्धालुओं को कुचला,15 लोगों की हो गई मौत ● शीतला माता के दर्शन के लिए लाइन में खड़े थे लोग



रात करीब डेढ़ बजे हुआ हादसा मंदिर के गेट से टकराया ट्रक

ग्वालियर (एजेंसी)। ग्वालियर में शनिवार देर रात तेज रफ्तार ट्रक ने 41 श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई। दो पुलिसकर्मी समेत 26 लोग घायल हैं। चीनौर रोड पर ढलान के पास अनियंत्रित हुए धान से भरे ट्रक ने सड़क किनारे मौजूद श्रद्धालुओं और दुकानों को कुचल दिया। इसके बाद ट्रक मंदिर के प्रवेश द्वार और बाहरी दीवार से जा टकराया। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 26 लोग घायल हुए हैं। मृतकों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। घायलों में दो पुलिसकर्मी भी हैं। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस और प्रशासन की टीमें राहत-बचाव कार्य में जुट गईं। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

यह हादसा शनिवार और रविवार की दरमियानी रात करीब 1.30 बजे चीनौर रोड पर ढलान के पास हुआ। बताया जा रहा है कि नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शीतला माता मंदिर में दर्शन के लिए पहुंच रहे थे। इसी दौरान धान से भरा एक ट्रक वहां पहुंचा और चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। तेज रफ्तार ट्रक सड़क किनारे मौजूद श्रद्धालुओं और दुकानों को कुचलता हुआ मंदिर के प्रवेश द्वार तक पहुंच गया। ट्रक की टक्कर इतनी भीषण थी कि मंदिर की बाहरी दीवार भी ढह गई। दीवार गिरने और ट्रक की चपेट में आने से कई लोग घायल हो गए। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, करीब 40 से 50 लोगों के मलबे में दबने की आशंका जताई गई।

एमपी सीएम की सख्ती, 9 अफसरों को किया सस्पेंड

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास श्रद्धालुओं के साथ हुए भीषण सड़क हादसे के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सख्त रुख अपनाया है। हादसे के मामले में लापरवाही सामने आने पर झांसी रोड के सीएसपी रवि भदौरिया को हटाने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, तीन थाना प्रभारियों समेत आठ पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

महाराष्ट्र में हादसा

पांच लोगों की मौत

पुणे/बीड (एजेंसी)। कोलकाता दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ और ग्वालियर में बेकाबू ट्रक द्वारा लोगों को कुचलने की घटना के बाद महाराष्ट्र के बीड में भयावह एक्सीडेंट सामने आया है। यहां पर तेज रफ्तार रोडवेज बस और कार की टक्कर में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार परिवार को लोग कार से तुलजापुर जा रहे थे। इस हादसे में पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गई।



बंगाल के पंडालों में वीआईपी एंट्री पर रोक,जांच की कमान जज को

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ की घटना के बाद बंगाल सरकार ने राहत और सुरक्षा से जुड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। अस्पताल में घायलों से मिलने के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले 19 लोगों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। वहीं, मामले में छह लोगों को गिरफ्तार कर पुलिस हिरासत में रखा गया है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, मृतकों में से 18 पश्चिम बंगाल के निवासी थे।

मणिपुर में कुकी और नगा समुदायों के बीच गोलीबारी

● 1 व्यक्ति की मौत,4 घायल,हिंसा में 15 घर जले

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के कामजोंग जिले के चसाद गांव में शनिवार को कुकी और नगा समुदायों के हथियारबंद समूहों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि हमले के पीछे नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड-इसाक मुइवा और म्यांमार के



तांगखुल उग्रवादी थे। हालांकि, इन आरोपों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। हिंसा के बाद कुकी समुदाय के 15 घरों में आग लगा दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फरवरी से अब तक 50 से ज्यादा आम नागरिक मारे जा चुके हैं। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, शनिवार दोपहर करीब 2.30 बजे दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी शुरू हुई, जो शाम तक जारी रही।

मुझ पर केस किया तो मामला लीगल हो जाएगा

पणजी (एजेंसी)। राहुल गांधी ने रविवार को गोवा में कहा कि मैं हर स्टेट से कहता हूं पीएम वोट चोरी करते हैं। लेकिन मुझ पर कोई केस दर्ज नहीं होता। क्योंकि, ये जानते हैं कि अगर केस हुआ तो मामला लीगल हो जाएगा और ये फंस जाएंगे। दिल्ली में ज्ञानेश कुमार रात को सो नहीं पाते। पीएम और गृहमंत्री को भी नींद नहीं आती। क्योंकि, वे जानते हैं कि जनता आज नहीं तो कल उनसे न्याय लेगी। राहुल

राहुल बोले-हर राज्य में वोट चोरी की बात कहता हूं

सीईसी ज्ञानेश कुमार जानते हैं कीमत चुकानी होगी



कांग्रेस के जनसंपर्क अभियान 'गोय राखोन यात्रा' में शामिल होने गोवा पहुंचे थे। यहां कांग्रेस की 28 दिन लंबी यात्रा का समापन हुआ है। राहुल का पिछले 4 सालों में यह पहला गोवा दौरा है। इससे पहले 2022 में वह यहां आए थे। गोवा में अगले साल 2027 में विधानसभा चुनाव हैं।

राहुल बोले- दिल्ली में हम सरकार से जल्द निपट लेंगे

राहुल ने कहा- आप गोवा के बारे में सोचिए। दिल्ली में हम कुछ ही समय में पीएम मोदी, अमित शाह से निपट लेंगे। काम जारी है। एक्सपायरी डेट आने वाली है। आपने देखा है कि आजकल नरेंद्र मोदी सामने खड़े नहीं हो सकते हैं। क्योंकि ये जानते हैं कि देश का युवा इनके खिलाफ खड़ा हो गया है। राहुल ने कहा- पूरी दुनिया मानती थी कि इंडिया का एजुकेशन सिस्टम नंबर वन मॉडल का था। लेकिन, आज दिल्ली में स्टूडेंट्स को ही मारा जा रहा है। हर एजुकेशनल सिस्टम में इन्होंने बीजेपी और आरएसएस के लोग बैठे हुए हैं। हाईटेक करप्शन, जमीन का करप्शन ये यहां करते हैं। जैसे पहले गुजरात में नरेंद्र मोदी का मॉडल था। वैसे ही गोवा में करप्शन का मॉडल है। इसे सिर्फ कांग्रेस ही खत्म कर सकती है।

गोवा में सरकार आपकी जमीन छीन रही

राहुल ने कहा- गोवा देश में सबसे सुंदर जगह है, सबसे अच्छा कल्चर है। लेकिन यहां भी सरकार आपकी जमीन छीनकर गोवा के जो बाहर के लोग हैं उनको करोड़ों में बेचती है। पहले मास्टर प्लान था, मास्टर प्लान को रद्द कर दिया। इनका यही काम है कि पैसा कैसे बनाए। राहुल ने कहा- मैं हर स्टेट से कहता हूं पीएम नरेंद्र मोदी वोट चोरी करते हैं। लेकिन मुझ पर कोई मामला दर्ज नहीं होता। क्योंकि, ये जानते हैं कि अगर केस हुआ तो मामला लीगल हो जाएगा और ये फंस जाएंगे। दिल्ली में ज्ञानेश कुमार सो नहीं पाते रात को। पीएम और अमित शाह को भी नींद नहीं आती। क्योंकि, वे जानते हैं कि आज नहीं तो कल उनसे न्याय लेगी। ये तीनों जानते हैं कि कांग्रेस पार्टी से ये लोग नहीं बच सकते हैं। क्योंकि, हम संविधान के रखवाले हैं।

वायुसेना का नया संचार कवच 'जीसैट-7सी' तैयार

2563 करोड़ रुपए का सैटेलाइट,पूरी तरह है स्वदेशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना की संचार क्षमता मजबूत करने के लिए देश में जीसैट-7सी सैन्य उपग्रह लॉन्च किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड के साथ 2,563 करोड़ रुपए का करार किया। इसके तहत उपग्रह का डिजाइन, विकास और निर्माण किया जाएगा। इस उपग्रह की सबसे बड़ी खासियत दूर तक सुरक्षित संचार उपलब्ध कराने की क्षमता होगी। इससे लड़ाकू विमानों, निगरानी विमानों, मानवरहित विमानों और जमीन पर मौजूद सैन्य केंद्रों के बीच संपर्क स्थापित करने में मदद मिलेगी।





टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग, हुए घायल बाइक सवार लोगों ने चलाई गोली

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग हुई है।मिली जानकारी के अनुसार यह घटना जूहू के पुष्पा पार्क में इलाके में हुई है। इस घटना में टाइगर श्रॉफ, उनके ड्राइवर और बॉडीगार्ड घायल बताए जा रहेथे। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

यूपी में फॉर्म-7 पर गलत जानकारी दी तो होगी जेल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से नाम हटवाने के लिए गलत जानकारी देना भारी पड़ सकता है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि फॉर्म-7 के तहत मिलने वाली आपत्तियों की जांच निर्वाचन आयोग के नियमों के मुताबिक की जाए। जांच में आपत्ति गलत या मनगढ़ंत पाए जाने पर संबंधित आवेदक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नियमों के तहत दोषी को एक साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है।



गलत जानकारी देने पर होगी कानूनी कार्रवाई

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा-31 के तहत मतदाता सूची से जुड़े मामलों में जानबूझकर गलत जानकारी देना अपराध है। इसमें मतदाता सूची तैयार करने, उसमें संशोधन कराने या किसी का नाम जुड़वाने अथवा हटवाने के लिए दी गई गलत जानकारी शामिल है। फॉर्म-7 भरते समय भी आवेदक को निर्धारित घोषणा करनी होती है। यदि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की जांच में आवेदन के जरिए दर्ज कराई गई आपत्ति गलत साबित होती है, तो आवेदक के खिलाफ इसी धारा के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

पंजाब में हादसा, नौ मजदूरों की मौत

मौके पर 23 मनरेगा लेबर कर रहे थे काम

संगरूर (एजेंसी)। पंजाब के संगरूर स्थित लहरागागा-जाखल मार्ग पर रविवार को एक भीषण सड़क हादसे में नौ मनरेगा मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दर्दनाक घटना लहरा के गांव अलीशेर और चोटियां के नजदीक हुई। जानकारी के मुताबिक, घटना के वक्त करीब 23 महिला और पुरुष मजदूर सड़क निर्माण कार्य में जुटे हुए थे। इसी दौरान एक अनियंत्रित और बेहद तेज रफ्तार कार ने वहां काम कर रहे मजदूरों को कुचल दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर चीख-पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि मरने वालों ने अधिकतर महिला मजदूर हैं। फिलहाल इनकी पहचान नहीं हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। सभी गंभीर रूप से घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। इस हृदयविदारक घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।



मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

आप सभी को शक्ति से सृजन के महापर्व शारदीय नवरात्र की महानवमी की हृदय से बधाई एवं विजयादशमी की अनंत शुभकामनाएं। मां दुर्गा का प्रबल पराक्रम और प्रभु श्रीराम का धर्मनिष्ठ जीवन हमें अन्याय के प्रतिकार, नारी-सम्मान तथा कर्तव्यपालन की प्रेरणा देता है। ***अन्यायी एवं अधर्मी चाहे कितने ही शक्तिशाली क्यों न हों, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है। विजयादशमी इसी शाश्वत सत्य का प्रतीक है।***

सनातन संस्कृति विजय के उल्लास में विनम्रता और ज्ञान के प्रति सम्मान का भाव भी सिखाती है। लंका विजय के पश्चात प्रभु श्रीराम ने अपने अनुज लक्ष्मण जी को मृत्यु शय्या पर पड़े रावण से ज्ञान प्राप्त करने के लिए भेजा। ***प्रभु श्रीराम ने स्वर्णमयी लंका के वैभव के बजाय जन्मभूमि अयोध्या को वरीयता दी और लंका का राजपाट उसके उत्तराधिकारी को सौंपा। उनके श्रीमुख से निकले शब्द, "जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी", मां और मातृभूमि के प्रति प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देते हैं।***

विजयादशमी के व्यापक संदेश में आत्मसंयम, समता, शौर्य और कर्तव्यनिष्ठा जैसे मूल्य हमारी विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं में अलग-अलग रूपों में अभिव्यक्त होते हैं। ***प्रभु श्रीराम का जीवन समरसता और सामाजिक एकात्मता का प्रतीक है।*** *रामलीला का मंचन हो या इसे देखने के लिए आने वाले दर्शक, सब बिना किसी भेदभाव के उत्साह के साथ इन उत्सवों में हिस्सा लेते हैं। प्रभु श्रीराम कथा के आदर्श भारतवर्ष तक ही सीमित नहीं हैं, अपितु विश्व के अनेक देशों की सांस्कृतिक परंपराओं में घुलमिल गए हैं। इन आदर्शों की सार्थकता तभी है, जब वे हमारे आचरण और शासन-व्यवस्था में भी प्रतिबिंबित हों।*

मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के आदर्शों के अनुरूप हमारी सरकार ने प्रदेश में कानून के शासन और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। माफिया और संगठित अपराध के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर भयमुक्त वातावरण बनाने की दिशा में निर्णायक कदम उठाए गए हैं। *माफिया के कब्जे से मुक्त कराई गई भूमि पर गरीबों के लिए आवास बनाए गए हैं। मुझे संतोष है कि इसी क्रम में* ***प्रयागराज के कसारी-मसारी में माफिया के कब्जे से मुक्त भूमि पर गरीबों के लिए आवास बनेंगे। यह क्षेत्र 'श्रीकृष्णपुरी' के रूप में विकसित होगा।*** *अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति ने कानून के प्रति विश्वास सुदृढ़ करने और निवेश, उद्योग एवं विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाने में योगदान दिया है।*

सुरक्षित एवं समरस समाज के निर्माण के लिए शासन के प्रयासों के साथ जनभागीदारी भी आवश्यक है। ***मेरा आपसे विशेष आग्रह है कि इस विजयादशमी पर अहंकार, अन्याय, भेदभाव और नकारात्मकता रूपी रावण के दहन के साथ नशे की लत, पारिवारिक कलह, जातीय भेदभाव और दहेज-प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों से मुक्ति का संकल्प भी लें।*** *यदि हमारे आसपास कोई व्यक्ति किसी व्यसन से पीड़ित है, तो उसे तिरस्कार नहीं, सहयोग और संवेदना देते हुए स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करें। सामूहिक संकल्प और जनभागीदारी से ही स्वस्थ परिवार, सशक्त समाज और समृद्ध उत्तर प्रदेश का स्वप्न साकार होगा।*

सीजेपी प्रोटेस्ट में हिंदू विरोधी नारे, दिल्ली से गोवा तक ऐक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध-प्रदर्शन के बीच दिल्ली से गोवा तक ऐक्शन शुरू हो गया है। दिल्ली में ताबड़तोड़ गिरफ्तारियों के साथ एफआईआर हुई हैं तो वहीं, गोवा में भी

● 300 से ज्यादा के खिलाफ एफआईआर, कार में लाठियां ले जा रहे 2 गिरफ्तार

300 से ज्यादा अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इस बीच सीजेपी प्रदर्शनकारियों पर हिंदुओं के खिलाफ नारेबाजी के आरोप लगे हैं। घटना गोवा में हुई है, जिसके बाद राज्य के मुख्यमंत्री खुद ऐक्शन मोड में आ गए हैं। इधर, गोवा पुलिस ने 11 अक्टूबर को पणजी में कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन में



शामिल हुए 300 अज्ञात प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि उन्होंने ऐसे नारे लगाए, जिनसे हिंदुओं की भावनाएं आहत हुईं। पुलिस इंस्पेक्टर विजय कुमार चोडनकर ने बताया कि पणजी में आयोजित एक सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन के दौरान सीजेपी के पदाधिकारियों और समर्थकों ने मुर्दाबाद, मुर्दाबाद, हिंदुत्व मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए। इससे धार्मिक अशांति को बढ़ावा मिला और जानबूझकर हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई। दरअसल, तलेइगाओ के रहने वाले रामप्रसाद केलकर ने सोशल मीडिया पर 11 अक्टूबर के विरोध प्रदर्शन का एक वीडियो देखने के बाद एफआईआर दर्ज कराई है। केलकर ने अपनी शिकायत में कहा कि आयोजकों ने प्रदर्शन को शांतिपूर्ण बताया। हालांकि, प्रदर्शनकारी हिंदुओं के खिलाफ नारे लगा रहे थे। विरोध समाज और इलाके में सद्भाव और शांति को बिगाड़ने के लिए आयोजित किया गया था। पिछले हफ्ते दिल्ली के कनॉट प्लेस में विरोध-प्रदर्शन के दौरान हंगामा करने के आरोप में 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने इनकी पहचान गाजियाबाद के रहने वाले शिवम (22) और गौरव (30) के रूप में की है।

अनमोल वचन

मनुष्य में एक दुर्बलता बहुधा पाई जाती है कि वह अपनी कमियों और अवगुणों को देखने के बजाय दूसरों में छिद्र ढूँढने लगता है। परन्तु नीति का वचन यह है कि दूसरों के छिद्र ढूँढने से पहले अपने छिद्रों को टटोलो। किसी और की बुराई करने से पहले अपने भीतर झाँक लो। देख लो हममें क्या दोष हैं। यदि हैं तो पहले उन्हें निकालो। जो ऊर्जा दूसरों की बुराई करने में लगाते हो उस शक्ति को आत्मोन्नति में लगाओ। ऐसा करोगे तो परनिंदा से पैदा होने वाले दोष से बच कर सच्चे आनंद की प्राप्ति के मार्ग में बढ़ जाओगे। दूसरों की निंदा, बदनामी और चुगली करना अधर्म है। दूसरों को नीचा दिखाना अनैतिकता है। सत्य वाणी और कर्म से किसी का अहित करना मानवता के विरुद्ध है। किसी के प्रति ऐसा वचन मुँह से न निकालें जिससे आपका अहंकार प्रतीत हो तथा दूसरे को अपमान का अनुभव हो। कहावत है कि बाणों से बिंधा और कुल्हाड़ी से काटा वृक्ष पुनः अंकुरित हो जाता है, परन्तु वाणी के शस्त्र से घायल मन का घाव कभी नहीं भरता।

दशहरा मेले से पहले भूम्मा रोड पर गंदगी का अंबार, सफाई व्यवस्था ठप होने से ग्रामीणों में रोष

मीरापुर। दशहरा मेले से पहले भूम्मा रोड पर सफाई व्यवस्था की बदहाली को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। सनातन धर्म इंटर कॉलेज से पहले सड़क किनारे गंदगी का अंबार लगा हुआ है। नालियों की नियमित सफाई नहीं होने से उनमें गंदगी जमा हो गई है, जिससे उठने वाली दुर्गंध के कारण आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा



है। सड़क पर कीचड़ जमा होने से राहगीरों का आवागमन भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि महत्वपूर्ण आयोजन से पहले भी सफाई व्यवस्था को दुरुस्त नहीं किया गया है।

ग्रामीणों के अनुसार, 20 अक्टूबर को सनातन धर्म इंटर कॉलेज के पास दशहरा मेले का आयोजन होना है। इस दौरान इसी मार्ग से होकर हजारों लोगों के मेले में पहुंचने की संभावना है। इसके बावजूद सड़क और नालियों की सफाई नहीं कराई गई है। ऐसे में मेले में आने वाले लोगों को गंदगी और कीचड़ के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। क्षेत्रवासियों ने आशंका जताई कि गंदगी के कारण संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा भी बना हुआ है।

कई बार शिकायत के बावजूद नहीं हुई सफाई

समाजसेवी काशिफ ने बताया कि भूम्मा रोड पर गंदगी और नालियों की सफाई की समस्या को लेकर कई बार ग्राम प्रधान से संपर्क किया जा चुका है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि दशहरा मेला नजदीक है और बड़ी संख्या में लोगों का इस मार्ग से आवागमन होगा। ऐसे में सफाई व्यवस्था को लेकर लापरवाही बरतना लोगों की परेशानी बढ़ा सकता है।

ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों और ग्राम प्रधान से मांग की है कि दशहरा मेले से पहले भूम्मा रोड की साफ-सफाई कराई जाए। साथ ही नालियों में जमा गंदगी को हटाकर जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त की जाए, ताकि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को परेशानी न हो।

इस दौरान अरशद अहमद, आशु सैफी, इस्लामु, आस मोहम्मद, मुरली, डॉ. रविन्द्र, उवैस इदरीशी, शनि, सुशील, अयूब और रमेश धीमान सहित अन्य ग्रामीणों ने शीघ्र सफाई कराने की मांग की।

जाट महासभा ने प्रदेश की विजेता कबड्डी टीम के खिलाड़ियों को किया सम्मानित

खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह, धर्मवीर बालियान बोले—युवाओं की उपलब्धियां पूरे समाज के लिए गौरव की बात

मुजफ्फरनगर। जाट महासभा, उत्तर प्रदेश की ओर से आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की विजेता कबड्डी टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। महासभा के संरक्षक मंडल एवं पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को सम्मान प्रदान करते हुए उनकी खेल प्रतिभा, मेहनत और उपलब्धियों की सराहना की। इस अवसर पर खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने, युवाओं को खेलों से जोड़ने और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एमपी सिंह ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव जयवीर सिंह ने किया।

कार्यक्रम में सम्मानित होने वाले विजेता कबड्डी खिलाड़ियों में शक्ति सिंह, रोबिन पवार, विवेक, भारत बालियान, अर्पित बालियान, अर्जुन कुमार, देवांश बालियान, उज्ज्वल, भगवान, पुलकित बालियान, अभिषेक बालियान, आर्यन सहरावत, वंश चौहान, आयुष बालियान और कार्तिक मलिक शामिल रहे। सभी खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। वक्ताओं ने कहा कि खिलाड़ियों की सफलता



उनकी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। उनकी उपलब्धियां अन्य युवाओं को भी खेलों में आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा साबित करने के लिए प्रेरित करेंगी।

खेल युवाओं में अनुशासन और आत्मविश्वास बढ़ाते हैं: धर्मवीर बालियान

जाट महासभा के जिला अध्यक्ष धर्मवीर बालियान ने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों के माध्यम से अनुशासन, आत्मविश्वास, परिश्रम और टीम भावना जैसे गुण विकसित होते हैं। उत्तर प्रदेश की विजेता कबड्डी टीम के खिलाड़ियों की सफलता पूरे समाज के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि वे इसी तरह मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ते रहें तथा अपनी प्रतिभा के दम पर देश का नाम रोशन करें।

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगी। युवाओं को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी रुचि लेनी चाहिए, क्योंकि खेल न केवल बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करते



हैं, बल्कि जीवन में संघर्ष करने और लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा भी देते हैं। समाज और सामाजिक संगठनों की जिम्मेदारी है कि वे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाएं तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रतिभाओं को सम्मान देना महासभा का उद्देश्यः बिट्टू सिखेड़ा

जाट महासभा के प्रेस प्रवक्ता बिट्टू सिखेड़ा ने कहा कि पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी कार्यक्रम उत्साहपूर्ण रहा। ऐसे आयोजनों से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पहचान और सम्मान मिलता है, जिससे उनका मनोबल बढ़ता है और वे भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने कहा कि जाट महासभा, उत्तर प्रदेश समाज की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और सामाजिक प्रगति से जुड़े कार्यों को निरंतर गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। संगठन का प्रयास रहेगा कि समाज के युवाओं को प्रोत्साहन मिले और उनकी उपलब्धियों को उचित सम्मान प्रदान किया जाए।

अलंकरण समारोह की तैयारियों की भी हुई समीक्षा

कार्यक्रम के दौरान जाट महासभा के अलंकरण समारोह की समीक्षा भी की गई। समारोह से संबंधित तैयारियों और पूर्व में लिए गए निर्णयों पर विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही संगठन की आगामी गतिविधियों तथा समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए सामाजिक एकजुटता और संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष धर्मवीर बालियान, जिला महासचिव जयवीर सिंह, जिला संयोजक धर्मेंद्र तोमर, संरक्षक जसबीर सिंह राणा, सदस्य जसवीर सिंह, रमेश कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिक्षक प्रकोष्ठ यशपाल सिंह, प्रदीप सिंह, प्रेस प्रवक्ता बिट्टू सिखेड़ा, प्रवेंद दहिया, राहुल पंवार, धर्मवीर सिंह, विवेक, भारत, उज्ज्वल बालियान, वीरेंद्र कुमार, यशपाल सिंह, विजेंद्र चौधरी, यशपाल सिंह विश्व बंधु, नरेंद्र पाल सिंह, चंद्रवीर सिंह और चांद वीर सहित महासभा के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

बुढ़ाना में सैनिक सम्मेलन, कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने पूर्व सैनिकों को किया संबोधित

बुढ़ाना। कस्बे के करण फार्म हाउस पर रविवार को सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी



ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए पूर्व सैनिकों को संबोधित किया। उन्होंने देश की सुरक्षा में सैनिकों के योगदान और उनके अदम्य साहस की सराहना करते हुए कहा कि सैनिकों के बलिदान और समर्पण के कारण ही देश सुरक्षित है। 140 करोड़ भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सैनिकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। देश के सैनिक विपरीत परिस्थितियों में भी सीमाओं की रक्षा करते हुए राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हैं।

कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने अपने संबोधन में लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं से जुड़े मुद्दों पर भी विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास फैलाने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि उनके अनुसार पिछले 15 वर्षों में चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए हैं। उन्होंने चुनाव आयोग के मतदाता पुनरीक्षण अभियान को गलत तरीके से प्रस्तुत किए जाने की बात भी कही।

पिता की 22वीं पुण्यतिथि पर आयोजित हुआ सम्मेलन

सैनिक सम्मेलन का आयोजन पूर्व वायु



सैनिक ब्रजपाल सिंह सहरावत ने अपने पिता लेफ्टिनेंट करण सिंह की 22वीं पुण्यतिथि के अवसर पर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परमवीर चक्र विजेता कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव ने की। सम्मेलन में सैनिकों के सम्मान, उनके योगदान और देश की सुरक्षा में उनके समर्पण को याद किया गया।

कार्यक्रम में मुजफ्फरनगर, शामली और उत्तराखंड से आए करीब 250 पूर्व सैनिकों ने भाग लिया। इस दौरान पूर्व सैनिकों के साथ-साथ कारगिल युद्ध में शहीद हुए नरेंद्र राठी और रिजवान त्यागी के परिजनों को भी सम्मानित किया गया। शहीदों के परिजनों का सम्मान करते हुए देश के लिए उनके बलिदान और त्याग को नमन किया गया।

सम्मेलन में सैनिकों के प्रति सम्मान और राष्ट्रसेवा की भावना प्रमुख रूप से दिखाई दी। आयोजन के माध्यम से पूर्व सैनिकों और शहीद परिवारों के योगदान को याद करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई।

गंगा विहार कॉलोनी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने निकाला पथ संचलन

मुजफ्फरनगर। विजयदशमी के उपलक्ष्य में भोपा रोड स्थित गंगा विहार कॉलोनी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में पथ संचलन का आयोजन किया गया। इसमें बचन सिंह बस्ती, विक्रमादित्य बस्ती और माधव बस्ती के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। पूर्ण अनुशासन और एकरूपता के साथ निकले पथ संचलन का क्षेत्रवासियों ने विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने घोष वादन के माध्यम से वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह संजय शर्मा लखान रहे। उन्होंने संघ की स्थापना, उसकी 100 वर्षों की यात्रा और समाज एवं राष्ट्र के प्रति योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्ष 1925 में संघ के संस्थापक डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार ने विजयदशमी के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। इसी परंपरा के अंतर्गत संघ प्रतिवर्ष विजयदशमी पर विभिन्न स्थानों पर पथ संचलन और एकत्रीकरण के कार्यक्रम आयोजित करता है।

मुख्य वक्ता संजय शर्मा लखान ने संघ के शताब्दी वर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि संघ ने अपनी 100 वर्षों की यात्रा में समाज और राष्ट्र के प्रति विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दिया है। उन्होंने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे समाज के बीच रहकर सेवा, समर्पण और सामाजिक सद्भाव की भावना के साथ कार्य करें। समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलना और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना स्वयंसेवकों का प्रमुख दायित्व होना चाहिए।

छपार पुलिस ने चोरी का किया खुलासा, आभूषण और नकदी के साथ शातिर चोर गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। छपार थाना क्षेत्र के गांव ताजपुर कलां में घर से सोने-चांदी के आभूषण और जरूरी कागजात चोरी होने की घटना का पुलिस ने खुलासा करने का दावा किया है। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को पानीपत-खटीमा मार्ग से गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चोरी के आभूषण, 9,400 रुपये की नकदी और एक अवैध चाकू बरामद किया गया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई में जुटी है।

पुलिस के अनुसार, गांव ताजपुर कलां निवासी प्रीतम सिंह ने 30 अगस्त 2026 को छपार थाने में तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात चोर उनके घर से सोने-चांदी के आभूषण और जरूरी कागजात चोरी कर ले गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम गठित की गई थी।

रविवार को छपार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भूरा उर्फ तसव्वर पुत्र अंसार निवासी जामिया नगर, अंबा विहार, थाना खालापार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक सोने की चेन, एक ओम, दो अंगूठियां, सफेद धातु की दो जोड़ी पाजेब और बच्चों के कंगन बरामद किए। इसके अलावा 9,400 रुपये नकद भी मिले। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक अवैध चाकू बरामद होने की बात भी पुलिस ने कही है।

थानाध्यक्ष मोहित सहरावत के नेतृत्व में हुई कार्रवाई

एसएसपी सूरज कुमार राय के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। एसपी सिटी अमृत जैन के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार के पर्यवेक्षण और थानाध्यक्ष मोहित सहरावत के नेतृत्व में छपार पुलिस की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक सुभाषचंद्र, उपनिरीक्षक पवन कुमार, हेड कांस्टेबल राधेश्याम तथा कांस्टेबल जितेंद्र सिंह, रविंद्र कुमार और विनोद कुमार शामिल रहे।

पुलिस के मुताबिक, बरामद आभूषण और नकदी छपार थाने में दर्ज मुकदमे से संबंधित हैं। आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

किड्जी न्यू मंडी में धूमधाम से मनाया गया नवरात्रि महापर्व

मुजफ्फरनगर। नई मंडी स्थित किड्जी प्ले स्कूल में नवरात्रि महापर्व बड़े हर्षोल्लास, श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मां भगवती के पूजन से शुरू हुए इस आयोजन में डांडिया नृत्य और कन्या पूजन मुख्य आकर्षण रहे। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां भगवती के भव्य स्वागत एवं पूजन के साथ हुआ। इसके बाद बच्चों ने पारंपरिक अंदाज में डांडिया नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे बच्चों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कन्या पूजन के दौरान कन्याओं का विधिवत पूजन कर उन्हें भेंट प्रदान की गई। इस अवसर पर मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए नारी शक्ति के सम्मान का संदेश दिया गया।

नवरात्रि पर्व संस्कारों और नारी



शक्ति के सम्मान का प्रतीकः चारु भारद्वाज

विद्यालय की निदेशिका चारु भारद्वाज ने कहा कि नवरात्रि का पर्व हमें नारी शक्ति के सम्मान, भक्ति, संस्कार और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। इस प्रकार के सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों से बच्चों में भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित होती है। बचपन से ही बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़ना जरूरी है, ताकि वे संस्कारों और नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात कर सकें।विद्यालय की कोऑर्डिनेटर सौम्या अरोड़ा ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को भारतीय परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ उनमें आपसी सहयोग, उत्साह और संस्कारों का विकास करते हैं। विद्यालय में शिक्षा के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों को भी महत्व दिया जाता है, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय की एकेडमिक इंचार्ज प्रीति त्यागी ने किया। आयोजन को सुव्यवस्थित एवं आकर्षक बनाने में एक्टिविटी इंचार्ज सना सहित समस्त स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।अंत में मां भगवती से सभी बच्चों एवं उनके परिवारों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। पूरा विद्यालय परिसर श्रद्धा, उमंग और भक्तिभाव से सराबोर रहा। नवरात्रि महापर्व का यह आयोजन बच्चों के लिए धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपराओं और संस्कारों से जुड़ने का यादगार अवसर बना।

मुजफ्फरनगर रेल यात्री संघ ट्रेनों की लेटलतीफी पर खफा: पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान को सौंपा ज्ञापन

मुजफ्फरनगर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख रेल मार्ग पर पिछले तीन महीनों से ट्रेनों की लगातार हो रही लेटलतीफी और यात्रियों की बढ़ती समस्याओं को लेकर दैनिक रेल यात्री संघ ने सख्त रुख अपनाया है। संगठन के पदाधिकारियों ने भाजपा नेता व दैनिक रेल यात्री संघ के अध्यक्ष घनश्याम भगत के नेतृत्व में पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान के एटूजेड रोड स्थित आवास पर पहुंचकर उनसे शिष्टाचार भेंट की और रेल यात्रियों की ज्वलंत समस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन सौंपते हुए संघ के अध्यक्ष घनश्याम भगत ने पूर्व मंत्री को अवगत कराया कि गाजियाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर मार्ग पर संचालित लगभग सभी ट्रेनें पिछले तीन माह से अपने निर्धारित समय से घंटों देरी से चल रही हैं। ट्रेनों के इस अनिश्चित संचालन के कारण रोजाना सफर करने वाले नौकरीपेशा लोगों, व्यवसायियों और विद्यार्थियों को भारी मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। उन्होंने मांग की कि सभी यात्री गाड़ियों का समयबद्ध संचालन सुनिश्चित किया जाए ताकि आमजन की दिनचर्या प्रभावित न हो।

नई मेमू ट्रेनों के समय परिवर्तन व नई रेलगाड़ियों की मांग

प्रतिनिधिमंडल ने रेल संचालन में सुधार हेतु ठोस सुझाव भी पूर्व मंत्री के समक्ष रखे। अध्यक्ष घनश्याम भगत ने कहा कि रेलवे विभाग द्वारा हाल ही में शुरू की गई दो नई मेमू पैसेंजर ट्रेनों का समय सुबह के वक्त मेरठ-मुजफ्फरनगर-सहारनपुर मार्ग के लिए निर्धारित किया जाना बेहद आवश्यक है, जिससे सुबह के समय यात्रा करने वाले यात्रियों को राहत मिल सके। इसके अलावा दिल्ली-मेरठ-मुजफ्फरनगर रूट पर यात्रियों की भारी भीड़ और दबाव को देखते हुए अतिरिक्त नई रेलगाड़ियां चलाने की भी पुरजोर मांग की गई।

जनता इंटर कॉलेज, भोपा (मुजफ्फरनगर)
(विद्यालय की प्रबन्ध समिति का त्रिवार्षिक चुनाव कार्यक्रम)

दिनांकः- 17/10/2026

महोदय/महोदया,

आपको सादर अवगत कराना है कि जनता इण्टर कॉलेज, भोपा (मुजफ्फरनगर) की विद्यालय की प्रबन्ध समिति का चुनाव कराने हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक मुजफ्फरनगर के आदेश प्रशस्ति-1/5610-12/2026-27 दिनांक 08/09/2026 द्वारा अधोहस्ताक्षरी को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। समस्त चुनाव प्रक्रिया जनता इण्टर कॉलेज, भोपा के प्रांगण में सम्पन्न होगी। चुनाव प्रक्रिया में प्रतिभाग हेतु प्रत्येक सदस्य को आधार कार्ड मूल तथा छायाप्रति दोनों अनिवार्यतः साथ लानी है। नामांकन हेतु पदाधिकारी पद के लिए 2000/- (दो हजार रुपये) तथा सदस्य पद हेतु 1000/- (एक हजार रुपये) नकद जमा करना होगा।

चुनाव कार्यक्रम

दिनांक 12.11.2026 (बृहस्पतिवार) प्रातः 10:00 बजे सदस्यता सूची विद्यालय के सूचना पट्ट पर चस्पा।

दिनांक 14.11.2026 (शनिवार) अपराह्न 3:30 से 4:30 बजे सदस्यता सूची पर आपत्तियाँ तथा निवारण। अपराह्न 4:30 बजे शुद्ध/अन्तिम सूची का प्रकाशन।

दिनांक 15.11.2026 (रविवार) प्रातः 9:00 बजे से 11:00 बजे तक झ प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र प्राप्त करना। प्रातः 11:00 बजे से 12:30 बजे झ प्रत्याशियों द्वारा भरे गए नामांकन पत्र जमा करना। अपराह्न 12:30 बजे से 1:30 बजे झ नामांकन पत्रों की जाँच।

अपराह्न 1:30 बजे झ नामांकन किए प्रत्याशियों की सूची का प्रकाशन। अपराह्न 2:00 बजे से 2:30 बजे तक नामांकन पत्रों के सापेक्ष आपत्तियाँ प्राप्त करना व निस्तारण करना। अपराह्न 2:30 बजे से 3:00 बजे तक झ नामांकन वापस लेना।

अपराह्न 3:45 बजे प्रत्याशियों की सूची का अन्तिम प्रकाशन। शाम 4:00 बजे झ चुनाव चिन्ह आवंटन (अगर आवश्यक हुआ)। दिनांक 22.11.2026 (रविवार) झ प्रातः 9:00 बजे से 2:00 बजे तक मतदान (यदि आवश्यक हुआ)।

अपराह्न 2:00 बजे से मतगणना। चुनाव परिणाम की घोषणा मतगणना के तत्काल बाद। नोटः- मतदान हेतु फोटोपहचान पत्र मूलरूप में साथ लाना जरूरी है।

(योगेन्द्र मलिक)
चुनाव अधिकारी

नई मंडी की रामलीला में दशरथ मरण, शूर्पणखा नासिका भंग और सीता हरण का भावपूर्ण मंचन

मुजफ्फरनगर। श्री रामलीला समिति नई मंडी के शताब्दी वर्ष महोत्सव के अंतर्गत आयोजित श्री रामलीला महोत्सव में बीती रात दशरथ मरण, शूर्पणखा नासिका भंग और सीता हरण जैसे महत्वपूर्ण एवं मर्मस्पर्शी प्रसंगों का जीवंत मंचन किया गया।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादकः
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

कलाकारों ने अपने उत्कृष्ट अभिनय, भावपूर्ण संवादों और प्रभावशाली प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रामलीला के दौरान पंडाल में मौजूद श्रद्धालु विभिन्न प्रसंगों को देखकर भाव-विभोर हो उठे। विशेष रूप से राजा दशरथ के पुत्र वियोग में प्राण त्यागने के दृश्य ने दर्शकों को भावुक कर दिया और अनेक लोगों की आंखें नम हो गईं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सुप्रसिद्ध समाजसेवी बिजेंदर अग्रवाल रानू ने दीप प्रज्वलित कर रात्रि की लीला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्रीराम के आदर्शों और रामलीला के प्रसंगों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जीवन में मयार्दा, संयम, विवेक और नैतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देने वाला माध्यम भी है।

मयार्दा का उल्लंघन बन सकता है संकट का कारणः बिजेंदर अग्रवाल

मुख्य अतिथि बिजेंदर अग्रवाल रानू ने कहा कि सीता हरण का प्रसंग मनुष्य को महत्वपूर्ण सीख देता है। जब व्यक्ति मयार्दाओं की लक्ष्मण रेखा को लांघता है और सोने के हिरण जैसे बाहरी आकर्षण एवं मोह के जाल में फंस जाता है, तो उसे



गंभीर संकटों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि जीवन में कितनी भी विपरीत परिस्थितियां क्यों न आएं, व्यक्ति को हमेशा संयम, विवेक और नैतिक मयार्दाओं के भीतर रहकर निर्णय लेना चाहिए। मयार्दा का उल्लंघन विनाश का कारण बन सकता है, जबकि विवेकपूर्ण आचरण जीवन को सही दिशा प्रदान करता है।

कलाकारों ने जीवंत किया रामायण का मार्मिक प्रसंग

रामलीला मंचन के दौरान दिखाया गया कि किस प्रकार शूर्पणखा भगवान श्रीराम और लक्ष्मण के समक्ष विवाह का प्रस्ताव रखती है। घटनाक्रम आगे बढ़ने पर लक्ष्मण जी शूर्पणखा की नासिका भंग कर देते हैं। इसके बाद प्रतिशोध की भावना से प्रेरित रावण छलपूर्वक सोने के हिरण का प्रसंग रचकर माता सीता का हरण कर लेता है। कलाकारों ने इन दृश्यों को प्रभावशाली अभिनय और संवादों के माध्यम से प्रस्तुत किया।



वहीं, राजा दशरथ के पुत्र वियोग में प्राण त्यागने के प्रसंग ने पूरे वातावरण को गमगीन कर दिया। भगवान श्रीराम के वनवास से व्यथित दशरथ की पीड़ा को कलाकारों ने इतनी मार्मिकता से प्रस्तुत किया कि दर्शक भावुक हो उठे। रामलीला के इन प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के जीवन, त्याग, कर्तव्य और मयार्दा के आदर्शों का स्मरण कराया।

श्री रामलीला समिति नई मंडी के शताब्दी वर्ष महोत्सव को भव्य एवं सफल बनाने के लिए समिति के अध्यक्ष संजय मित्तल, मंत्री अशोक गर्ग, कोषाध्यक्ष आदित्य भरतिया सहित सभी कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। आयोजन में नगर के गणमान्य लोगों और श्रद्धालुओं का भी सहयोग मिल रहा है। शताब्दी वर्ष के इस आयोजन को लेकर क्षेत्र में विशेष उत्साह बना हुआ है।



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
सोमवार 19 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3



नशे के खिलाफ जंग का संदेश लेकर निकली मोटरसाइकिल रैली का मुजफ्फरनगर में भव्य स्वागत

उत्तराखंड से दिल्ली स्थित सीआरपीएफ कैंप तक निकाली जा रही रैली को पुलिस ने दिया सुरक्षा कवच, बॉर्डर से अगले जनपद की सीमा तक एस्कॉर्ट; मेडिकल वाहन, जलपान और आपात सहायता के भी किए इंतजाम

मुजफ्फरनगर। नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश देने के उद्देश्य से उत्तराखंड से दिल्ली तक निकाली जा रही मोटरसाइकिल रैली का मुजफ्फरनगर में भव्य स्वागत किया गया। राष्ट्रीय एकता दिवस के दृष्टिगत ह्यफाइट अगेंस्ट ड्रग्स यानी नशे के विरुद्ध लड़ाई की थीम पर निकाली जा रही इस रैली में उत्तराखंड पुलिस के राइडर्स और सहयोगी दल शामिल हैं। रैली के जनपद में प्रवेश करने पर मुजफ्फरनगर पुलिस ने न केवल प्रतिभागियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया, बल्कि उनके सुरक्षित और सुचारु आवागमन के लिए सुरक्षा से लेकर यातायात तक के व्यापक इंतजाम भी किए। 31 अक्टूबर को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस के मद्देनजर आयोजित इस पहल का उद्देश्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना और समाज में नशे के विरुद्ध एकजुटता का संदेश पहुंचाना है। उत्तराखंड से शुरू हुई यह मोटरसाइकिल रैली दिल्ली स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कैंप तक पहुंच रही है। रैली के दौरान पुलिसकर्मियों और राइडर्स के बीच समन्वय बनाए रखने के साथ-साथ उनके सुरक्षित सफर को प्राथमिकता दी गई।

पुरकाजी बॉर्डर पर फूल-मालाओं से हुआ स्वागत

रैली के मुजफ्फरनगर पहुंचने पर पुरकाजी स्थित उत्तराखंड बॉर्डर पर क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार ने रैली में शामिल राइडर्स और सहयोगी टीम का स्वागत किया। इस दौरान प्रतिभागियों को फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया और उनका कुशलक्षेम जाना गया। पुलिस अधिकारियों ने रैली के उद्देश्य और प्रतिभागियों की यात्रा को लेकर आवश्यक जानकारी भी ली। उत्तराखंड से दिल्ली तक निकाली जा रही इस रैली में शामिल पुलिसकर्मी नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश लेकर आगे बढ़ रहे हैं। मुजफ्फरनगर में उनके स्वागत के जरिए पुलिस ने इस सामाजिक अभियान के प्रति अपना सहयोग और प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित की।

बॉर्डर से अगले जनपद की सीमा तक पुलिस का सुरक्षा कवच

रैली के सुरक्षित और व्यवस्थित संचालन के लिए मुजफ्फरनगर पुलिस ने विशेष सुरक्षा व्यवस्था की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार के नेतृत्व में रैली के आवागमन को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए। पुलिस ने समन्वय बनाए रखने और किसी भी संभावित परेशानी से बचने के लिए पुलिसकर्मियों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गईं।



उत्तराखंड बॉर्डर से रैली को अगले जनपद की सीमा तक एस्कॉर्ट उपलब्ध कराया, ताकि राइडर्स बिना किसी बाधा के निर्धारित मार्ग से आगे बढ़ सकें। इस दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। रैली के साथ आपात स्थिति से निपटने के लिए मेडिकल वाहन तैनात

लंबी दूरी की मोटरसाइकिल यात्रा के दौरान किसी भी आकस्मिक परिस्थिति से निपटने के लिए पुलिस ने चिकित्सा सहायता की व्यवस्था भी सुनिश्चित की। रैली के साथ मेडिकल वाहन की व्यवस्था की गई, ताकि जरूरत पड़ने पर प्रतिभागियों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इसके अलावा तकनीकी समस्या या अन्य किसी आपात स्थिति में मदद पहुंचाने के लिए भी आवश्यक प्रबंध किए गए। राइडर्स की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जलपान की व्यवस्था भी की गई। पुलिस का प्रयास रहा कि यात्रा के दौरान प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और रैली निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुरक्षित तरीके से आगे बढ़ सके।

नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाना रैली का मुख्य उद्देश्य

ह्यफाइट अगेंस्ट ड्रग्सह्ल थीम पर निकाली जा रही इस मोटरसाइकिल रैली का मुख्य उद्देश्य समाज में नशे के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाना है। नशे की लत युवाओं और परिवारों को प्रभावित करती है। ऐसे में पुलिस की इस पहल के जरिए लोगों को नशे से दूर रहने और नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने का संदेश दिया जा रहा है। मुजफ्फरनगर पुलिस ने रैली को सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराने, प्रतिभागियों के स्वागत और आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने के साथ इस अभियान में सहयोग दिया। पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में की गई व्यवस्थाओं का उद्देश्य रैली को सुरक्षित, सुचारु और समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाना रहा। राष्ट्रीय एकता दिवस के दृष्टिगत निकाली जा रही यह रैली नशे के खिलाफ सामूहिक प्रयास और जागरूकता का संदेश लेकर आगे बढ़ रही है। मुजफ्फरनगर में पुलिस के स्वागत और सुरक्षा प्रबंधों के साथ रैली को अगले जनपद के लिए रवाना किया गया।

15 मुकदमों वाला टप्पेबाज पुलिस मुठभेड़ में घायल, कुंडल ठगी का खुलासा

मुजफ्फरनगर। महिला को गांव छोड़ने का झांसा देकर उसके दोनों कुंडल ठगने वाला आरोपी शनिवार देर रात कोतवाली नगर पुलिस के साथ मुठभेड़ में घायल हो गया। कछौली चौराहे के पास चेकिंग के दौरान पुलिस ने स्कूटी सवार संदिग्ध को रोकने का प्रयास किया तो वह भागने लगा। पीछा करने पर आरोपी ने स्कूटी छोड़कर जंगल की ओर भागते हुए पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लग गई। घायल आरोपी को गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से 4,360 रुपये नकद, एक मोबाइल फोन, बिना नंबर प्लेट की स्कूटी, 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ मुजफ्फरनगर और सहारनपुर के विभिन्न थानों में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।



गांव छोड़ने के बहाने उतरवाए थे महिला के कुंडल

पुलिस के अनुसार, छपार निवासी कलसुमन दो अक्टूबर 2026 को छपार से पावटी खुर्द जा रही थीं। सुबह करीब 10:40 बजे रोहाना मिल रेलवे फाटक के पास लाल रंग की स्कूटी सवार एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें गांव छोड़ने का झांसा देकर अपने साथ बैठा लिया। आरोपी ने रेलवे फाटक से पहले स्कूटी रोक दी और महिला से कहा कि आगे फाटक बंद है तथा पुलिस की चेकिंग चल रही है। उसने महिला को सुरक्षा का बहाना बनाकर अपने कुंडल उतारने के लिए कहा। आरोप है कि महिला के दोनों कुंडल उतरवाने के बाद आरोपी उन्हें अपने कब्जे में लेकर महिला को वहीं उतारकर फरार हो गया। महिला ने शोर मचाया, लेकिन आरोपी हाथ नहीं आया। इसके बाद महिला अपनी रिश्तेदारी में पावटी खुर्द पहुंचीं और चार अक्टूबर को कोतवाली नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में मुकदमा संख्या 441/2026 धारा 318(4) बीएनएस के तहत दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी।

चेकिंग के दौरान पुलिस को देखकर भागा, जंगल में की फायरिंग

पुलिस के मुताबिक शनिवार की रात कोतवाली नगर पुलिस कछौली चौराहे के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की स्कूटी पर सवार एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया तो वह स्कूटी मोड़कर गांव कछौली की ओर भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा किया तो आरोपी कुछ दूरी पर स्कूटी छोड़कर जंगल की ओर भागने लगा। पुलिस का आरोप है कि खुद को घिरता देख आरोपी ने पुलिसकर्मियों पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई। पुलिस टीम ने उसे आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन वह फायरिंग करता रहा। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

बुढ़ाना-कांधला मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, चार युवक गंभीर घायल, एक की मौत

मुजफ्फरनगर। फुगाना थाना क्षेत्र में बुढ़ाना-कांधला मार्ग पर जोगियाखेड़ा गांव के निकट दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को उपचार के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने मेरठ रेफर कर दिया। इसी दौरान मेरठ ले जाते समय कांधला की नई बस्ती निवासी उवेश की मौत हो गई। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जोगियाखेड़ा गांव के निकट आमने-सामने टकराईं दोनों बाइक

जानकारी के अनुसार, बुढ़ाना-कांधला मार्ग पर जोगियाखेड़ा गांव के निकट दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइकों पर सवार चार युवक गंभीर रूप से



घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को संभाला और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद घायलों को तत्काल उपचार के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया।

गंभीर हालत में मेरठ रेफर किए गए चारों युवक

अस्पताल में चिकित्सकों ने घायलों की हालत गंभीर देखते हुए चारों को बेहतर उपचार के लिए मेरठ रेफर कर दिया। घायलों में कांधला की नई बस्ती निवासी उवेश भी शामिल था। उसे भी उपचार के लिए मेरठ ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। उवेश की मौत की खबर से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

साथियों के साथ जोगियाखेड़ा की ओर जा रहा था उवेश

परिजनों के अनुसार, कांधला निवासी ओवैस अपने साथियों के साथ मोटरसाइकिल से जोगियाखेड़ा गांव की ओर जा रहा था। इसी दौरान गांव के निकट दो मोटरसाइकिलें आमने-सामने टकरा गईं। हादसे में ओवैस, मोबिन, सुफियान समेत चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने मदद करते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। युवक की मौत से परिवार में मचा कोहराम

उवेश की मौत की खबर मिलते ही घर में चीख-पुकार मच गई। परिजन गहरे सदमे में हैं। हादसे में तीन अन्य युवकों के घायल होने से उनके परिवार भी चिंतित हैं। एक सड़क दुर्घटना ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। क्षेत्र में भी घटना को लेकर शोक का माहौल है। बुढ़ाना-कांधला मार्ग पर हुए इस हादसे में एक युवक की जान चली गई, जबकि तीन अन्य घायलों का उपचार जारी है। दुर्घटना के कारणों और घायलों की मौजूदा स्थिति के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।

एटीएम में मदद का झांसा, कार्ड बदला और खाते से निकाल लिए 50 हजार रुपये

मुजफ्फरनगर। एटीएम से रुपये निकालने में मदद करने के बहाने दो अज्ञात युवकों ने एक व्यक्ति का कार्ड बदलकर उसकी चाची के खाते से 50 हजार रुपये निकाल लिए। मेरठ रोड स्थित नानूपुरी गेट के पास सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम पर हुई इस घटना में पीड़ित को अगले दिन कार्ड बदले जाने का पता चला। बैंक से जानकारी करने पर खाते से रकम निकाले जाने का खुलासा हुआ। पीड़ित की तहरीर पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मदद के बहाने लिया कार्ड, दूसरे बैंक का एटीएम थमाया

अंसारी रोड स्थित बोहरों के मंदिर क्षेत्र निवासी अखिलेश डबराल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 2 अक्टूबर 2026 की रात करीब आठ बजे वह मेरठ रोड पर नानूपुरी गेट के पास स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम पर रुपये निकालने गए थे। वहां पहले से मौजूद दो अज्ञात युवकों ने उन्हें भरोसे में लिया और रुपये निकालने में मदद करने के बहाने उनकी चाची उषा देवी के नाम का एटीएम कार्ड ले लिया। आरोप है कि युवकों ने कार्ड से रुपये निकालने का प्रयास किया, लेकिन नकदी नहीं निकली। इसके बाद उन्होंने एटीएम में खराबी होने की बात कहकर अखिलेश को पंजाब नेशनल बैंक का दूसरा एटीएम कार्ड थमा दिया और वहां से चले गए। अखिलेश भी इसे सही समझकर घर लौट गए।

शेरपुर में दो भाइयों पर कैंची से जानलेवा हमले का आरोपी गिरफ्तार, पुलिया के पास दबोचा

मुजफ्फरनगर। कोतवाली नगर क्षेत्र के गांव शेरपुर में गाली-गलौज का विरोध करने पर दो भाइयों पर कैंची से हमला करने के मामले में पुलिस ने नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने रविवार, 18 अक्टूबर को आरोपी अनस को शेरपुर पुलिया के पास से दबोचा। उसके खिलाफ कोतवाली नगर में जानलेवा हमले और गाली-गलौज से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज है। पुलिस के अनुसार, आरोपी इस मामले में वांछित चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

घर के बाहर खड़े थे दोनों भाई, गाली-गलौज के बाद बढ़ा विवाद

मामला 17 अक्टूबर 2026 की दोपहर का है। गांव शेरपुर निवासी मो. प्रवेज की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, उसके भाई मो. सरवर और शाहवेज दोपहर करीब 1:30 बजे अपने घर के बाहर खड़े थे। इसी दौरान गांव के दूसरे मोहल्ले में रहने वाला अनस पुत्र आरिफ वहां पहुंच गया। आरोप है कि अनस ने दोनों भाइयों के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी।kतहरीर में बताया गया कि जब सरवर और शाहवेज ने गाली देने का विरोध किया तो विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इसी दौरान अनस पास की नाई की दुकान से कैंची उठा लाया और दोनों भाइयों पर हमला कर दिया। हमले में दोनों को गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस से शिकायत कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

भाई की शिकायत पर दर्ज हुआ था मुकदमा

घटना के संबंध में मो. प्रवेज पुत्र अकबर निवासी गांव शेरपुर ने 17 अक्टूबर को कोतवाली नगर पुलिस को लिखित तहरीर दी थी। शिकायत में उसने अपने भाइयों सरवर और शाहवेज के साथ गाली-गलौज करने तथा कैंची से हमला किए जाने का आरोप लगाया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अनस पुत्र आरिफ के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 466/2026 दर्ज किया। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1) और 352 लगाई गई हैं। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी थी। रविवार को पुलिस ने उसे शेरपुर पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया।

हाईवे पर दौड़ते दूध के कैंटर में लगी आग, पेट्रोल पंप के सामने मची अफरा-तफरी

मुजफ्फरनगर। दिल्ली-देहरादून नेशनल हाईवे-58 पर रविवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब दूध लेकर जा रहे एक कैंटर में अचानक आग लग गई। छपार थाना क्षेत्र के गांव सिसौना में पेट्रोल पंप के सामने चलते वाहन से आग की लपटें उठने लगीं। हाईवे पर गुजर रहे वाहनों और आसपास मौजूद लोगों का ध्यान आग की ओर गया तो मौके पर हलचल मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

जानकारी के अनुसार, दूध से भरा कैंटर दिल्ली-देहरादून नेशनल हाईवे-58 से गुजर रहा था। रविवार देर रात करीब 11 बजे कैंटर छपार थाना क्षेत्र के गांव सिसौना में पेट्रोल पंप के सामने पहुंचा, तभी उसमें अचानक आग लग गई। चलते वाहन में आग लगने की घटना से चालक के सामने भी मुश्किल स्थिति पैदा हो गई। देखते ही देखते आसपास के लोगों का ध्यान कैंटर की ओर आकर्षित हो गया। हाईवे पर मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी दमकल विभाग को दी, जिसके बाद आग बुझाने के लिए टीम को मौके पर भेजा गया।

सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कार्रवाई शुरू की। आग पर काबू पाने के लिए दमकलकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। काफी प्रयासों के बाद आग बुझा दी गई। घटना के दौरान हाईवे पर कुछ समय तक हलचल बनी रही। राहत की बात यह रही कि आग की चपेट में आने से किसी के घायल होने या जान जाने की सूचना सामने नहीं आई।

पेट्रोल पंप के सामने हादसा, आग लगने के कारणों पर स्थिति स्पष्ट नहीं

दूध के कैंटर में आग लगने की घटना ऐसे स्थान पर हुई, जहां सामने पेट्रोल पंप मौजूद था। ऐसे में आग की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों में चिंता बढ़ गई। हालांकि, दमकल विभाग की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया। फिलहाल कैंटर में आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल सका है। आग से वाहन और उसमें रखे दूध को कितना नुकसान हुआ, इसकी भी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। हाईवे पर चलते वाहन में आग लगने की इस घटना ने एक बार फिर वाहनों में आग लगने की स्थिति में तत्काल अग्निशमन व्यवस्था की अहमियत को सामने ला दिया। फिलहाल घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं है।

ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत खालापार पुलिस की कार्रवाई, चार गैर-जमानती वारंटी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। जनपद में वांछित आरोपियों और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत खालापार थाना पुलिस ने चार गैर-जमानती वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ न्यायालय से गैर-जमानती वारंट जारी थे। इनमें तीन आरोपी महिला थाने में दर्ज दहेज उत्पीड़न के एक मामले में वारंटी हैं, जबकि चौथा आरोपी गोवध निवारण अधिनियम से जुड़े मामलों में वांछित था। पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन के पर्यवेक्षण और सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए ऑपरेशन चक्रव्यूह चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत खालापार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सूजडू और खालापार के रहने वाले हैं गिरफ्तार आरोपी

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दानिश, शहनवाज और शमा के रूप में हुई है। तीनों सूजडू के मोहल्ला दीन मोहम्मद में ट्रांसफार्मर वाली मस्जिद के पास की गली के निवासी हैं। चौथे आरोपी की पहचान वसीम पुत्र यामीन के रूप में हुई है, जो खालापार की दर्जी वाली गली में मकान संख्या 99 का निवासी बताया गया है। पुलिस ने चारों को गैर-जमानती वारंट के आधार पर गिरफ्तार किया है।



महिला थाने में दर्ज दहेज उत्पीड़न के मामले में तीन वारंटी

पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, दानिश, शहनवाज और शमा के खिलाफ महिला थाना मुजफ्फरनगर में दर्ज मुकदमे से संबंधित वाद संख्या 831/19 में वारंट जारी था। यह मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए, 323 और 506 तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम से संबंधित है। तीनों की गिरफ्तारी इसी वाद में जारी गैर-जमानती वारंट के आधार पर की गई।

वसीम पर गोवध निवारण अधिनियम समेत कई मामले

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार वसीम के खिलाफ मंसूरपुर थाने में दर्ज मुकदमा संख्या 344/2020 में गोवध निवारण अधिनियम की धारा 3/5/8 के तहत मामला दर्ज है। इसके अलावा कोतवाली नगर में मुकदमा संख्या 190/2020 भी इन्हीं धाराओं में दर्ज बताया गया है। वसीम के खिलाफ मंसूरपुर थाने में मुकदमा संख्या 02/2021 भी दर्ज है, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 148, 149 और 307 शामिल हैं। पुलिस ने उसे संबंधित मामले में जारी वारंट के आधार पर गिरफ्तार किया।



प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में कार्रवाई

चारों वारंटियों की गिरफ्तारी खालापार थाना पुलिस की टीम ने की। कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार, उपनिरीक्षक लोकेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल अजय कुमार, कांस्टेबल संदीप कुमार, पवन कुमार, राहुल कुमार, अंकित कुमार और मोनपाल तथा महिला कांस्टेबल पूजा शामिल रहीं। पुलिस का कहना है कि वारंटियों और वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान जारी रहेगा। गिरफ्तार आरोपियों के मामलों में नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गांधी कॉलोनी से पचेंडा रोड होते हुए बाईपास तक बनेगा नाला, मंत्री अनिल कुमार ने भूमि पूजन कर किया निर्माण कार्य का शुभारंभ

मुजफ्फरनगर। शहर में जल निकासी की समस्या के समाधान और बरसात के दौरान होने वाले जलभराव से लोगों को राहत दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री अनिल कुमार ने रविवार को गांधी कॉलोनी से पचेंडा रोड होते हुए बाईपास तक नाला निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन कर शुभारंभ किया। इस परियोजना से क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने और लोगों को जलभराव के कारण होने वाली परेशानियों से राहत दिलाने की उम्मीद है। लंबे समय से शहरी क्षेत्रों में जल निकासी की बेहतर व्यवस्था की जरूरत महसूस की जाती रही है। ऐसे में नाला निर्माण कार्य को बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि विकास कार्यों का वास्तविक उद्देश्य आमजन की समस्याओं का समाधान करना और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। गांधी कॉलोनी से पचेंडा रोड होते हुए बाईपास तक नाला निर्माण होने से जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी। उन्होंने इस जनहितकारी कार्य के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) चौधरी जयंत सिंह और नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया।



स्थापित पदा हो सकती है। इससे लोगों को अपने घरों, दुकानों और कार्यस्थलों तक पहुंचने में परेशानी होती है। पानी जमा रहने से स्वच्छता संबंधी समस्याएं भी बढ़ सकती हैं। गांधी कॉलोनी से पचेंडा रोड होते हुए बाईपास तक प्रस्तावित नाला निर्माण इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि विकास कार्यों का वास्तविक उद्देश्य आमजन की समस्याओं का समाधान करना और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। गांधी कॉलोनी से पचेंडा रोड होते हुए बाईपास तक नाला निर्माण होने से जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी। उन्होंने इस जनहितकारी कार्य के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) चौधरी जयंत सिंह और नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया।

करेगा कि नाले का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुसार किया जाए और पानी की निकासी के लिए आगे तक उचित व्यवस्था सुनिश्चित हो। नाले की नियमित सफाई और रखरखाव भी जल निकासी व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए जरूरी होगा।

भूमि पूजन कर मंत्री अनिल कुमार ने शुरू कराया विकास कार्य

रविवार को आयोजित कार्यक्रम में मंत्री अनिल कुमार ने विधिवत भूमि पूजन किया और नाला निर्माण कार्य का शुभारंभ कराया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाना आवश्यक है। क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विकास होने से आम नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलता है और लोगों की रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान करने में मदद मिलती है। मंत्री ने कहा कि सरकार का संकल्प केवल विकास कार्य कराना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन को बेहतर बनाना है।

संपादकीय

खेलों में पदक चाहिए, तो जवाबदेही भी तय करनी होगी

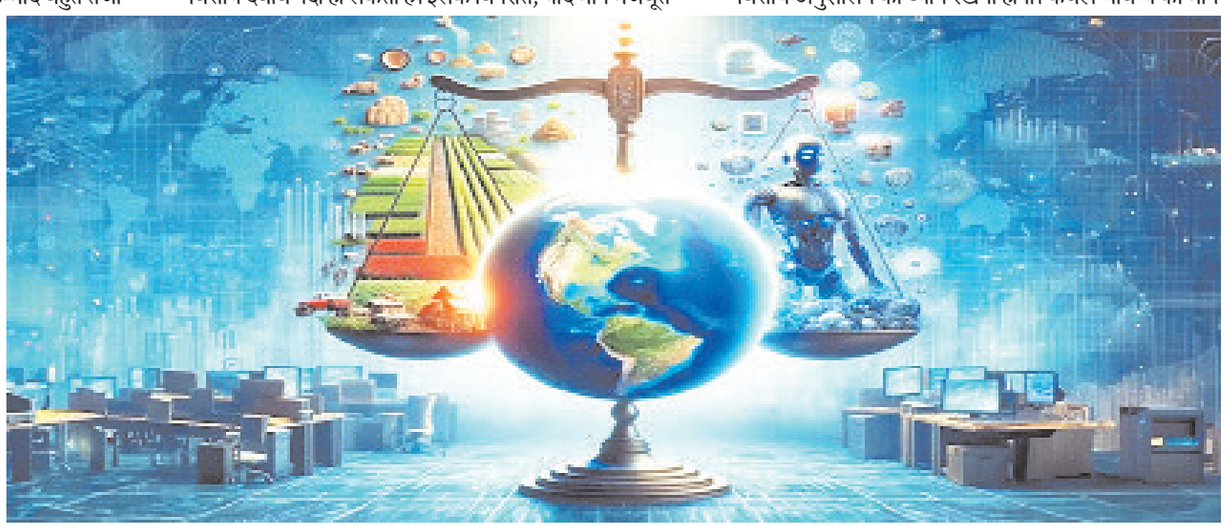
देश के अनेक खेल संघों में ऐसे लोग शीर्ष पदों पर काबिज हैं, जिनकी खेलों में कोई पृष्ठभूमि नहीं रही है। एशियाई खेलों में एथलेटिक्स और बैडमिंटन जैसे खेलों में अपेक्षित पदक नहीं मिले, तो खेल मंत्रालय समीक्षा बैठक करता है। पिछली एशियाई खेलों के मुकाबले इस बार पदकों की संख्या में कमी निश्चित रूप से चिंता का मामला है। मगर क्या कभी उन लोगों की जवाबदेही भी तय होती है, जिनके हाथों में खेलों का प्रशासन है? खिलाड़ियों से पदक जीतने की अपेक्षा की जाती है, तो क्या खेल संगठनों के पदाधिकारियों से नतीजों का हिसाब मांगा जाता है?देश के अनेक खेल संघों में ऐसे लोग शीर्ष पदों पर काबिज हैं, जिनकी खेलों में कोई पृष्ठभूमि नहीं रही है। प्रशासनिक अनुभव जरूरी है, लेकिन खेल की बारीकियों, खिलाड़ियों की समस्याओं और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा की चुनौतियों की समझ भी नेतृत्व की अनिवार्य शर्त होनी चाहिए। विडंबना है कि खिलाड़ियों के भविष्य से जुड़े फैसले लेने वाली व्यवस्था में कई बार उनकी आवाज कमजोर पड़ जाती है। सवाल है कि पदाधिकारियों के कामकाज की समीक्षा और जवाबदेही तय करने का प्रभावी तंत्र क्यों नहीं है? जब पद प्रतिष्ठा व प्रभाव का माध्यम बन जाएं, तो खेल हित का पीछे छूटना लाजिमी है।दूसरी बड़ी चुनौती प्रतिभाओं की खोज है। गांवों और छोटे कस्बों में अनेक ऐसे बच्चे हैं, जो उचित प्रशिक्षण, उपकरण और अवसर मिलने पर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा की चमक बिखेर सकते हैं। मगर प्रतिभाओं की पहचान अगर संयोग पर निर्भर हो, तो यह व्यवस्था की विफलता है। कितने ही संभावित और बेहतरीन खिलाड़ी संसाधनों के अभाव में खेल छोड़ देते हैं। कितनों को केवल इसलिए अवसर नहीं मिलता कि उनके पास उच्च संपर्क नहीं हैं। प्रतिभा को शुरुआती स्तर पर पहचानने और उसे निखारने की व्यवस्थित पहल के बिना पदक बढ़ाने के लक्ष्य अधूरे ही रहेंगे।खेलों में सुधार के लिए बजट और घोषणाओं से आगे बढ़ना होगा। खेल संगठनों के कामकाज का स्वतंत्र मूल्यांकन, पारदर्शी चयन प्रक्रिया, योग्य प्रशिक्षकों की नियुक्ति और प्रतिभा खोज की जवाबदेह व्यवस्था बनानी होगी। मंत्रालय को समीक्षा बैठकों के निष्कर्षों पर कार्रवाई का हिसाब भी सार्वजनिक करना चाहिए। जब तक खेल व्यवस्था में खिलाड़ी सर्वोपरि नहीं होंगे, तब तक पदक की महत्त्वाकांक्षा और उपलब्धियों के बीच की दूरी बनी रहेगी।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उन्माद और वैश्विक बाजार की चिंता

(महेन्द्र तिवारी)

रॉयटर्स की रिपोर्टों के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट के बीच निवेशकों ने सरकारी बांड जैसे अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश साधनों की ओर रुख किया। दक्षिण कोरिया का शेयर बाजार विशेष रूप से प्रभावित हुआ। वहां प्रमुख शेयर सूचकांक कोस्पी 7.57 प्रतिशत गिरकर 5,554.22 पर बंद हुआ।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को इक्कीसवीं सदी की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में गिना जा रहा है। चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, संचार और प्रशासन तक इसका विस्तार नई संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। बड़ी कंपनियां इस तकनीक को विकसित करने और अपने कारोबार में शामिल करने के लिए भारी धनराशि खर्च कर रही हैं। लेकिन जब किसी नई तकनीक के प्रति उम्मीदें बहुत तेजी से बढ़ती हैं, तब उसके साथ जुड़े आर्थिक जोखिम भी बढ़ने लगते हैं। 15 अक्टूबर 2026 को वैश्विक शेयर बाजारों में दिखाई दी उथल-पुथल ने इसी प्रश्न को सामने ला दिया है कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता में किया जा रहा विशाल निवेश भविष्य में अपेक्षित लाभ दे पाएगा।



रॉयटर्स की रिपोर्टों के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट के बीच निवेशकों ने सरकारी बांड जैसे अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश साधनों की ओर रुख किया। दक्षिण कोरिया का शेयर बाजार विशेष रूप से प्रभावित हुआ। वहां प्रमुख शेयर सूचकांक कोस्पी 7.57 प्रतिशत गिरकर 5,554.22 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान गिरावट इतनी तेज थी कि कुछ समय के लिए व्यापार रोकना पड़ा। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स जैसी प्रमुख अर्धचालक कंपनियों के शेयरों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई। जापान का शेयर बाजार भी इस वैश्विक दबाव से अछूता नहीं रहा। इन घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों में निवेशकों की दिलचस्पी के साथ-साथ उनकी आशंकाएं भी बढ़ रही हैं।

इस गिरावट के पीछे केवल शेयरों की कीमतों में पहले आई तेजी नहीं थी। इसके साथ अमेरिका में महंगाई के अपेक्षा से अधिक बने रहने और ब्याज दरों को लेकर बढ़ती अनिश्चितता का भी संबंध था। जब ब्याज दरें ऊंची रहती हैं, तब कंपनियों के लिए कर्ज लेना महंगा हो जाता है। भविष्य में मिलने वाले लाभ का वर्तमान मूल्य भी कम हो सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अनेक कंपनियां ऐसे उपकरणों और प्रतिष्ठानों पर भारी धनराशि खर्च कर रही हैं, जिनसे वास्तविक आय प्राप्त होने में कई वर्ष लग सकते हैं। इसलिए महंगे कर्ज और अनिश्चित लाभ का मेल निवेशकों के लिए चिंता का विषय बन गया है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का आधुनिक ढांचा तैयार करना साधारण काम नहीं है। इसके लिए अत्यंत शक्तिशाली संगणक, उन्नत अर्धचालक चिपें, विशाल आंकड़ा केंद्र, निरंतर बिजली आपूर्ति और प्रभावी शीतलन प्रणालियां चाहिए। इन सबके निर्माण और संचालन में भारी पूंजी लगती है। कंपनियां इस उम्मीद में निवेश कर रही हैं कि आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मांग तेजी से बढ़ेगी और उनके द्वारा तैयार की गई संगणना क्षमता का पर्याप्त उपयोग होगा। लेकिन यदि मांग अनुमान से कम रही या ग्राहकों ने अपेक्षित धनराशि खर्च नहीं की, तो कंपनियों के लिए अपने निवेश से पर्याप्त लाभ कमाना कठिन हो सकता है। अमेरिकी कंपनी कोरवीव का उदाहरण इस चिंता को समझने में मदद करता है। यह कंपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी संगणना सेवाएं उपलब्ध कराती है। रॉयटर्स की 15 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी पर लगभग 50 अरब डॉलर का कर्ज है। उसके शेयरों में लगातार गिरावट आई और उसके कुछ बांडों पर मिलने वाला प्रतिफल भी बहुत बढ़ गया। इससे निवेशकों ने कंपनी की वित्तीय क्षमता और कर्ज चुकाने की योग्यता पर सवाल उठाए। दूसरी ओर, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि उसके पास भविष्य में आय देने वाले अनुबंधों का बड़ा भंडार है।

यहां समझने वाली बात यह है कि भविष्य के अनुबंधों का बड़ा मूल्य होना और समय पर पर्याप्त नकदी प्राप्त होना अलग-अलग बातें हैं। किसी कंपनी को कर्मचारियों के वेतन, बिजली, उपकरणों, ब्याज और ऋण की किस्तों का भुगतान लगातार करना पड़ता है। यदि आय आने में देरी होती है, तो अच्छे अनुबंध होने के बावजूद वित्तीय दबाव पैदा हो सकता है। इसके विपरीत, यदि मांग मजबूत रहती है और कंपनी अपने अनुबंधों को वास्तविक आय में बदल पाती है, तो भारी निवेश लाभदायक भी साबित हो सकता है। इसलिए किसी कंपनी के शेयरों में गिरावट को उसके कारोबार के समाप्त होने का प्रमाण मानना उचित नहीं है।

इस घटनाक्रम ने सरकारी बांडों की भूमिका को भी फिर चर्चा में ला दिया है। जब निवेशकों को शेयर बाजार में अधिक जोखिम दिखाई देता है, तब वे अपनी पूंजी का कुछ हिस्सा सरकारी प्रतिभूतियों में लगाते हैं। इससे इन बांडों की मांग बढ़ सकती है और उनकी कीमतों में तेजी आ सकती है। सामान्यतः बांड की कीमत और उससे मिलने वाला प्रतिफल विपरीत दिशा में चलते हैं। 15 अक्टूबर को वैश्विक बाजारों में सरकारी बांडों की ओर बढ़ते रुझान को इसी संदर्भ में देखा गया। हालांकि सरकारी बांड भी ब्याज दरों में बदलाव से प्रभावित होते हैं, इसलिए उन्हें हर परिस्थिति में पूरी तरह जोखिममुक्त नहीं माना जा सकता।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता का वर्तमान विस्तार किसी आर्थिक बुलबुले का रूप ले रहा है। आर्थिक बुलबुले की स्थिति तब बन सकती है, जब किसी परिसंपत्ति का बाजार मूल्य उसकी वास्तविक कमाई और दीर्घकालीन संभावनाओं से बहुत आगे निकल जाए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में कुछ कंपनियों के ऊंचे मूल्यांकन, भारी कर्ज और भविष्य की आय को लेकर अनिश्चितता ने इस आशंका को बढ़ाया है। फिर भी पूरे उद्योग को एक ही दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। कुछ कंपनियों के पास पर्याप्त नकदी, मजबूत ग्राहक आधार और विविध कारोबार हैं, जबकि कुछ कंपनियां विस्तार के लिए लगातार कर्ज पर निर्भर हैं। दोनों की वित्तीय स्थिति और जोखिम अलग-अलग हैं।

इसका भारत पर भी प्रभाव पड़ सकता है। वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ने पर विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से भी पूंजी निकाल सकते हैं। इससे शेयरों की कीमतों और रुपये में उतार-चढ़ाव बढ़ने की आशंका रहती है। दूसरी ओर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विस्तार से भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए नई संभावनाएं भी पैदा हो सकती हैं। आंकड़ा प्रबंधन, तकनीकी सेवाओं, साइबर सुरक्षा और व्यावसायिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाने के क्षेत्र में भारतीय कंपनियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। लेकिन इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए कौशल विकास, अनुसंधान, बिजली की उपलब्धता और तकनीकी ढांचे में निवेश जरूरी होगा।

भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े प्रतिष्ठानों का विस्तार करते समय भी वित्तीय अनुशासन का ध्यान रखना होगा। केवल भविष्य की मांग के अनुमान पर भारी कर्ज लेकर विशाल आंकड़ा केंद्र तैयार करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। निवेश का आधार वास्तविक ग्राहक मांग, संभावित आय और दीर्घकालीन आर्थिक उपयोगिता होनी चाहिए। सरकार और उद्योग को यह भी देखना होगा कि इन प्रतिष्ठानों की बिजली तथा पानी की जरूरतें किस प्रकार पूरी की जाएंगी और उनका पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता में मौजूदा उथल-पुथल तकनीकी विकास के विरुद्ध कोई प्रमाण नहीं है। यह संभव है कि आने वाले वर्षों में यह तकनीक उद्योगों की उत्पादकता बढ़ाए, नई सेवाओं को जन्म दे और आर्थिक गतिविधियों का स्वरूप बदल दे। लेकिन किसी तकनीक की उपयोगिता और उससे जुड़ी कंपनियों के शेयरों का उचित मूल्यांकन दो अलग प्रश्न हैं। तकनीकी प्रगति अपने आप में इस बात की गारंटी नहीं देती कि हर निवेशक को लाभ होगा या प्रत्येक कंपनी सफल रहेगी।

अंततः कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भविष्य केवल शक्तिशाली संगणकों और अरबों डॉलर के निवेश से तय नहीं होगा। उसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह समाज और अर्थव्यवस्था की वास्तविक समस्याओं का कितना प्रभावी समाधान करती है, उससे कितनी टिकाऊ आय पैदा होती है और कंपनियां अपने खर्च तथा कर्ज का प्रबंधन कितनी जिम्मेदारी से करती हैं। तकनीकी महत्वाकांक्षा आवश्यक है, लेकिन उसके साथ विवेकपूर्ण निवेश और वित्तीय अनुशासन भी उतने ही जरूरी हैं। वैश्विक बाजार की मौजूदा चिंता इसी संतुलन की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भोजन की बर्बादी से निपटने की वैश्विक चुनौती?

(डॉ. रमेश ठाकुर)

तमाम ऐसे इस्लामिक देश हैं जो भारत में उत्पादित बासमती चावल ही पसंद करते हैं। ईरान-ईराक में चावल की सप्लाई सिर्फ भारत से ही होती है। अन्न निर्यात के लिहाज से भारत विश्व का बड़ा बाजार बनकर इस समय उभरा है। संसार में भारत दूध और बाजरे के निर्माण में नंबर वन पायदान है।

भोजन मूलभूत आवश्यकताओं के अलावा, प्रत्येक इंसान का बुनियादी अधिकार भी है। भोजन अनमोल है जिसका सम्मान करना सभी का कर्तव्य है। आज 'विश्व खाद्य दिवस' है जो सालाना 16 अक्टूबर को पूरे संसार में इस मकसद से हर बार मनाया जाता है कि अन्न की बर्बादी को रोकने के लिए जनमानस को जागरूक किया जाए। नवंबर 1979 को संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के 20वें सम्मेलन में खाद्य दिवस को मनाने का निर्णय हुआ जिसका पहली बार आयोजन वर्ष 1981 में हुआ। दुनिया में भूख से बढ़ते कुपोषण पर नियंत्रण को ध्यान में रखकर संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक संघों को चेताया था। ये दिवस इस बात पर ज्यादा जोर देता है कि हमें थाली में उतना ही भोजन परोसना चाहिए, जितने की पेट को जरूरत हो। ज्यादा भोजन लेंगे तो निश्चित रूप से बर्बाद ही होगा। फूड इंडेक्स पर यूएनईपी-2024 की रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुस्तान में सालाना करीब 7.8 करोड़ टन भोजन बर्बाद होता है, जिसका औसत लगभग 21.4 करोड़ किलोग्राम प्रतिदिन आंका गया। विश्व खाद दिवस-2025 की थीम थी 'बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य साथ-साथ' जो एग्रीफूड सिस्टम को बदलने में वैश्विक सहयोग की शक्ति को उजागर करती है। भोजन बर्बादी की समस्या संसार में बड़ी आफत के रूप में उभरी है। ऐसे तमाम मुल्क हैं जहां अन्न का उत्पादन शून्य है और दूसरे देशों के उत्पाद-भोजन पर ही निर्भर हैं, बावजूद इसके बेहताशा भोजन बर्बाद करते हैं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण की 'फूडवेस्टाइज इंडेक्स रिपोर्ट-2026' सामने आई जिसमें दुनिया भर में 1.05 अरब टन भोजन बर्बाद होता बताया गया जिससे नई किस्म की न सिर्फ बीमारियां-वायरस फैले, बल्कि पर्यावरण भी दूषित हुआ। भारत में पिछले 10 वर्षों में अन्न उत्पादन 90 मिलियन मीट्रिक टन पिछले एक दशक से ज्यादा हुआ है। धरती पर मात्र भारत ही एक ऐसा मुल्क है जो करीब 76 देशों को विभिन्न किस्म का अन्न सप्लाई करता है जिसमें चीनी, दालें, चावल, मखाने, सरसों और सब्जियां प्रमुख रूप से शामिल हैं।

तमाम ऐसे इस्लामिक देश हैं जो भारत में उत्पादित बासमती चावल ही पसंद करते हैं। ईरान-ईराक में चावल की सप्लाई सिर्फ भारत से ही होती है। अन्न निर्यात के लिहाज से भारत विश्व का बड़ा बाजार बनकर इस समय उभरा है। संसार में भारत दूध और बाजरे के निर्माण में नंबर वन पायदान है। वर्ष 2014 के बाद से हिंदुस्तान शहद, अंडे, मछलियां और फल-सब्जियों के उत्पादन में दूसरे स्थान पर काबिज हुआ है। जबकि, कभी चौथे स्थान पर हुआ करता था। भूखे सोना विकसित संसार के माथे पर कलंक जैसा है। भूख के आंकड़े आज भी डरावने हैं। संसार का एक बड़ा इंसानी हिस्सा अभी भी रात में भूखे पेट सोता है। जबकि, रोजाना जितनी भोजन की बर्बादी होती है, थालियों में खाने को व्यर्थ करके लोग फेंक देते हैं, अगर ऐसा ना किया जाए, तो भूखे सोने वालों के आंकड़ों में कमी लाई जा सकती है।



भोजन की बर्बादी से न केवल अन्न और धन का नुकसान होता है, बल्कि पानी, बिजली और अन्नदाताओं की सालाना मेहनत भी बेकार होती है। इससे पर्यावरण पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। भूख से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर सभी देशों को चेताना होगा। भूख और अन्न बर्बादी के नियंत्रण पर भारत जैसी पहल अन्य देशों को भी करनी होगी। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम पोषण योजना, अंत्योदय अन्न योजना, राइस फोर्टिफिकेशन और प्राइस स्थेबिलाइजेशन फंड जैसी प्रमुख पहले भारत की खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ कर रही हैं। भारत में 80 करोड़ लोग मुफत अन्न वितरण योजना के लाभार्थी हैं, इसलिए सरकार का प्रयास है कि कोई भी व्यक्ति भूखे पेट नहीं सोए। लेकिन भोजन की बर्बादी भारत में भी कम नहीं है। आंकड़े इस समस्या के गवाह हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आखिर हुतियों को नियंत्रित करने में सऊदी अरब, अमेरिका और 'इस्लामिक नाटो' क्यों विफल प्रतीत हो रहे हैं?

दरअसल, यह अमेरिकी इशारे पर भारत के विरुद्ध बनवाया गया संगठन है। लेकिन इनकी आर्थिक और सैन्य क्षमता ईरान से सीधा टकराने की नहीं है। अब जान चुके हैं कि जो देश अमेरिका को पीछे हटने पर मजबूर कर सकता है, वह देश इन अमेरिकी पिल्लों को पल भर में दबोच कर शिया शासन के अधीन मिला लेगा। किसी भी लड़ाई में सारे मोर्चे एक साथ नहीं खोले जाते, बल्कि एक एक कर दुर्लभ लक्ष्य साधा जाता है। ईरान और उसके प्रॉक्सी शिया संगठनों की रणनीति यही है। तीन, सऊदी अरब के पास सैन्य कार्रवाई के अलावा कौन-कौन से विकल्प हैं?

(कमलेश पांडे)

सऊदी अरब के पास सैन्य कार्रवाई के अलावा कौन-कौन से विकल्प हैं? चूंकि अमेरिका व इजरायल सऊदी अरब का साथ छोड़ चुके हैं, इसलिए अब वह रूस को माध्यम बनाकर ईरान के शरणागत हो जाए। साथ ही तमाम अमेरिका सैन्य अड्डों को खाली करवा ले। इससे ईरान खुद को सुरक्षित महसूस करेगा।

खाड़ी देशों में ईरान पर जोरदार हमला करके अमेरिका-इजरायल ने जो आग भड़काई, उसकी भारी कीमत आज उसके समर्थक चुका रहे हैं। जब ईरान ने अपनी सधी हुई रणनीति से और रूस व चीन के बल पर अमेरिका-इजरायल को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया, तो उन्होंने अपनी सैन्य कार्रवाई रोक ली। इधर ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों ने जब सऊदी को निशाने पर लिया और ताबड़तोड़ हमले शुरू किए, तो उनके विरुद्ध अमेरिका, सऊदी अरब और इस्लामिक नाटो की सैन्य क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। आधुनिक हथियारों, उन्नत वायु रक्षा प्रणालियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बावजूद हूती विद्रोही सऊदी अरब के लिए सुरक्षा चुनौती बने हुए हैं।

जिस तरह से अक्टूबर 2026 में रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हमले हुए और लाल सागर के समुद्री मार्गों को लेकर तनाव बढ़ा, उसने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। आइए हम आपको इसके पीछे के दस अहम सवाल समझाएंगे, जो आगे दिए हुए हैं। इससे पहले एक



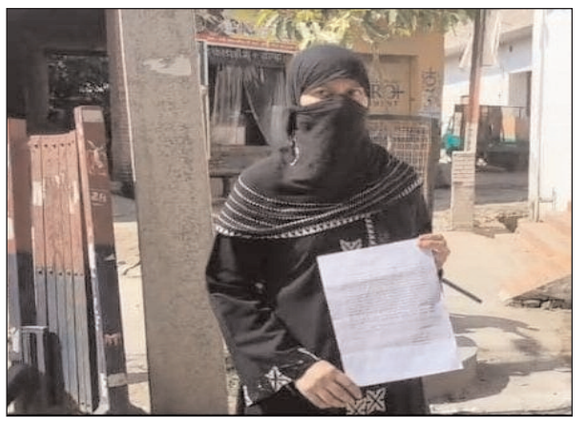
मीडिया की 12-13 अक्टूबर की रिपोर्टों में सऊदी हवाई सुरक्षा की कमजोरियों और हूतियों की बढ़ती क्षमताओं का उल्लेख किया गया है, उसकी चर्चा करते हैं। यही वजह है कि इस संकट को समझने के लिए तीन सवाल महत्वपूर्ण हैं। एक, अमेरिका जैसी महाशक्ति हूतियों को निर्णायक रूप से नियंत्रित क्यों नहीं कर पा रही है? शायद इसलिए कि उनके ऊपर ईरान और ईरान के ऊपर रूस व चीन का हाथ है। सभी मिलकर खाड़ी देशों से अमेरिकी पांव उखाड़ना चाहते हैं। इसलिए अमेरिका बेबस है। दो, सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच बने नए रक्षा समझौते की वास्तविक उपयोगिता क्या है? दरअसल, यह अमेरिकी इशारे पर भारत के विरुद्ध बनवाया गया संगठन है। लेकिन इनकी आर्थिक और सैन्य क्षमता ईरान से सीधा टकराने की नहीं है। अब जान चुके हैं कि जो देश अमेरिका को पीछे हटने पर मजबूर कर सकता है, वह देश इन अमेरिकी पिल्लों को पल भर में दबोच कर शिया शासन के अधीन मिला लेगा। किसी भी लड़ाई में सारे मोर्चे एक साथ नहीं खोले जाते, बल्कि एक एक कर दुर्लभ लक्ष्य साधा जाता है। ईरान और उसके प्रॉक्सी शिया संगठनों की रणनीति यही है। तीन, सऊदी अरब के पास सैन्य कार्रवाई के अलावा कौन-कौन से विकल्प हैं? चूंकि अमेरिका व इजरायल सऊदी अरब का साथ छोड़ चुके हैं, इसलिए अब वह रूस को माध्यम बनाकर ईरान के शरणागत हो जाए। साथ ही तमाम अमेरिका सैन्य अड्डों को खाली करवा ले। इससे ईरान खुद को सुरक्षित महसूस करेगा। यदि वह सुन्नी मुल्कों पाकिस्तान व तुर्कीये के भ्रमजाल में फंसेगा तो बर्बादी भी होगी और सत्ता पलट भी होगा।

अब आइए दस मौलिक सवालों से इस वैश्विक समस्या के समाधान को ढूंढने की कोशिश करते हैं, जहां पर हर पक्ष के संतुलन को दर्शाने की कोशिश की गई है।

पहला सवाल यह है कि हूतियों को नियंत्रित करना इतना कठिन क्यों है? तो जवाब होगा कि सैन्य शक्ति और युद्ध के परिणाम में अंतर होता है। अमेरिका और सऊदी अरब के पास आधुनिक सैन्य संसाधन हैं, लेकिन किसी सशस्त्र संगठन को पराजित करना केवल हथियारों की श्रेष्ठता का प्रश्न नहीं है, बल्कि सैनिकों में मजबूत राष्ट्रीय जज्बा भी होना चाहिए जो अबतक दिखा नहीं। हूती आंदोलन ने यमन के गृहयुद्ध के दौरान सैन्य अनुभव हासिल किया है। वह देश के बड़े हिस्से में अपना प्रभाव बनाए हुए है और उसके पास मिसाइल तथा ड्रोन जैसी क्षमताएँ हैं। एक ताजा विश्लेषण के अनुसार, हूतियों की चुनौती के पीछे अपेक्षाकृत कम लागत वाली सैन्य तकनीक, ईरान से मिली तकनीकी सहायता, स्थानीय समर्थन और विरोधी पक्षों के बीच मतभेद जैसे कारक हैं। दरअसल किसी देश की सैन्य श्रेष्ठता अपने आप यह सुनिश्चित नहीं करती कि वह अपने राजनीतिक उद्देश्यों को भी प्राप्त कर लेगा।दूसरा सवाल है कि कम लागत वाले हमले और महँगी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भी सऊदी अरब पर हुती क्यों भारी पड़ रहा है? शायद इसलिए कि हूती संकट का एक महत्त्वपूर्ण पहलू आर्थिक है। ड्रोन और अन्य अपेक्षाकृत सस्ते साधनों से खतरा उत्पन्न किया जा सकता है। हमलों को रोकने के लिए अत्याधुनिक निगरानी और वायु रक्षा व्यवस्था की आवश्यकता पड़ती है। लगातार हमलों की आशंका के कारण नागरिक विमानन, ऊर्जा प्रतिष्ठानों और व्यापारिक गतिविधियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि सऊदी अरब की रक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो गई है, बल्कि हालिया घटनाएँ यह सवाल उठाती हैं कि क्या उसकी मौजूदा व्यवस्था सभी प्रकार के हमलों से पर्याप्त सुरक्षा दे पा रही है। मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, सऊदी अधिकारी रियाद हवाई अड्डे पर हुए हमले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में आई कमियों की जाँच कर रहे हैं। तीसरा सवाल यह है कि यमन का भूगोल और राजनीतिक परिस्थितियाँ हुतियों की मदद कर रही हैं। यमन की भौगोलिक परिस्थितियाँ और लंबे समय से जारी राजनीतिक अस्थिरता इस समस्या को जटिल बनाती हैं। हूती आंदोलन को केवल बाहरी सैन्य शक्ति से नियंत्रित करने की कोशिश में स्थानीय राजनीतिक समीकरणों की अनदेखी नहीं की जा सकती। यमन में एक ओर हूतियों का प्रभाव है, तो दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार और दूसरे स्थानीय राजनीतिक तथा सैन्य समूह हैं। इन सभी के हित हमेशा एक जैसे नहीं होते। इसलिए हूतियों के विरुद्ध कार्रवाई और यमन में स्थायी राजनीतिक व्यवस्था स्थापित करना दो अलग-अलग चुनौतियाँ हैं।

रिश्तेदारों पर 15 लाख के जेवर और नकदी ले जाने का आरोप, पुलिस को दी तहरीर

शामली। शहर के राजोवाला मोहल्ला निवासी एक महिला ने अपने रिश्तेदारों पर घर में घुसकर 85 हजार रुपये की नकदी और करीब 15 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण ले जाने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि नकदी और जेवर वापस मांगने पर आरोपितों ने उसके साथ मारपीट की और उसे धमकाया। पीड़िता ने कोतवाली प्रभारी और चौकी प्रभारी को शिकायत पत्र देकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा अपनी नकदी और आभूषण वापस दिलाने की मांग की है राजोवाला मोहल्ला निवासी मोहसिना ने शिकायत में बताया कि करीब एक वर्ष पहले उस्-ाका पति घर पर मौजूद नहीं था। इसी दौरान कैराना निवासी आजाद, बादशाह और अबरार, राजोवाला काला उर्फ खु-र्शीद, सद्दाम, मुरसलीन और पम्मू उसके घर पहुंचे। महिला ने बतायआ आरोपितों ने उससे घर में रखे रुपये मांगे। मना



करने पर उन्होंने कथित रूप से उसे डराया-धमकाया और घर में घुसकर अलमारी में रखे 85 हजार रुपये तथा करीब 15 लाख रुपये के आभूषण निकालकर ले गए। आरोप है कि जाते समय उन्होंने किसी को घटना के बारे में बताने पर धमकी भी दी पीड़िता के अनुसार, कुछ समय बाद जब उसके पति ने उससे रुपये मांगे तो अलमारी से नकदी और जेवर गायब मिले। इस पर उसके बेटे रहीम ने पति को बताया कि संबंधित लोग घर आए थे। महिला ने बताया कि रिश्तेदारी खराब होने के डर से वह उस समय चुप रही। इसके बाद पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ और पति ने उसे घर से निकाल दिया, जिसके बाद वह मायके में रहने लगी मोहसिना का आरोप है कि वह लगातार अपनी नकदी और आभूषण वापस मांगती रही, लेकिन आरोपित टालमटोल करते रहे। महिला के मुताबिक, 16 अक्टूबर को शाम करीब पांच बजे जब उसने दोबारा अपने रुपये और जेवर मांगे तो उसके साथ मारपीट की गई। पीड़िता ने यह भी बताया कि इस संबंध में उसके पति ने पहले कोतवाली शामली में शिकायत दी थी। इसके बाद आ-रोपियों ने उसके प वहीं पुलिस अब मामले की जांच पड़तालकर रही है.

ग्रीनलैंड मॉडर्न जूनियर हाई स्कूल के निशुल्क योग साधना केंद्र पर हुआ सम्मान, योग साधकों ने फूलमालाएं पहनाकर किया स्वागत

मुजफ्फरनगर। भारतीय योग संस्थान के निशुल्क योग साधना केंद्र ग्रीनलैंड मॉडर्न जूनियर हाई स्कूल में केंद्र प्रमुख मास्टर



कविंद्र बालियान के जिला स्तरीय शिक्ष-ाक योगासन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर योग साधकों ने उन्हें फूलमालाएं पहनाकर सम्मानित किया और उनकी उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया। उपस्थित पदाधिकारियों एवं योग साधकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी सफलता प्राप्त करने की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में भारतीय योग संस्थान के जिला प्रधान एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य ने बताया कि डायट मुजफ्फरनगर में आयोजित जिला स्तरीय शिक्षक योगासन प्रतियोगिता में ग्रीनलैंड मॉडर्न जूनियर हाई स्कूल के निशुल्क योग साधना केंद्र में नियमित योगाभ्यास करने वाले शिक्षक लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।



शामली और मुजफ्फरनगर जनपद के शिक्षकों ने इस प्रतियोगिता में कई बार उच्च स्थान प्राप्त कर केंद्र का नाम रोशन किया है।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष शामली जनपद से मास्टर राज सिंह पुंडीर और मुजफ्फरनगर जनपद से मास्टर कविंद्र बालियान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। इस वर्ष भी मास्टर कविंद्र बालियान ने जिला स्तरीय शिक्षक योगासन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। यह केंद्र के साथ-साथ पूरे जनपद के लिए गौरव का विषय है।

योग के क्षेत्र में लगातार उपलब्धियां हासिल कर रहा केंद्र

योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य ने कहा कि भारतीय योग संस्थान का निशुल्क योग साधना केंद्र नियमित योगाभ्यास और प्रशिक्षण के माध्यम से योग के प्रति लोगों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। केंद्र के साधकों ने प्रतिवर्ष जिला स्तरीय योगासन चैंपियनशिप में ट्रॉफी जीतकर अपनी पहचान बनाई है। इस वर्ष राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में भी केंद्र ने ट्रॉफी जीतकर जनपद का गौरव बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक एकाग्रता, आत्मविश्वास और अनुशासन का विकास होता है। मास्टर कविंद्र बालियान की उपलब्धि अन्य योग साधकों और शिक्षकों के लिए भी प्रेरणादायक है। सभी ने उम्मीद जताई कि वह आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सफलता प्राप्त करेंगे।

ओम ध्वनि और गायत्री मंत्र के साथ शुरू हुई योग साधना

कार्यक्रम का शुभारंभ योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य ने ओम ध्वनि और गायत्री मंत्र के उच्चारण के साथ कराया। इसके बाद योग साधकों को विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। योगाभ्यास के माध्यम से नियमित दिनचर्या में योग को शामिल करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर जिला प्रधान राज सिंह पुंडीर, जिला मंत्री राजीव रघुवंशी, जिला संगठन मंत्री कुलदीप मित्तल, क्षेत्रीय प्रधान रामपाल शर्मा, आचार्य रामकिशन सुमन, जिला बार संघ मुजफ्फरनगर के पूर्व सचिव ओम सिंह तोमर एडवोकेट, यशपाल बरवाला, अशोक मित्तल, क्षेत्रीय मंत्री डॉ. अक्षय बालियान, देवेंद्र बालियान, वीर सिंह, अंकित गर्ग, मंजू चौधरी, रविता भारती और मुनेश मान सहित अन्य योग साधक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने मास्टर कविंद्र बालियान को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी उनके विजयी होने की प्रार्थना की।

शामली में पुराना डाकघर वाली गली में मिला 32 वर्षीय युवक का शव

शामली। सदर कोतवाली क्षेत्र के भिक्की



मोड़ स्थित पुराना डाकघर वाली गली में एक 32 वर्षीय युवक का शव पड़ा मिलने से हड़कंप मच गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव की शिनाख्त कराने के बाद आवश्यक कार्रवाई की।

वहीं पुलिस ने मृतक की पहचान भूरा उर्फ सलीम निवासी गांव लूम, तुगाना क्षेत्र, बड़ौत, जनपद बागपत के रूप में बताई गई है। जानकारी के अनुसार, वह पिछले कई वर्षों से शामली में रहकर होटलों और ढाबों पर बर्तन धोने का काम करता था। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से अधिक नशा करने के कारण होटल संचालकों ने उसे काम से हटा दिया था। इसके बाद वह भीख मांगकर और रेलवे फाटक बंद होने के दौरान वाहनों के शीशे साफ कर अपना गुजर-बसर कर रहा था। फिलहाल युवक की मौत के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

सर सैयद डे पर सेमिनार आयोजित, आधुनिक और वैज्ञानिक शिक्षा को बताया तरक्की का आधार

मुजफ्फरनगर। सर सैयद डे के अवसर पर उर्दू बेदारी फोरम मुजफ्फरनगर के तत्वावधान में ह्नसर सैयद और मुसलमानों की शिक्षाह्न विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने महान शिक्षाविद सर सैयद अहमद खान के जीवन, उनके शैक्षिक आंदोलन और समाज में आधुनिक शिक्षा के प्रसार के लिए किए गए प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की तरक्की का मजबूत आधार है और नई पीढ़ी को आधुनिक, वैज्ञानिक तथा उच्च शिक्षा से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है सेमिनार की अध्यक्षता राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित मास्टर हिदायतुल्लाह खान ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में जिला बार काउंसिल मुजफ्फरनगर के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद वसी एडवोकेट मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन उर्दू बेदारी फोरम के अध्यक्ष शहजाद अली ने किया। सेमिनार में जिले के सामाजिक कार्यकताओं, अधिवक्त-ाओं और शिक्षकों ने भाग लेकर शिक्षा के महत्व तथा सर सैयद अहमद खान के विचारों की प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त किए।आधुनिक शिक्षा के माध्यम से समाज को आगे बढ़ाने का दिया संदेश

उर्दू बेदारी फोरम के जिला अध्यक्ष मास्टर शहजाद अली ने कहा कि सर सैयद अहमद खान को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि उनके शैक्षिक मिशन को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने बताया कि सर सैयद ने मुसलमानों के शैक्षिक पिछड़ेपन को दूर करने के उद्देश्य से छोटे स्तर पर शैक्षिक संस्थान की शुरूआत की और आगे चलकर अलीगढ़ में उच्च शिक्षा के बड़े केंद्र की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया। उनकी दूरदर्शी सोच के परिणामस्वरूप आज अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी देश और दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सर सैयद अहमद खान ने उस दौर में आधुनिक शिक्षा की आवश्यकता को पहचाना, जब समाज के बड़े वर्ग को नई शैक्षिक व्यवस्था से जोड़ने की जरूरत थी। उनके प्रयासों ने शिक्षा के क्षेत्र में जागरूकता पैदा की और आने वाली पीढ़ियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोले।

संगठन के महासचिव औसाफ अहमद अंसारी ने कहा कि सर सैयद अहमद खान उपमहाद्वीप के महानतम शैक्षिक नेताओं में शामिल थे।

शामली हनुमान धाम में धार्मिक महोत्सव का आयोजन, सोमवार सुबह हवन के बाद निकलेगी अखिल भारतीय अग्रवाल समाज की शोभायात्रा

शामली। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज के सौजन्य से रविवार को महा-राजा अग्रसेन भवन, हनुमान धाम में धार्मिक आयोजन के मुख्य यजमान अर-विंद संगल, धर्मपत्नी मीनू संगल रहीं। नगर पालिका परिषद शामली के अध्यक्ष स्वरूप महाराजा अग्रसेन जी की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर



भव्य धार्मिक महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान 2300 दीपों से लक्ष्मी-नारायण यज्ञ का रुद्रीकरण एवं पूजन आचार्य संदीप जी के सानिध्य में संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेकर महाराजा अग्रसेन का आशीर्वाद प्राप्त किया। विनय संगल की धर्मपत्नी एवं अन्य गणमान्य लोग भी आयोजन से जुड़े रहे। मां लक्ष्मी के यजमान प्रदीप संगल और उनकी धर्मपत्नी सपना संगल रहीं।

सोमवार 19 अक्टूबर को सुबह नौ बजे हवन आयोजित किया जाएगा। इसके बाद श्री लक्ष्मी-नारायण यज्ञ के प्रसाद गुजरेगी।

शोभायात्रा वी.वी इंटर कॉलेज रोड, बड़ा बाजार, नया बाजार, रेलवे रोड, तालाब रोड और मिल रोड से होते हुए महाराजा अग्रसेन पार्क पहुंचेगी। यहां भव्य मह-ाआरती के साथ शोभायात्रा का समापन होगा।

एस.डी. कॉलेज में अंतरमहाविद्यालयीय रग्बी और फैंसिंग ट्रायल का आयोजन, विश्वविद्यालय की महिला एवं पुरुष टीमों का चयन

मुजफ्फरनगर। एस.डी. कॉलेज, मुजफ्फरनगर में अंतरमहाविद्यालयीय रग्बी और फैंसिंग का ट्रायल का आयोजन किया गया। इस ट्रायल में एवं पुरुष रग्बी और फैंसिंग टीमों के लिए खिलाड़ियों का चयन किया गया।

इस चयन प्रक्रिया में विश्वविद्यालय की ओर से टीम सिलेक्टर सुश्री रीता बोरा



देवबंद कॉलेज, रामपुर मनिहारान, महा-राज सिंह कॉलेज, सहारनपुर सहित विभिन्न महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। ट्रायल में महिला एवं पुरुष वर्ग के खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा, शारीरिक क्षमता, गति, सहनशक्ति एवं खेल कौशल का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर विश्वविद्यालय की महिला उपस्थित रहीं। उन्होंने खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करते हुए चयन प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं स्पोर्ट्स काउंसिल के चेयरमैन प्रोफेसर डॉ. सुधीर कुमार पुंडीर ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रोफेसर इंचार्ज डॉ. अजय पाल ने भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की तथा उन्हें निरंतर अभ्यास और मेहनत के माध्यम से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्ष-ाकगण डॉ. अंशुल शर्मा, डॉ. नितिन कुमार सिंह (आयोजक सचिव), डॉ. करमजीत कौर, डॉ. नागेंद्र, डॉ. चंद्रमणि एवं डॉ. संदीप कुमार डॉ प्रणव शर्मा सहित अन्य शिक्षकगण का सहयोग स-राहनीय रहा।

अंत में चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दी गईं। महाविद्यालय परि-वार ने आशा व्यक्त की कि चयनित खिलाड़ी आगामी विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

टाउन हॉल रामलीला में शबरी लीला, राम-सुग्रीव मित्रता और लंका दहन का शानदार मंचन

मुजफ्फरनगर। श्री रामलीला सभा रजिस्टर्ड टाउन हॉल शहर की ओर से आयोजित पारंपरिक रामलीला महोत्सव में दसवें दिन शबरी लीला, राम-सुग्रीव मित्रता, बालि वध, हनुमान-रावण संवाद और लंका दहन के प्रसंगों का शानदार मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने प्रभावशाली अभिनय, भावपूर्ण संवादों और आकर्षक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशेष रूप से हनुमान जी के लंका प्रवेश, रावण के साथ संवाद और लंका दहन के दृश्यों को दर्शकों ने खूब सराहा। मंचन के दौरान रामभक्त हनुमान की भक्ति, साहस और पराक्रम का प्रभावशाली चित्रण देखने को मिला।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भुवनेश गुप्ता, तरुण गुप्ता और सुमित गर्ग के स्वागत के साथ हुआ। रामलीला सभा शहर के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, पदाधिकारियों और सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद मुख्य अतिथियों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान श्रीराम को तिलक लगाया और रामायण जी के समक्ष आरती की। धार्मिक अनुष्ठान के बाद रामलीला का मंचन शुरू हुआ।

शबरी की भक्ति और राम-सुग्रीव मित्रता ने दिया समर्पण का संदेश

रामलीला में शबरी प्रसंग के माध्यम से भगवान श्रीराम के प्रति अटूट श्रद्धा और निष्काम भक्ति का सुंदर चित्रण किया गया। इसके बाद भगवान श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता तथा बालि वध के प्रसंग का मंचन हुआ। इन दृश्यों के माध्यम से मित्रता, विश्वास, कर्तव्य और धर्म की स्थापना का संदेश दिया गया। कलाकारों ने प्रसंगों को जीवंत बनाकर दर्शकों को रामायण की शिक्षाओं से रूबरू कराया।

रामलीला का प्रमुख आकर्षण हनुमान-रावण संवाद और लंका दहन रहा। माता सीता की खोज में लंका पहुंचे हनुमान जी और रावण के बीच हुए संवाद को कलाकारों ने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। हनुमान जी के पराक्रम और लंका दहन के दृश्य ने दर्शकों में विशेष उत्साह भर दिया। इस दौरान पंडाल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा।

रामलीला के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सत्य, धर्म और भक्ति की शक्ति के सामने अहंकार और अन्याय अधिक समय तक टिक नहीं सकते। कलाकारों की शानदार प्रस्तुति की दर्शकों ने सराहना की।कार्यक्रम में साधुराम गर्ग, अजय गर्ग, कमल कांत, जगन्नाथ रोहेला, नितिन नामदेव, रविन्द्र गुप्ता, अर्पित अग्रवाल, अंकुर सिंघल, अक्षित अग्रवाल, प्रफुल, वंश नामदेव, रोनिक नामदेव, यश, रौनक यादव, राजन, मानु, लक्की, अमित वर्मा, नीरज आर्य, पंकज वर्मा, प्रशांत बंसल, आरव और मितुल सहित समस्त कलाकार, प्रबंध समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

रंग संसार

मुंबई के जुहू इलाके में टाइगर श्रॉफ पर तीन लोगों ने की गोलीबारी, अभिनेता सुरक्षित

नई दिल्ली। मुंबई के जुहू स्थित पुष्पा पार्क में अभिनेता टाइगर



श्रॉफ पर गोलीबारी की खबर सामने आई है। बाइक सवार तीन अज्ञात लोगों ने फायरिंग की, जिसमें कुछ लोगों के घायल होने की सूचना है। पुलिस मामले की जांच कर आरोपियों की तलाश में जुटी है। फिलहाल गोलीबारी के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं है।

एक्टर को नहीं आई चोट

ओपन फायरिंग में टाइगर श्रॉफ को कोई चोट नहीं आई है और वो सुरक्षित हैं लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक आस-पास के कुछ लोग इस घटना में घायल हुए हैं। वहीं गोलीबारी करने वाले वे तीन लोग कौन थे, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। वहीं गोलीबारी के पीछे की वजह भी अभी स्पष्ट नहीं हैं।

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

फायरिंग की घटना के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है और इसके पीछे की वजह की जांच भी शुरू हो गई है। पुलिस ने बताया कि रविवार शाम मुंबई के जुहू इलाके में अज्ञात लोगों ने अभिनेता टाइगर श्रॉफ (ढ्ढी१ रँ१ङ्ख्ना) की कार पर गोलियां चलाईं। हालांकि, वे सुरक्षित हैं और उन्हें कोई चोट नहीं आई है।

तीन-चार राउंड चलाई गईं गोलियां

अभिनेता टाइगर श्रॉफ जब अपनी गाड़ी से एक मैदान से निकल रहे थे, तो उनकी कार पर तीन-चार राउंड गोलियां चलाई गईं। उन्हें देखने के लिए वहां भारी भीड़ जमा थी। भीड़ के बीच से ही उनकी कार पर कई राउंड गोलियां चलाई गईं। मुंबई पुलिस के अनुसार, टाइगर श्रॉफ को कोई गोली नहीं लगी।

राज काज

पाबंदियों के बावजूद यूरोप और अमेरिका को जमकर तेल बेच रहा भारत; सुल्तान का देश भी साथ

नई दिल्ली। रूसी कच्चे तेल की प्रोसेसिंग जारी रखते हुए भारत और दो अन्य देशों की रिफाइनरी इकाइयों का पश्चिमी देशों को तेल उत्पादों का निर्यात सितंबर में 43 प्रतिशत बढ़कर एक अरब यूरो (करीब 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर) पर पहुंच गया है।

यह निर्यात उन देशों को हुआ है, जिन्होंने रूसी कच्चे तेल से बने ईंधन पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

बंदरगाह पर पहुंचे सात में से छह मालवाहक जहाज

रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात स्थित रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिट-ेड की जामनगर रिफाइनरी ने सितंबर में यूरोपीय संघ (ईयू) के बंदरगाह पर पहुंचे सात में से छह मालवाहक जहाज को ईंधन की आपूर्ति की। यह आपूर्ति ऐसे समय हुई, जब यूरोपीय संघ ने रूसी कच्चे तेल से तैयार तेल उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगा रखा है।

सीआरईए की रिपोर्ट में भारत, तुर्किये और ब्रुनेई, जिसके सुल्तान हसनल बोलकिया हैं, की उन रिफाइनरियों से हुए निर्यात का आकलन किया गया है, जो रूसी कच्चे तेल का प्रसंस्करण करती हैं। इन देशों की रिफाइनरी से यूरोपीय संघ ने 66.7 करोड़ यूरो, ऑस्ट्रेलिया ने 16.8 करोड़ यूरो, अमेरिका ने 15.4 करोड़ यूरो और न्यूजीलैंड ने 1.9 करोड़ यूरो के तेल उत्पाद खरीदे।

संगठन के अनुमान के मुताबिक, इन उत्पादों में 29.5 करोड़ यूरो मूल्य के उत्पाद रूसी कच्चे तेल से तैयार किए गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, जामनगर रिफाइनरी ने अमेरिका को भी सबसे अधिक मूल्य का निर्यात किया गया, जिसकी कीमत 12.2 करोड़ यूरो थी।

जुलाई से सितंबर के दौरान रिफाइनरी के कुल कच्चे तेल आयात में रूसी तेल की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत रही। यूरोपीय संघ को भेजे गए सात मालवाहक जहाज में से तीन इटली, दो रोमानिया और एक-एक स्पेन तथा साइप्रस पहुंचे। रूसी कच्चे तेल का प्रसंस्करण करने वाली रिफाइनरी इकाइयों से यूरोपीय संघ के बंदरगाहों के लिए घोषित निर्यात का मूल्य अगस्त की तुलना में सितंबर में 80 प्रतिशत बढ़ा। इसमें जामनगर रिफाइनरी से भेजा गया 1.04 लाख टन गैसऑयल (डीजल) का एक जहाज भी शामिल है, जो अभी रॉटरडैम के रास्ते में था।

दैनिक राशिफल सोमवार 19 अक्टूबर 2026

मेष – मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढड्डे के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें।

वृष – आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा।

मिथुन : विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

कर्क – पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग।

सिंह– कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है।

कन्या – पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा।

तुला – खान-पान में सावधानी रखें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

वृश्चिक – जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही।

धनु – धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें।

मकर – समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें।

कुंभ – हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें।

मीन – कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढड्डे में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे।

दैनिक पंचांग

19 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	तुला में
चंद्र	मकर में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
तुला	05.52 बजे से
वृश्चिक	08.11 ब.से
धनु	10.27 बजे से
मकर	12.32 बजे से
कुंभ	14.18 बजे से
मीन	15.51 बजे से
मेष	17.22 बजे से
वृष	19.02 बजे से
मिथुन	21.00 बजे से
कर्क	23.13 बजे से
सिंह	01.29 बजे से
कन्या	03.41 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 292 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 10.52 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा 15.39 बजे को समाप्त।
योग धृति 00.35 बजे रात्र को समाप्त।
करण बव 10.52 बजे तदनन्तर बालव 23.56 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 8.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 09° 54'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872867
जूलियन दिन 2461332.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल **तारीख** 07
विशेष सन्धि पूजा, दुर्गाष्टमी, महानवमी, सरस्वती विसर्जन।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दादा की विरासत को नमन, स्मृति द्वार पर भावुक हुए सांसद चंदन चौहान, बोले- समाज के भरोसे को टूटने नहीं दूंगा

–शुक्रताल की गुर्जर धर्मशाला में पूर्व उपमुख्यमंत्री बाबू नारायण सिंह की याद में बने द्वार का किया उद्घाटन

मुजफ्फरनगर। कुछ पल ऐसे होते हैं, जब कोई समारोह केवल औपचारिकता नहीं रह जाता, बल्कि पुरानी यादों, पारिवारिक विरासत और अपनों से मिले सम्मान का भावुक अवसर बन जाता है। शुक्रताल स्थित गुर्जर धर्मशाला में ऐसा ही दृश्य देखने को मिला, जब बिजनौर के सांसद चंदन चौहान ने अपने दादा और उत्तर प्रदेश के प्रथम उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय बाबू नारायण सिंह की स्मृति में निर्मित द्वार का उद्घाटन किया। दादा की स्मृति से जुड़े इस अवसर पर सांसद भावुक नजर आए। उन्होंने अपने दादा के साथ ही पिता स्वर्गीय संजय चौहान को याद किया और गुर्जर समाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका परिवार समाज से मिले स्नेह और विश्वास को हमेशा याद रखेगा। मीरापुर विधानसभा क्षेत्र के शुक्रताल में आयोजित इस कार्यक्रम का केंद्र स्मृति द्वार का उद्घाटन जरूर रहा, लेकिन इसके साथ परिवार और समाज के बीच वर्षों से चले आ रहे रिश्तों की चर्चा भी प्रमुखता से हुई। गुर्जर समाज के लोगों ने स्वर्गीय बाबू नारायण सिंह की स्मृति को संजोने के लिए द्वार का निर्माण कराया और इसके उद्घाटन के लिए उनके पौत्र सांसद चंदन चौहान को आमंत्रित किया। अपने दादा के नाम से जुड़े इस सम्मान को देखकर सांसद ने परिवार की पुरानी यादों और समाज के साथ अपने जुड़ाव को साझा किया। दादा की यादों के बीच छलका भाव, पिता को भी किया याद स्मृति द्वार के उद्घाटन के दौरान चंदन चौहान ने अपने दादा स्वर्गीय बाबू नारायण सिंह और पिता स्वर्गीय संजय चौहान को याद किया। उनके लिए यह अवसर परिवार की विरासत से जुड़ने और उन लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का था, जिन्होंने उनके परिवार को हमेशा अपना समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि उनके दादा और पिता से समाज को जो उम्मीदें थीं, उन पर खरा उतरने का वह पूरा प्रयास करेंगे। सांसद ने समाज की ओर से दिए गए सम्मान को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि दादा की स्मृति में द्वार बनवाकर लोगों ने उनके परिवार के प्रति अपने लगाव को जाहिर किया है। इस सम्मान को



उनका परिवार हमेशा याद रखेगा। उनके भावुक होने से कार्यक्रम में पारिवारिक स्मृतियों और सामाजिक रिश्तों का पहलू उभरकर सामने आया। राजनीति से आगे परिवार और समाज के रिश्तों की बात कार्यक्रम में सांसद चंदन चौहान ने समाज के साथ अपने परिवार के पुराने संबंधों को विशेष महत्व दिया। उन्होंने कहा कि समाज ने समय-समय पर उनके परिवार का साथ दिया है और परिवार को आगे बढ़ाने में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके मुताबिक, समाज से मिला स्नेह और भरोसा ऐसी पूंजी है, जिसे हमेशा संभालकर रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह अपने दादा के बताए रास्ते पर चलने और समाज की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करते रहेंगे। उनका संदेश था कि परिवार की विरासत को आगे बढ़ाने का अर्थ केवल पुरानी स्मृतियों को याद करना नहीं, बल्कि उन मूल्यों और जिम्मेदारियों को निभाना भी है, जिनसे समाज का विश्वास जुड़ा हुआ है।

गुर्जर समाज ने कहा- परिवार से जुड़ाव आगे भी रहेगा कायम

स्मृति द्वार के उद्घाटन कार्यक्रम में मौजूद गुर्जर समाज के लोगों ने सांसद चंदन चौहान के परिवार के साथ अपने पुराने संबंधों को याद किया। समाज के लोगों ने भरोसा दिलाया कि यह जुड़ाव भविष्य में भी बना रहेगा और जरूरत पड़ने पर वे उनके परिवार के साथ खड़े रहेंगे। समाज की ओर से दिया गया यह भरोसा कार्यक्रम का महत्वपूर्ण पक्ष रहा। एक ओर स्मृति द्वार के माध्यम से स्वर्गीय बाबू नारायण सिंह को सम्मान दिया गया, वहीं दूसरी ओर परिवार और समाज के बीच आपसी सहयोग और विश्वास के रिश्तों को दोहराया गया। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि सार्वजनिक जीवन में लोगों से बने संबंध और पुरानी पीढ़ियों का योगदान समय के साथ भी महत्व बनाए रखते हैं।

स्मृति द्वार के जरिए पुरानी पीढ़ी की विरासत को संजोने की पहल

शुक्रताल स्थित गुर्जर धर्मशाला में निर्मित यह द्वार स्वर्गीय बाबू नारायण सिंह की स्मृति और उनके प्रति समाज के सम्मान का प्रतीक है। उत्तर प्रदेश के प्रथम उपमुख्यमंत्री के रूप में पहचाने जाने वाले बाबू नारायण सिंह की स्मृति में इस निर्माण के जरिए समाज ने उनके नाम को संजोने का प्रयास किया है। स्मृति द्वार केवल आने-जाने का रास्ता नहीं, बल्कि उस व्यक्तित्व की याद दिलाने वाला प्रतीक भी है, जिसकी स्मृति को समाज आज भी महत्व देता है।

बघरा में बिजली की चिंगारी ने उजाड़ दी किसान की मेहनत, आठ बीघा गन्ने की फसल जलकर राख

11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन में शॉर्ट सर्किट से खेत में लगी आग, ग्राम प्रधान को लाखों रुपये का नुकसान

मुजफ्फरनगर। जिले के बघरा क्षेत्र में 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन में शॉर्ट सर्किट होने से खेत में खड़ी गन्ने की फसल में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि करीब आठ बीघा गन्ने की फसल जलकर राख हो गई। हादसे में ग्राम प्रधान प्रवीण सैनी को लाखों रुपये का नुकसान होने की बात सामने आई है। खेत में तैयार खड़ी फसल बर्बाद होने से पीड़ित किसान के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। पीड़ित ने सरकार और जिला प्रशासन से नुकसान का आकलन कराकर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।



11 हजार वोल्ट की लाइन में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

जानकारी के अनुसार, बघरा क्षेत्र में खेतों के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन में शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग लगने की घटना हुई। आरोप है कि विद्युत लाइन में हुई चिंगारी खेत में खड़ी गन्ने की फसल तक पहुंच गई। सूखी पत्तियों और गन्ने की फसल के संपर्क में आग आने से लपटें तेजी से फैल गईं। देखते ही देखते आग ने खेत के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। आग की चपेट में आने से ग्राम प्रधान प्रवीण सैनी के खेत में खड़ी करीब आठ बीघा गन्ने की फसल जलकर नष्ट हो गई। किसान की कई महीनों की मेहनत कुछ ही समय में राख में तब्दील हो गई। घटना से पीड़ित परिवार को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

लाखों रुपये की फसल बर्बाद होने से किसान परेशान

गन्ना किसानों के लिए तैयार फसल उनकी आमदनी का प्रमुख आधार होती है। फसल तैयार होने के बाद आग लगने से किसान को न केवल आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि अगली फसल की तैयारी और घरेलू जरूरतों को पूरा करने में भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्राम प्रधान प्रवीण सैनी की आठ बीघा गन्ने की फसल जलने से उन्हें लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। पीड़ित का कहना है कि फसल को तैयार करने में काफी समय, मेहनत और लागत लगी थी। आग लगने से पूरी मेहनत पर पानी फिर गया। यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया गया तो नुकसान और बढ़ सकता था। घटना ने खेतों के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइनों की सुरक्षा और रखरखाव को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं।

विद्युत लाइन की सुरक्षा और रखरखाव पर उठे सवाल

खेतों के ऊपर से गुजरने वाली हाई वोल्टेज विद्युत लाइनों में शॉर्ट सर्किट या तारों से निकलने वाली चिंगारी कई बार किसानों की खड़ी फसलों के लिए खतरा बन जाती है। गन्ने और गेहूं जैसी फसलों में आग लगने की स्थिति में कुछ ही देर में बड़े क्षेत्र की फसल नष्ट हो सकती है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री ने पत्नी संग श्री गोरखनाथ मंदिर में टेका माथा

–खतौली के शाहपुर स्थित गुरुवर द्रोणाचार्य तपोभूमि आश्रम पहुंचकर की विधिवत पूजा-अर्चना

खतौली। गांव शाहपुर स्थित गुरुवर द्रोणाचार्य तपोभूमि आश्रम के श्री गोरखनाथ मंदिर में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधान परिषद सदस्य चौधरी वीरेंद्र सिंह अपनी पत्नी राजकुमारी चौहान के साथ पहुंचे। यहां दंपती ने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक वातावरण के बीच उन्होंने श्रद्धापूर्वक पूजा की और सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। उनकी मंदिर यात्रा के दौरान आश्रम की धार्मिक परंपराओं और यहां नियमित रूप से होने वाली पूजा-पद्धति की चर्चा भी रही। चौधरी वीरेंद्र सिंह और उनकी पत्नी राजकुमारी चौहान ने श्री गोरखनाथ मंदिर में पहुंचकर धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना की। दोनों ने मंदिर में माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर पूजा-अर्चना करना भारतीय परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसी क्रम में दंपती ने आश्रम के मंदिर में श्रद्धा



व्यक्त करते हुए पूजा की। गुरुवर द्रोणाचार्य तपोभूमि आश्रम की धार्मिक पहचान खतौली क्षेत्र के गांव शाहपुर स्थित गुरुवर द्रोणाचार्य तपोभूमि आश्रम में श्री गोरखनाथ मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। आश्रम में नियमित रूप से पूजा-पाठ और धार्मिक गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। यहां आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालु पहुंचकर भगवान के दर्शन करते हैं और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करते हैं। आश्रम की धार्मिक परंपराओं के अनुसार मंदिर में पूजा-अर्चना नियमित रूप से होती है। श्रद्धालु मंदिर में दर्शन कर आध्यात्मिक शांति प्राप्त करने की कामना करते हैं। धार्मिक वातावरण और पूजा-पाठ की परंपरा के कारण आश्रम में प्रतिदिन लोगों की आवाजाही बनी रहती है। आश्रम के पीठाधीश्वर योगी सावरकर नाथ ने बताया कि श्री गोरखनाथ मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर पूजा-अर्चना करते हैं। श्रद्धालु यहां भगवान के दर्शन कर आध्यात्मिक शांति के लिए प्रार्थना करते हैं।

सिसौली में मिला नाबालिग बालक सुरक्षित मध्य प्रदेश में अपने घर पहुंचा

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन और ग्रामीण समाज विकास केन्द्र की पहल पर संयुक्त टीम ने की जांच, बाल कल्याण समिति की काउंसलिंग के बाद सीधी जिले में पिता को सौंपा गया बालक

मुजफ्फरनगर। सिसौली में संदिग्ध परिस्थितियों में रह रहे एक नाबालिग बालक को संयुक्त टीम ने सुरक्षित उसके घर पहुंचा दिया। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन संस्था एवं ग्रामीण समाज विकास केन्द्र को प्राप्त शिकायत के बाद प्रशासन और संबंधित विभागों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की। बालक की काउंसलिंग और उसके परिवार का पता लगाने के बाद 17 अक्टूबर 2026 को उसे मध्य प्रदेश के सीधी जिले के ग्राम कुसुमार में उसके पिता के सुपुर्द कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन संस्था एवं ग्रामीण समाज विकास केन्द्र को एक शिकायत पत्र प्राप्त हुआ था। इसमें बताया गया था कि मुजफ्फरनगर के कस्बा सिसौली में एक नाबालिग बालक संदिग्ध परिस्थितियों में रह रहा है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संस्था की ओर से जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय को मामले से अवगत कराया गया। प्रशासन के निर्देश पर गठित की गई संयुक्त टीम जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार पुलिस अधीक्षक अपराध इंदु सिद्धार्थ के निर्देशन में सहायक श्रम आयुक्त देवेश सिंह ने संयुक्त टीम का गठन किया। इस टीम में श्रम प्रवर्तन अधिकारी बालेश्वर सिंह, मानव तस्करी विरोधी इकाई (एएचटीयू) के सब-इंस्पेक्टर जगत सिंह, चाइल्ड हेल्पलाइन कोऑर्डिनेटर सचिन कुमार, सागर बालियान तथा जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन संस्था एवं ग्रामीण समाज विकास केन्द्र के गजेंद्र सिंह और गौरव मलिक शामिल रहे। थाना भौराकलां की पुलिस भी टीम का हिस्सा रही। संयुक्त टीम तत्काल कस्बा सिसौली पहुंची और मामले



की जांच की। जांच के दौरान पता चला कि करीब 15 से 16 वर्ष की उम्र का बालक लगभग 15 दिन पहले अपने मामा और चाचा के साथ वहां आया था। टीम को मौके पर बालक से बाल श्रम कराए जाने के साक्ष्य नहीं मिले।

बाल कल्याण समिति ने कराई काउंसलिंग

बालक की सुरक्षा और देखभाल को ध्यान में रखते हुए संयुक्त टीम ने उसे मुजफ्फरनगर की बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। समिति की अध्यक्ष रीना पवार ने बालक की काउंसलिंग कराई उसके घर तथा परिवार की जानकारी जुटाई। आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद समिति ने बालक को उसके परिवार के सुपुर्द करने के निर्देश दिए। समिति के आदेशानुसार 17 अक्टूबर 2026 को बालक को मध्य प्रदेश के सीधी जिले के ग्राम कुसुमार ले जाकर उसके पिता को सुरक्षित सौंप दिया गया। इस दौरान टीम ने पिता को समझाया कि बच्चे की कम उम्र को ध्यान में रखते हुए उसे बाहर भेजने के बजाय उसकी सुरक्षा, देखभाल और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए।

बच्चों की सुरक्षा के लिए सहयोग की अपील

ग्रामीण समाज विकास केन्द्र के सचिव मेहर चंद ने आमजन, शासन और प्रशासन से बाल संरक्षण के प्रयासों में सहयोग करने की अपील की है। कहा कि यदि कहीं कोई गुमशुदा, लावारिस या कम उम्र में बाल श्रम करता हुआ बच्चा दिखाई दे, तो उसकी सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाई जाए, ताकि समय रहते बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। संस्था ने ऐसे मामलों की सूचना देने के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 अथवा जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के टोल-फ्री नंबर पर संपर्क करने की अपील की है।

भुम्मा के शिवांशु गुर्जर ने यूपी बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में गाड़े सफलता के झंडे, जीता रजत पदक

मीरापुर। ग्रामीण अंचल में रहकर मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास के दम पर प्रदेश स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाले मीरापुर क्षेत्र के भुम्मा गांव निवासी शिवांशु गुर्जर ने मिस्टर यूपी बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर जिले का मान बढ़ाया है। रामपुर में रविवार को आयोजित प्रतियोगिता में शिवांशु ने 75 से 80 किलोग्राम भार वर्ग में दूसरा स्थान हासिल किया। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें रजत पदक के साथ 21 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। उनकी इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है, वहीं गांव के लोगों ने भी इसे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण बताया है। नियमित अभ्यास और अनुशासन से हासिल किया मुकाम शिवांशु गुर्जर की इस सफलता के पीछे नियमित अभ्यास, शारीरिक क्षमता को निखारने की मेहनत और अनुशासन को अहम माना जा रहा है। बॉडीबिल्डिंग जैसे खेल में बेहतर प्रदर्शन के लिए खिलाड़ी को लंबे समय तक निरंतर अभ्यास करना पड़ता है। इसके साथ ही शरीर को प्रतियोगिता के अनुरूप तैयार करना, अपनी फिटनेस बनाए रखना और मंच पर आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन करना भी महत्वपूर्ण होता है। शिवांशु ने अपनी मेहनत के दम पर प्रदेश स्तर की प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रदेश स्तर पर चमकी भुम्मा गांव की प्रतिभा



मुजफ्फरनगर जिले के मीरापुर क्षेत्र के भुम्मा गांव के रहने वाले शिवांशु की उपलब्धि ने ग्रामीण क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं की संभावनाओं को भी सामने रखा है। गांवों में प्रतिभा की कमी नहीं है, जरूरत केवल उसे निखारने, नियमित अभ्यास और आगे बढ़ने के अवसरों की है। शिवांशु ने मिस्टर यूपी बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल कर यह साबित किया कि लगन और निरंतर मेहनत के बल पर बड़े मंच पर भी अपनी पहचान बनाई जा सकती है। पिता बलराम पहलवान ने बेटे की मेहनत को दिया सफलता का श्रेय शिवांशु गुर्जर के पिता बलराम पहलवान ने बेटे की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि यह उसकी नियमित मेहनत, अनुशासन और लगातार अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने शिवांशु की सफलता पर गर्व व्यक्त किया। बेटे की इस उपलब्धि से परिवार के साथ ही गांव के लोगों में भी उत्साह है। ग्रामीणों ने शिवांशु को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रजत पदक से बढ़ा हौसला, आगे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद मिस्टर यूपी बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में दूसरा स्थान हासिल करना शिवांशु गुर्जर के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रजत पदक और 21 हजार रुपये की पुरस्कार राशि ने उनकी मेहनत को नई पहचान दी है। उनकी इस सफलता से क्षेत्र के युवाओं को भी खेलों में आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा साबित करने की प्रेरणा मिलेगी। भुम्मा गांव के शिवांशु ने प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर मुजफ्फरनगर का नाम रोशन किया है।

मुजफ्फरनगर कोर्ट का फैसला: रिमांड के दौरान की आरोपी से मारपीट की होगी जांच, एसएसपी को जांच कमेटी गठित करने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। खतौली में गांजे के साथ गिरफ्तार किए गए आरोपी की ओर से पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाए जाने के बाद मामला न्यायिक स्तर तक पहुंच गया है। विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट रवि कुमार दिवाकर ने अभियुक्त की शिकायत पर गंभीर रुख अपनाते हुए पुलिस के आचरण पर चिंता व्यक्त की है। न्यायालय ने आदेश की प्रति वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को भेजने तथा उनके स्तर से जांच कमेटी गठित कर पूरे प्रकरण की जांच कराने के निर्देश दिए हैं। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि पुलिस को कानून के अनुसार कार्रवाई करने का अधिकार है, लेकिन किसी भी व्यक्ति के साथ मारपीट या दुर्व्यवहार



करने की अनुमति नहीं है। अदालत में खुली पुलिस की पोल, रिमांड के दौरान आरोपी से हुई मारपीट प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना खतौली पुलिस द्वारा एक अभियुक्त दीपक उर्फ शेरू को पुलिस रिमांड की अर्जी प्रक्रिया के तहत अदालत में पेश किया गया था। सुनवाई के दौरान अभियुक्त ने न्यायाधीश के समक्ष सीधे गुहार लगाते हुए आरोप लगाया कि कस्टडी के दौरान उपनिरीक्षक नीरजा सिंह तथा एक अन्य पुलिस कर्मचारी ने उसके साथ बेदर्दी से मारपीट और दुर्व्यवहार किया है। अभियुक्त के शरीर पर चोटों और बयानों को संज्ञान में लेते हुए अदालत ने इसे प्रथम दृष्टया पुलिसिया उत्पीड़न और शक्तियों के दुरुपयोग का गंभीर मामला माना और इस मामले को गंभीरता से लिया है।

खतौली में साइबर ठगी: बैंक कर्मचारी बन उड़ाए 1.75 लाख, क्रेडिट कार्ड से 5 फर्जी ट्रांजेक्शन

वाउचर के लालच पडा महंगा, क्रेडिट कार्ड से गँवा दी रकम

खतौली (मुजफ्फरनगर)। क्रेडिट कार्ड पर आकर्षक रिवॉर्ड वाउचर और कैशबैक का लालच देकर ठगों ने खतौली थाना क्षेत्र में एक युवक को अपना शिकार बना लिया। शातिर अपराधी ने खुद को बैंक का प्रतिनिधि बताकर



पीड़ित के मोबाइल में रिमोट एक्सेस ऐप डाउनलोड कराया और स्क्रीन हैक कर दो अलग-अलग बैंकों के क्रेडिट कार्ड से कुल 1.75 लाख रुपये उड़ा दिए। बैंक प्रबंधन द्वारा मामला खारिज किए जाने के बाद पीड़ित ने अब पुलिस की शरण ली है। झांसे में लेकर कराया ऐप डाउनलोड प्राप्त जानकारी के अनुसार, खतौली थाना क्षेत्र के ग्राम गालिबपुर निवासी विनिकेत कुमार पुत्र रामकुमार के मोबाइल फोन पर 15 अक्टूबर को एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को एक्सिस बैंक का आधिकारिक कर्मचारी बताया और कहा कि उनके क्रेडिट कार्ड पर विशेष वाउचर जारी हुए हैं, जिन्हें रिडीम करने के लिए एक प्रक्रिया पूरी करनी होगी। पीड़ित उसकी बातों में आ गया। ठग के निदेर्शानुसार विनिकेत ने अपने मोबाइल में एक सपोर्ट ऐप डाउनलोड कर लिया। ऐप इंस्टॉल होते ही ठग को पीड़ित के मोबाइल स्क्रीन का अनधिकृत एक्सेस मिल गया। इसके बाद पीड़ित का फोन पूरी तरह से हैक हो गया और बिना किसी स्पष्ट स्वीकृति के बैक-टू-बैक ट्रांजेक्शन शुरू हो गए। दो बैंकों के कार्ड से पाँच बार में उड़ाए 1,75,367 रुपये मोबाइल का नियंत्रण हाथ में आते ही शातिर अपराधियों ने विनिकेत के दो प्रमुख क्रेडिट काड्र्स को निशाना बनाया। ठगों ने एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड से दो बार में कुल 62,576.36 स्थानांतरित कर लिए। जबकि एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड से तीन अलग-अलग किश्तों में कुल 1,12,790.70 पार कर दिए। इन पाँच ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 1.75 लाख रुपये की अवैध निकासी के बाद पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। विनिकेत ने तुरंत संबंधित बैंकों के कस्टमर केयर से संपर्क कर काड्र्स को ब्लॉक कराया और प्रत्येक लेनदेन का समय, राशि और नंबर संकलित किए।

एमजी पब्लिक स्कूल में कौशल विकास मेले में दिखी बच्चों की प्रतिभा, रावण दहन के साथ दिया बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश

—मंत्री कपिल देव अग्रवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान ने किया विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन, नृत्य, संगीत, भजन और रामकथा की प्रस्तुतियों ने मोहा मन







मुजफ्फरनगर। एमजी पब्लिक स्कूल में कौशल विकास मेले और दशहरा उत्सव का आयोजन उत्साह, उमंग और सांस्कृतिक रंगों के बीच किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की प्रतिभा, नवाचार, रचनात्मकता और व्यावहारिक कौशल का अनूठा संगम देखने को मिला। बच्चों ने विभिन्न विषयों पर आधारित आकर्षक स्टॉल लगाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, वहीं नृत्य, संगीत, भजन, गीत और रामकथा की मंचीय प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। दशहरा उत्सव के अंतर्गत रावण के पुतले का दहन कर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने के साथ उनमें कौशल विकास, नवाचार, रचनात्मक सोच और जीवनोपयोगी क्षमताओं को प्रोत्साहित करना रहा। आयोजन में उत्तर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान और नगरपालिका परिषद की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप सहित अनेक गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। अतिथियों ने किया शुभारंभ, स्मृति चिह्न देकर किया सम्मानित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मंत्री कपिल देव अग्रवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान, नगरपालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप और विशिष्ट अतिथियों मेघा गोयल, अनु अग्रवाल, ममता अग्रवाल, गौरव स्वरूप तथा राकेश बिंदल ने संयुक्त रूप से किया। एमजी चेरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन सतीश चंद गोयल, एमजी पब्लिक स्कूल प्रबंधन समिति के चेयरमैन भीम सेन कंसल, उपाध्यक्ष विनीत सिंघल, कोषाध्यक्ष रोहित सिंघल और प्रधानाचार्या मोनिका गर्ग ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित मेले में विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता और रचनात्मक क्षमता का परिचय देते हुए विभिन्न गतिविधियों और विषयों पर आधारित स्टॉल लगाए। अतिथियों ने स्टॉल पर पहुंचकर विद्यार्थियों के कार्यों को देखा और उनसे उनके प्रोजेक्ट, विचारों तथा कौशल के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक कौशल पर जोर

कौशल विकास मेले में विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों को व्यावहारिक जीवन के लिए तैयार करना, उनकी रुचियों को पहचानना और उनमें नए विचारों को विकसित करना भी जरूरी है। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में उनकी रचनात्मक सोच, कलात्मक अभिरुचि और सीखी गई बातों को व्यवहार में उतारने की क्षमता दिखाई दी। विद्यालय प्रबंधन का उद्देश्य बच्चों को ऐसा मंच उपलब्ध कराना रहा, जहां वे अपनी प्रतिभा को पहचान सकें और आत्मविश्वास के साथ उसे प्रस्तुत कर सकें। मेले के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं को निखारने और भविष्य के लिए नए अवसर तलाशने की प्रेरणा मिली।

नृत्य, भजन और संगीत की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भारत की विविध नृत्य परंपराओं पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। भजन, गीत और संगीत की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भर दिए। मंच पर बच्चों की प्रस्तुतियों को उपस्थित अतिथियों और दर्शकों ने सराहा। विद्यार्थियों ने अपनी कला के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता और समृद्ध परंपराओं को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बच्चों का आत्मविश्वास, तालमेल और मंच संचालन के प्रति उत्साह भी देखने को मिला। विद्यालय परिसर में पूरे आयोजन के दौरान उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

रामकथा के मंचन से दिया मयार्दा और संस्कारों का संदेश

दशहरा उत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों ने रामकथा की मंचीय प्रस्तुति के माध्यम से रामायण के प्रसंगों को जीवंत किया। प्रस्तुति के जरिए भगवान श्रीराम के आदर्शों, मयार्दा, धर्म और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया गया।

तिगरी में बिजली के ट्रांसफार्मर पर चोरों का हाथ साफ, 63 केवीए की एल्युमिनियम कॉइल चोरी

मुजफ्फरनगर। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के गांव तिगरी में चोरों ने बिजली के ट्रांसफार्मर को निशाना बनाते हुए उसकी एल्युमिनियम कॉइल चोरी कर ली। चांदपुर रोड पर 63 केवीए क्षमता के ट्रांसफार्मर से कॉइल चोरी किए जाने की घटना 15 और 16 अक्टूबर की मध्यरात्रि करीब दो बजे की बताई गई है। वारदात से विद्युत विभाग को आर्थिक नुकसान हुआ, जबकि संबंधित क्षेत्र की बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई। विद्युत विभाग के अवर अभियंता की तहरीर पर नई मंडी थाना पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आधी रात को ट्रांसफार्मर की कॉइल निकाल ले गए चोर विद्युत विभाग की ओर से पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, गांव तिगरी में चांदपुर रोड पर 63 केवीए क्षमता का विद्युत ट्रांसफार्मर लगा हुआ था। आरोप है कि 15 और 16 अक्टूबर की मध्यरात्रि करीब दो बजे अज्ञात चोरों ने ट्रांसफार्मर की एल्युमिनियम कॉइल चोरी कर ली। घटना के कारण ट्रांसफार्मर को नुकसान पहुंचा और विद्युत विभाग को आर्थिक क्षति हुई। ट्रांसफार्मर से कॉइल चोरी होने के चलते संबंधित क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति भी प्रभावित हुई। बिजली से जुड़ी इस संपत्ति को निशाना बनाए जाने से विभागीय व्यवस्था पर भी असर पड़ा। अवर अभियंता ने दी तहरीर, मुकदमा दर्ज इस मामले में विद्युत विभाग के अवर अभियंता राहुल साहू ने 17 अक्टूबर को नई मंडी थाने में लिखित शिकायत देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। तहरीर में उन्होंने चोरी की घटना, विभाग को हुए नुकसान और बिजली आपूर्ति प्रभावित होने का उल्लेख किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। अब मामले की जांच की जा रही है। हालांकि, चोरी गई कॉइल की कीमत, आरोपियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के संबंध में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है। विद्युत विभाग को नुकसान, आपूर्ति पर पड़ा असर ट्रांसफार्मर की कॉइल चोरी होने से न केवल विद्युत विभाग को आर्थिक नुकसान हुआ, बल्कि संबंधित क्षेत्र की बिजली व्यवस्था भी प्रभावित हुई। पुलिस अब चोरी की घटना से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

वॉलीबॉल कोर्ट पर दमखम दिखाने उतरे खिलाड़ी, 21 हजार के इनाम के लिए कड़ा मुकाबला

—भोपा रोड स्थित स्पोर्ट्स क्लब में दो दिवसीय प्रतियोगिता में कई जिलों की टीमों ने लिया हिस्सा, विजेता को 21 हजार और उपविजेता को मिलेंगे 11 हजार रुपये

मुजफ्फरनगर। दमदार सर्विस, शानदार स्मैश और गेंद को अपने पाले में रखने के लिए खिलाड़ियों की जोरदार कोशिशों के बीच भोपा रोड स्थित स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता खेल प्रतिभाओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। प्रतियोगिता में मुजफ्फरनगर समेत कई जिलों से पहुंची टीमों के खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल और तालमेल का प्रदर्शन किया। मुकाबलों में जीत हासिल करने के लिए खिलाड़ियों ने पूरा दमखम लगाया। प्रतियोगिता के माध्यम से उभरती खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता साबित करने का अवसर मिला है। विजेता टीम को 21 हजार रुपये और उपविजेता टीम को 11 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि दी जाएगी। रविवार को प्रतियोगिता के दौरान स्पोर्ट्स क्लब के मालिक एवं टी एस मान ट्रांसपोर्टर सतपाल सिंह मान ने मीडिया सेंटर के पत्रकारों से वार्ता करते हुए आयोजन के उद्देश्य और खिलाड़ियों को दिए जा रहे अवसरों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनपद के युवाओं में खेल प्रतिभा की कमी नहीं है। जरूरत उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और ऐसा मंच देने की है, जहां वे अपनी मेहनत, अनुशासन और हुनर के दम पर आगे बढ़ सकें। कई जिलों की टीमों ने दिखाया दमखम प्रतियोगिता में ऋषिकेश, हरिद्वार, देवबंद, भोपा, शामली, मेरठ, रुड़की और बिजनौर सहित विभिन्न क्षेत्रों से टीमों ने भाग लिया। अलग-अलग जिलों से आए खिलाड़ियों की भागीदारी ने प्रतियोगिता को प्रतिस्पर्धात्मक बनाया। खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ दूसरे क्षेत्रों की टीमों के खेल कौशल और तकनीक से



सीखने का अवसर भी मिला। वॉलीबॉल के मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच बेहतर तालमेल, तेजी और रणनीति देखने को मिली। टीमों ने अंक हासिल करने के लिए आक्रामक खेल के साथ रक्षात्मक कौशल का भी प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के बीच उत्साह का माहौल रहा। डेजपुल एफसी और टर्मिनेटर एफसी के बीच पहला सेमीफाइनल रविवार को प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल डेजपुल एफसी और टर्मिनेटर एफसी के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने मुकाबले में अपनी श्रेष्ठता साबित करने के लिए जोर लगाया। सेमीफाइनल के साथ प्रतियोगिता का रोमांच बढ़ा और खिलाड़ियों की निगाहें खिताब की ओर लगी रहीं। आयोजकों ने प्रतियोगिता को आकर्षक बनाने के लिए विजेता और उपविजेता टीम के लिए नकद पुरस्कार निर्धारित किए हैं। विजेता टीम को 21 हजार रुपये और उपविजेता को 11 हजार रुपये देकर सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार राशि से खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। खिलाड़ियों को मंच देना ही स्पोर्ट्स क्लब का उद्देश्य : सतपाल सिंह मान स्पोर्ट्स क्लब के मालिक सतपाल सिंह मान ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और संघर्ष करने की क्षमता विकसित करते हैं। जब खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए उचित मंच मिलता है, तो वे बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होते हैं। मुजफ्फरनगर और आसपास के क्षेत्रों में खेलों के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ रहा है। ऐसे में प्रतियोगिताओं का आयोजन जरूरी है, ताकि स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी पहचान बनाने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में सैकड़ों प्रतिभागियों की भागीदारी वॉलीबॉल के प्रति युवाओं के बढ़ते आकर्षण को दशार्ती है। खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस तरह के आयोजन महत्वपूर्ण हैं। मनीष शर्मा संभाल रहे प्रतियोगिता का प्रबंधन दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का प्रबंधन मनीष शर्मा देख रहे हैं। आयोजन में खिलाड़ियों की भागीदारी और विभिन्न जिलों की टीमों की मौजूदगी ने इसे खेल प्रतिभाओं के मेल का मंच बनाया है। प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं को अपनी क्षमता का आकलन करने और प्रतिस्पर्धात्मक खेल का अनुभव हासिल करने का अवसर मिल रहा है। पत्रकार वार्ता के दौरान मंजीत सिंह मान, संदीप सिंह, करण खुराना, आदित्य अरोरा, ब्रजवीर सिंह और प्रतियोगिता का प्रबंधन देख रहे मनीष शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शहीद अमरेश पाल के नाम से पहचाने जाने वाले मार्ग पर कीचड़ का कब्जा, ग्रामीणों और विद्यार्थियों की राह मुश्किल

मुजफ्फरनगर। भोपा थाना क्षेत्र में रहमतपुर, सिकंदरपुर और गड़वाड़ा से बेलड़ा तक जाने वाले मार्ग की बदहाल स्थिति ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। सड़क पर जगह-जगह कीचड़ होने के कारण लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं को उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते-जाते हैं, लेकिन सड़क की खराब हालत के चलते उन्हें काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। इसके बावजूद सड़क के पुनर्निर्माण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने की मांग लगातार उठ रही है। ग्रामीणों के अनुसार, यह मार्ग क्षेत्र के कई गांवों के लोगों के आवागमन का महत्वपूर्ण रास्ता है। सड़क पर कीचड़ जमा होने से पैदल चलने वालों के साथ ही दोपहिया वाहनों से गुजरने वाले लोगों को भी परेशानी होती है। बारिश या नमी के कारण रास्ते की स्थिति और खराब हो जाती है, जिससे लोगों को संभलकर निकलना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि रोजमर्रा के कामकाज के लिए इस रास्ते का इस्तेमाल करने वाले लोगों को मजबूरी में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

विद्यार्थियों को स्कूल-कॉलेज पहुंचने में हो रही परेशानी

इस मार्ग की बदहाली का असर विद्यार्थियों की पढ़ाई पर भी पड़ रहा है। सैकड़ों छात्र-छात्राएं इसी रास्ते से स्कूल और कॉलेज आते-जाते हैं। कीचड़ भरे रास्ते से गुजरते समय उनके कपड़े और जूते खराब होने के साथ ही फिसलने का खतरा भी बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यार्थियों को प्रतिदिन इसी परेशानी से गुजरना पड़ता है। ऐसे में सड़क का दुरुस्त होना बेहद जरूरी



है, ताकि बच्चों को सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन मिल सके।

शहीद अमरेश पाल के नाम से जाना जाता है मार्ग

ग्रामीणों ने बताया कि इस रास्ते को शहीद अमरेश पाल के नाम से जाना जाता है। इसी मार्ग पर शहीद अमरेश पाल जूनियर स्कूल भी स्थित है, जहां कई बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शहीद के नाम से पहचाने जाने वाले इस मार्ग की मौजूदा हालत को देखते हुए इसकी मरम्मत और पुनर्निर्माण की जरूरत है। सड़क की खराब स्थिति के कारण स्कूल आने-जाने वाले बच्चों और उनके अभिभावकों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से की सड़क बनवाने की मांग

सड़क की बदहाली से परेशान ग्रामीणों ने प्रशासन से मार्ग का दोबारा निर्माण कराने की मांग की है। चौधरी राहुल, यशपाल सिंह, पीपन कुमार, पूर्व प्रधान योगेश, अक्षय कुमार, डम्पी कुमार, जितेंद्र कुमार, डॉ. कुलदीप बेलड़ा, चांदबीर, अलीजान और पूर्व प्रधान नरेश बेलड़ा सहित कई ग्रामीणों ने कहा कि इस मार्ग की स्थिति में सुधार कराया जाना जरूरी है। उनका कहना है कि सड़क ठीक होने से न केवल ग्रामीणों को राहत मिलेगी, बल्कि स्कूल-कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों को भी रोजाना की परेशानी से निजात मिल सकेगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मार्ग की स्थिति का निरीक्षण कराकर जल्द से जल्द इसके पुनर्निर्माण की कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि सड़क की बदहाली के कारण लोगों को लंबे समय से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अब जरूरत है कि संबंधित विभाग इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए सड़क को आवागमन के योग्य बनवाए, ताकि ग्रामीणों और विद्यार्थियों को राहत मिल सके।

खेत से पेड़ और डोल काटने का विरोध करने पर दो भाइयों पर दांव से हमला, तीन सगे भाइयों पर मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। खालापार थाना क्षेत्र के गांव वहलना में खेत की जमीन पर खड़े पेड़ और डोल काटने का विरोध करने पर दो भाइयों के साथ मारपीट और दांव से हमला करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोप है कि विशाल, विश्वास और मोहित ने एकराय होकर करन और उसके भाई मनीष पर हमला किया। इस दौरान विशाल ने पेड़ काटने वाले दांव से करन पर वार किया, जबकि बीच-बचाव करने आए मनीष पर भी हमला किया गया। घटना में दोनों भाइयों को गंभीर चोटें आईं। आरोपियों पर जान से मारने की धमकी देकर फरार होने का भी आरोप है।

पेड़ काटने से रोकने पर बढ़ा विवाद

गांव वहलना निवासी करन पुत्र राजबीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि घटना 16 अक्टूबर 2026 की सुबह करीब आठ बजे की है। आरोप है कि गांव के ही विशाल, विश्वास और मोहित पुत्रगण गोपी उसके खेत की जमीन पर खड़े पेड़ और डोल को जबरन काट रहे थे। इसकी जानकारी मिलने पर करन अपने भाई मनीष को साथ लेकर खेत पर पहुंचा और तीनों को पेड़ व डोल काटने से मना किया। शिकायत के अनुसार, इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया और तीनों आरोपियों ने एकराय होकर दोनों भाइयों के साथ मारपीट शुरू कर दी।

करन के हाथ पर दांव से किया वार, भाई को भी नहीं बख्शा

करन का आरोप है कि विशाल ने अपने हाथ में लिए पेड़ काटने वाले दांव से उसे जान से मारने की नीयत से हमला किया। दांव उसके हाथ में लगा और वह घायल हो गया। भाई को बचाने के लिए मनीष ने बीच-बचाव किया तो आरोप है कि विशाल ने उस पर भी दांव से वार कर दिया। हमले में दोनों भाइयों को गंभीर चोटें आईं।

पुलिस की गाड़ी पहुंची तो जान से मारने की धमकी देकर भागे

तहरीर के मुताबिक, घटना के बाद मनीष ने अपने मोबाइल फोन से आपातकालीन सेवा 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। कुछ देर बाद पुलिस की गाड़ी मौके पर पहुंची। आरोप है कि पुलिस वाहन को आता देखकर तीनों आरोपी दोनों भाइयों को भविष्य में मौका मिलने पर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

करन पुत्र राजबीर ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। मामले में विशाल, विश्वास और मोहित पुत्रगण गोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना में दोनों भाइयों को आई चोटों और शिकायत में लगाए गए आरोपों के संबंध में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मिशन शक्ति अभियान में महिला थाना पुलिस की कार्रवाई, चार वारंटी गिरफ्तार

—मुजफ्फरनगर और बागपत के रहने वाले हैं गिरफ्तार आरोपी, अपने-अपने घरों से पकड़े गए; महिला थाना पुलिस ने चलाया अभियान

मुजफ्फरनगर। मिशन शक्ति अभियान और अपराध नियंत्रण के तहत मुजफ्फरनगर महिला थाना पुलिस ने रविवार को चार वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों को उनके घरों से पकड़ा। गिरफ्तार किए गए लोगों में दो आरोपी बागपत जिले के बड़ौत कस्बे के रहने वाले हैं, जबकि दो अन्य नई मंडी थाना क्षेत्र के कूकड़ा गांव के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, चारों आरोपियों के खिलाफ वारंट जारी थे। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उनके विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है kबड़ौत के दो और कूकड़ा के दो आरोपी गिरफ्तार महिला थाना पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में अरुण जैन और आशु जैन पुत्रगण रोहताश निवासी मोहल्ला पट्टी



चौधरान, कस्बा व थाना बड़ौत, जिला बागपत शामिल हैं। इनके अलावा अर्जुन पुत्र ओमकार और अनिल कुमार पुत्र ओमकार निवासी गांव कूकड़ा, थाना नई मंडी, मुजफ्फरनगर को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को कार्रवाई करते हुए चारों वारंटियों को उनके निवास स्थानों से पकड़ा। हालांकि, पुलिस की ओर से जारी प्रेस नोट में इन आरोपियों के खिलाफ दर्ज मुकदमों की धाराओं और वारंट जारी होने के कारणों का अलग से उल्लेख नहीं किया गया है। एसएसपी के निर्देश पर चलाया जा रहा अभियान पुलिस के मुताबिक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में अपराध नियंत्रण और वांछित आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन के पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी नगर सिद्धार्थ के. मिश्रा के मार्गदर्शन में महिला थाना प्रभारी प्रीति चाहल के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। महिला थाना पुलिस टीम रही शामिल चारों वारंटियों की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रामवीर सिंह, उपनिरीक्षक तेजवीर सिंह, उपनिरीक्षक रमेश चंद, हेड कांस्टेबल अरुण कुमार, महिला कांस्टेबल ममतेश और रिजर्व महिला कांस्टेबल सोनाली चौधरी शामिल रहीं।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों के संबंध में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

शक्ति क्लब की रामलीला में गूंजा जय श्रीराम, हनुमान जी ने सोने की लंका जलाकर मचाया तहलका

—अक्षय कुमार वध, लंका दहन और विभीषण की शरणागति का हुआ भव्य मंचन, कलाकारों के जीवंत अभिनय ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

मुजफ्फरनगर। शक्ति क्लब रजिस्टर्ड मुजफ्फरनगर की ओर से आयोजित श्रीरामलीला महोत्सव में रामायण के महत्वपूर्ण प्रसंगों का भव्य मंचन किया गया। रामलीला में अशोक वाटिका में हनुमान जी का प्रवेश, रावण के पुत्र अक्षय कुमार का वध, लंका दहन और विभीषण की शरणागति के प्रसंगों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। विशेष रूप से लंका दहन का दृश्य कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। हनुमान जी के पराक्रम और रावण की सोने की लंका में आग लगने के दृश्य को देखकर दर्शकों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। कार्यक्रम का शुभारंभ केके शर्मा, विनय पाल, सतीश पाल, दीपक और मुस्कान किन्नर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद अतिथियों की उपस्थिति में श्री गणेश वंदना, रामायण वंदना



और भगवान श्रीराम की वंदना प्रस्तुत की गई। धार्मिक वातावरण के बीच रामलीला का मंचन आरंभ हुआ। अशोक वाटिका में हनुमान जी का पराक्रम, अक्षय कुमार का वध रामलीला के मंचन में दिखाया गया कि माता सीता की खोज में वानर दल लंका पहुंचता है। इसी क्रम में हनुमान जी अशोक वाटिका में पहुंचकर माता सीता का पता लगाते हैं। अशोक वाटिका में हनुमान जी द्वारा उत्पात मचाने और वाटिका को नुकसान पहुंचाने की सूचना रावण तक पहुंचती है। इस पर रावण अपने पुत्र अक्षय कुमार को हनुमान जी को पकड़ने के लिए भेजता है, लेकिन युद्ध के दौरान हनुमान जी अक्षय कुमार का वध कर देते हैं। इसके बाद मेघनाथ हनुमान जी को पकड़कर रावण के दरबार में ले जाता है। यहां रावण के आदेश पर हनुमान जी की पूंछ में आग लगा दी जाती है। हनुमान जी इसी आग से लंका के विभिन्न हिस्सों में आग लगा देते हैं। देखते ही देखते सोने की लंका धधक उठती है। लंका दहन के इस दृश्य को कलाकारों ने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जिसे देखकर दर्शक रोमांचित हो उठे। माता सीता से निशानी लेकर श्रीराम के पास लौटे हनुमान लंका दहन के बाद हनुमान जी माता सीता से उनकी निशानी लेकर भगवान श्रीराम के पास वापस लौटते हैं और उन्हें लंका में हुई घटनाओं का पूरा वृत्तांत सुनाते हैं। इस प्रसंग के माध्यम से कलाकारों ने हनुमान जी की भक्ति, साहस और प्रभु श्रीराम के प्रति उनकी अटूट निष्ठा का संदेश दिया। रावण ने विभीषण को लंका से निकाला, श्रीराम की शरण में पहुंचे रामलीला के अगले प्रसंग में विभीषण रावण को समझाते हैं कि उसे माता सीता को सम्मानपूर्वक भगवान श्रीराम को लौटा देना चाहिए

50 साल बाद भी शहीद चौक की बदहाली नहीं बदली, श्रद्धांजलि स्थल पर गंदगी और करंट के खतरे का मुद्दा उठा

मुजफ्फरनगर। आपातकाल के दौरान नसबंदी अभियान के विरोध में 18 अक्टूबर 1976 को खालापार में हुए गोलीकांड की 50वीं बरसी पर रविवार को शहीदी दिवस मनाया गया। शहीद चौक पर कांग्रेस नेता सलमान सईद ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर शहीदों के बलिदान को याद करने के साथ ही उनकी स्मृति में बने पार्क की बदहाल स्थिति का मुद्दा भी उठा। पार्क में गंदगी और अव्यवस्थाओं के साथ शहीद चौक के बाहर लगे बड़े ट्रांसफार्मर व अन्य बिजली उपकरणों से जुड़े सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठाते हुए सलमान सईद ने संबंधित विभागों से व्यवस्था सुधारने की मांग की। शहीदों की याद में बने पार्क में गंदगी पर नाराजगी सलमान सईद ने कहा कि शहीदों की स्मृति में बने स्थल का रखरखाव प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। शहीद चौक पर लोग अपने पूर्वजों और शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचते हैं, लेकिन पार्क में गंदगी और अव्यवस्थाएं होने से उन्हें परेशानी



का सामना करना पड़ता है। ऐसे महत्वपूर्ण स्थल पर साफ-सफाई और बेहतर व्यवस्थाएं होना जरूरी है, ताकि श्रद्धांजलि देने आने वाले लोग सम्मानपूर्वक कार्यक्रम में शामिल हो सकें। उन्होंने कहा कि शहीदों के नाम अंकित शिलापट की उचित देखरेख भी जरूरी है। इस स्थल का ऐतिहासिक महत्व है और इससे क्षेत्र के लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। ऐसे में पार्क की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। संबंधित विभागों को नियमित सफाई, साफ-सुथरे वातावरण और पार्क के समुचित रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। शहीदों को नमन करने आएं या करंट का खतरा उठाएं? कांग्रेस नेता ने शहीद चौक के बाहर बिजली विभाग की ओर से लगाए गए बड़े ट्रांसफार्मर और अन्य बिजली उपकरणों को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचने वाले लोगों की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। बिजली उपकरणों के आसपास पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए जाने जरूरी हैं, जिससे लोगों को किसी संभावित हादसे का खतरा न रहे। उन्होंने सवाल उठाया कि शहीदों को नमन करने के लिए आने वाले लोगों को बिजली उपकरणों से जुड़े संभावित खतरे की चिंता क्यों करनी पड़े? ऐसे स्थान पर सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए, जहां लोग नियमित रूप से आते हैं और विभिन्न अवसरों पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। बिजली उपकरणों के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने से किसी अप्रिय घटना की आशंका को कम किया जा सकता है। शिलापट से लेकर पार्क तक हो उचित रखरखाव सलमान सईद ने संबंधित विभागों से मांग की कि शहीद पार्क की नियमित सफाई कराई जाए,

ककरौली थाने में बेटियों का दिखा पुलिसिया अंदाज, एक दिन के लिए संभाली थाना प्रभारी समेत तीन अहम जिम्मेदारियां

—शिखा धीमान बनीं थाना प्रभारी, रिया धीमान को मिला वरिष्ठ उपनिरीक्षक और अलीशा को मिशन शक्ति प्रभारी का दायित्व, जनसुनवाई कर सुनीं लोगों की समस्याएं

मुजफ्फरनगर। बेटियां केवल अपने सपनों को पूरा करने का ही नहीं, बल्कि जिम्मेदारी संभालने और समाज को नई दिशा देने का भी दम रखती हैं। मिशन शक्ति फेस-6.0 के तहत ककरौली थाने में आयोजित विशेष कार्यक्रम में इसका उदाहरण देखने को मिला। यहां मेधावी छात्राओं को एक दिन के लिए पुलिस विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपकर उन्हें पुलिस की कार्यप्रणाली को करीब से समझने का अवसर दिया गया। छात्राओं ने केवल पुलिस अधिकारियों की भूमिका को समझा ही नहीं, बल्कि थाने में जनसुनवाई कर आम लोगों की समस्याएं भी सुनीं और उनके निस्तारण के लिए संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन तथा सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेस-6.0 अभियान के अंतर्गत 18 अक्टूबर को थाना ककरौली में यह विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मेधावी छात्राओं को पुलिस विभाग की जिम्मेदारियों से परिचित कराने के साथ उन्हें नेतृत्व, जनसेवा और महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। शिखा धीमान ने संभाली थाना प्रभारी की जिम्मेदारी कार्यक्रम के दौरान छात्रा शिखा धीमान को एक दिन के लिए थाना प्रभारी बनाया गया। वहीं, रिया धीमान को वरिष्ठ उपनिरीक्षक तथा अलीशा को मिशन शक्ति प्रभारी का दायित्व सौंपा गया। तीनों छात्राओं ने पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारियों को समझते हुए थाने की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। थाना प्रभारी की भूमिका निभाने वाली शिखा धीमान ने वरिष्ठ उपनिरीक्षक रिया धीमान और मिशन शक्ति प्रभारी अलीशा के साथ थाने में जनसुनवाई



की। इस दौरान उन्होंने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को समझा। प्राप्त शिकायतों के संबंध में संबंधित हल्का प्रभारियों और चौकी प्रभारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं को यह समझाना भी रहा कि पुलिस की जिम्मेदारी केवल अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने तक सीमित नहीं है, बल्कि आमजन की समस्याएं सुनना, पीड़ितों की सहायता करना और लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत करना भी पुलिस के महत्वपूर्ण दायित्व हैं।

पुलिस की कार्यप्रणाली को करीब से जाना

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को थाने के कार्यालय, अभिलेखों के रखरखाव और पुलिस के दैनिक कामकाज के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें अपराध और शिकायतों से संबंधित कार्यवाही की प्रक्रिया समझाने के साथ सीसीटीएनएस प्रणाली के बारे में भी बताया गया। इसके अतिरिक्त साइबर अपराध से जुड़े मामलों में पुलिस किस प्रकार काम करती है और शिकायत मिलने पर किस तरह कार्रवाई की जाती है, इसकी जानकारी भी दी गई। पुलिस की विभिन्न जिम्मेदारियों से परिचित होकर छात्राओं को प्रशासनिक व्यवस्था, जनसुनवाई और शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को समझने का अवसर मिला। इस तरह के कार्यक्रमों से बालिकाओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ उन्हें भविष्य में अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया जाता है। मिशन शक्ति कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न, छेड़छाड़, असुरक्षा अथवा परेशानी की स्थिति में चुप रहने के बजाय निडर होकर पुलिस और संबंधित सहायता सेवाओं से संपर्क करना चाहिए।

कम समय, दोगुना मुनाफा

कमजोर मानसून से निराश किसान धान छोड़ मडुआ की करें खेती





मडुआ की खेती कर अच्छी कमाई कर सकते हैं किसान

भारत में इस साल अल निनो के कारण कई राज्यों में मानसून कमजोर रहा है. कमजोर मानसून के कारण धान की खेती भी प्रभावित हुई है. सरकारी आकड़ों के अनुसार धान की बुवाई पिछले साल के तुलना में इस साल कम हुई है. किसान अभी भी अच्छी बारिश के इंतजार में हैं. ऐसे में जानकार का कहना है कि किसानों को धान के अलावा कोई और भी विकल्प तलाशने की जरूरत है. आपको बता दें कि ऐसे में मडुआ(रागी) की खेती एक अच्छी विकल्प है.

कम पानी में रागी की होती है अच्छी पैदावार

जानकार बताते हैं कि रागी की खेती मध्यम भूमि और कम सिंचाई में प्रभावी रुप से की जाती है. आपको बता दें कि कम बारिश और कम सिंचाई में इसकी अच्छी पैदावार होती है. आजकल बदलते जलवायु के कारण रागी की खेती किसानों के बीच प्रचलित हो रही है.

खरपतवार नियंत्रण है जरूरी है

रागी की अच्छी पैदावार के लिए बुवाई के बाद शुरुआती अवस्था में फसल की उचित देखभाल बहुत जरूरी है. किसान अगर वैज्ञानिक तरीके से रागी की खेती करते हैं तो फसल की अच्छी पैदावार कर सकते हैं.

बता दें कि फसल को स्वस्थ रखने के लिए खरपतवार नियंत्रण जरूरी है. यदि समय पर खरपतवार नहीं हटाए गए तो फसल की बढ़वार और उत्पादन दोनों प्रभावित हो सकते हैं. ऐसे में कृषि जानकार बताते हैं कि पेंडीमैथिलिन खरपतवारनाशी का उपयोग कर सकते हैं. किसान 5 मिलीलीटर दवा प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव कर सकते हैं. प्रति एकड़ करीब 1 लीटर में दवा को खाद में मिलाकर खेत में समान रुप से छिड़क दें. इससे खरपतवार प्रभावी नियंत्रण मिलता है और फसल का विकास बेहतर होता है.



लागत का दुगुना मुनाफा

रागी की खेती में प्रति एकड़ 22 से 25 हजार रुपये का खर्च आता है. किसान यदि वैज्ञानिक तरीके से रागी की खेता करते हैं तो लागत से दुगनी कमाई कर सकते हैं. सामान्य रुप से एक एकड़ में 8-15 क्विंटल रागी की उत्पादन होती है. किसान यदि सीधे ग्राहक को रागी बेचते हैं तो यह 40-55 रुपये प्रति किलो बिकती है. यदि एमएसपी की बात करें तो यह वर्ष 2026-27 के लिए 5202 रुपए प्रति क्विंटल है, यानी 52 रुपए प्रति किलो. यदि पैकेट बंद रागी की बात करें तो यह रिटेल में ब्रांड के अनुसार 70 से 100 रुपये प्रति किलो या उससे भी ज्यादा में बिकती है.

तेजी से बढ़ रही है रागी की मांग

आजकल के बदलती जीवनशैली ने लोगों को विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के संपर्क में ला दिया है. ऐसे में रागी का उपयोग स्वास्थ्य के दृष्टि से भी उचित है. यही कारण है रागी से बने बिस्कुट, दलिया, आटा, आदि की मार्केट में खुब डिमांड हो रही है. ऐसे में किसान को भी धान के विकल्प में रागी की खेती में मुनाफा दिख रहा है.

आज की आवश्यकता टिकाऊ खेती



भूमि-जल पर्यावरण

खेती में उर्वरकों, कीटनाशकों शाकनाशियों अर्थात् रसायनों के अत्यधिक प्रयोग में भूमि की दशा निश्चय ही खराब हुई है. जिससे की भूमि के लाभदायक कीट, केंचुए, जीवाणु इत्यादि नष्ट हुए हैं, साथ ही साथ सूक्ष्म तत्वों में भी भारी कमी हुई. अतः जीवांश खादों के प्रयोग से हम रोक सकते हैं फसल चक्र अपना सकते हैं उर्वरकों का संतुलित प्रयोग कर सकते हैं कई जंगल भी नष्ट किये गये सघन पद्धतियों के प्रयोग के कारण जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ा है अर्थात् इसका दोहन कम किया जाए एवं इन्हें संरक्षित किया जाने का प्रयास करना नितांत आवश्यक है.

लाभ/खर्च अनुपात

हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए खाद्यान्न की उपलब्धि बनाये रखने के लिए सस्य रसायनों का प्रयोग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है. जिससे की हमारी भूमि में मृदा में तथा मृदा के गुणों पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है. यदि यह प्रक्रिया लंबी अवधि तक चलती रही तो भूमि एवं जल की उपादेयता समाप्त हो जायेगी और नई पीढ़ी का जीवन ही असुरक्षित हो जायेगा वर्तमान में हमारे देश की जनसंख्या दिनों-दिन बढ़ रही है और कृषि क्षेत्र बराबर कम होता जा रहा है. ऐसी परिस्थिति में हम टिकाऊ खेती का प्रयोग करना अत्यंत आवश्यक है तथा जिसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का इसका इस प्रकार से प्रयोग किया जाए कि वर्तमान व भविष्य दोनों में संतुलन हो. इस प्रकार की खेती का प्रयोग करके हम अपने भविष्य की पीढ़ी को सुरक्षित तो कर रही है बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा एवं सुरक्षा करके या उन्हें सुरक्षित बनाये रखने का कर्त्तव्य भी पूरी तरह निभा रहे हैं. अर्थात् हमें टिकाऊ खेती का प्रयोग किया जाना चाहिए. जिसके द्वारा हमें आर्थिक लाभ एवं भारत सरकार को पूर्णतः उत्पादन से लाभ प्राप्त हो सके.

टिकाऊ खेती का लाभ

- पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाये रखने में टिकाऊ खेती का प्रमुख कार्य है.
- वातावरणीय प्रदूषण कम होता है.
- लगाई फसलों की उत्पादन लागत कम आती है.
- प्राकृतिक संसाधनों का दोहन उचित प्रकार से करते हैं.
- टिकाऊ खेती में भूमि, जल, ऊर्जा इत्यादि प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग हम इस प्रकार से करते हैं कि भविष्य में आने वाली पीढ़ियां इसका प्रयोग एवं दोहन ध्यान रखकर कर सकें.



कृषि क्षेत्र में सम्पन्नता लाने के लिए उत्पादकता टिकाऊपन तथा समानता की बहुत जरूरत है हमें भारत में भी बदलते पर्यावरण में कृषि निर्वाह की प्राथमिकता देनी अनिवार्य आवश्यकता है. इसका मुख्य उद्देश्य भविष्य में हम आर्थिक दृष्टि से कारगर, पर्यावरण की दृष्टि त्रुटीहीन सामयिक दृष्टि से सुसंगत प्रौद्योगिकी जो कम लागत पर अधिक से अधिक कृषि उत्पाद दे सकें. कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि टिकाऊ खेती मानव जाति को निरंतर खुशहाली प्रदान का वचन देती है.

टिकाऊ खेती का महत्व

टिकाऊ खेती का महत्व सबसे अधिक वर्तमान खेती की प्रणालियों, तरीकों एवं समस्याओं को सुधारने में है. टिकाऊ खेती मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से जुड़ी हुई हैं मृदा, जल, ऊर्जा, वन-विकास एवं जंगली पशुओं की सुरक्षा या इन्हें सुरक्षित रखने से है. टिकाऊ खेती में इनके प्रबंधन पर विशेष प्रकार से ध्यान दिया जाता है. कई प्रकार की उत्पन्न समस्याओं जैसे- सौर ऊर्जा का उचित प्रयोग, वातावरण प्रदूषण की रोकथाम पर्यावरण का संतुलन डगमगाना इत्यादि समस्याओं पर विशेष रूप से ध्यान देना ही इसमें निम्न विषय है अर्थात् भविष्य में टिकाऊ खेती के माध्यम से इन समस्याओं को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है.





आलू में रोग अनेक उपाय एक

पत्तियों व तने में आने वाले रोग

विषाणु रोग

हरी पत्तियों पर हल्के हरे अथवा हल्के पीले धब्बे या फफोले से होना (कबरापन या मोजाइक) पत्तियां छोटी, भंगूर, किनारे लहरदार, मुड़े से (लीफरोल) अथवा पौधों की ऊपरी भाग की पत्तियों का गुच्छा सा बन जाना, उसमें मोजाइक दिखाई देना है।

नियंत्रण

बीज किसी प्रमाणित संस्था अथवा उन्नत आलू बीज कृषक से ही खरीदना चाहिए। अगर बीज बनाने के लिये फसल लगाई है तो 25-30 रोज बाद रोगग्रसित पौधों को निष्कासित (रोगिंग) करना चाहिए। तथा मिट्टी चढ़ाते समय दी जाने वाली नाइट्रोजन खाद के साथ ही फोरेट 10-जी नामक सिस्टेमिक, दानेदार कीटनाशक 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से डालें। जनवरी के प्रथम सप्ताह में इमीडाक्लोप्रिड जो बाजार में कई नामों से मिलती है का 2 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी में घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें। अगर आलू की फसल खाने के लिए लगाई गई है तो कोई भी कीटनाशक का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

पिछेती झुलसा यानि लेट ब्लाइट सबसे खतरनाक बीमारी है जिसमें खड़ी फसल 48 घंटों में पूरी तरह झुलस जाती है। यह फाइटोप्थोरा इनफेसटेन्स नामक फफूंद से फैलती है। दूसरे सप्ताह के बाद अगर 3-4 रोज लगातार हल्की बारिश हो जाये, बादल छाये रहें, तापमान 16 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहे तो बनता है। सुबह के समय देखने पर पत्तों पर पानी से भीगे से गले से धब्बे दिखाई देते हैं जिनकी निचली सतह पर सफेद रंग की फफूंदी के धागे से नजर आते हैं। धूप निकलने पर ये भूरे रंग के झुलसे हुए धब्बों में बदल जाते हैं। तने पर भी छोटे-छोटे हल्के भूरे रंग के निशान दिखाई देते हैं जिन्हें खरोचने पर अंदर भूरे कार्क जैसा दिखाई देता है। पिछेती झुलसा ग्रसित आलू न तो खाने योग्य होते है और न ही बीज के लिये शीत गृह में रखने योग्य। शीत गृह में ये सड़ते नहीं है तथा अगली फसल में बीमारी फैलाने का काम करते हैं।

नियंत्रण

प्रतिरोधी क्षमता वाली किस्में लगानी चाहिए जैसे कुफरी चिप्सोना-1, कुफरी चिप्सोना-2, कुफरी चिप्सोना-3, कुफरी चिप्सोना-4, कु. फ्राईसोना, कु. बादशाह, कु. पुष्कर, कु. आनंद, कु. कंचन आदि इनके अलावा कु. ज्योति व कु. पुखराज में भी कुछ हद तक प्रतिरोधी क्षमता है। इसके अलावा दिसम्बर के दूसरे सप्ताह में एक छिड़काव मेन्कोजेब दवा जो कि बाजार में कई नामों से मिलती है का दे देना चाहिए। इस दवा की 2 किलोग्राम मात्रा को 800 से 1000 लीटर पानी में घोलकर इस तरह छिड़काव करें कि दवा का घोल पत्तों से टपकने लगे तथा पत्तों की निचली सतह पर दवा पहुंच जाये। हल्की बारिश हो तो कोई भी स्टीकर मिला दें। पिछेती झुलसा रोग आ चुका है तो तुरंत सिस्टेमिक फफूंदीनाशक मेटालोक्सिल फॉर्मूलेशन या कर्जेट फॉर्मूलेशन का



2.0 से 2.5 किलोग्राम दवा 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़कें। पत्तों पर अगेती झुलसा (अर्ली ब्लाईट) के भूरे काले गोल धब्बे जिनमें चक्कर से बने हों दिखाई देते हैं यह भी एक फफूंदी से होती है जिसका नाम आल्टरनेरिया सोलेनाई है। चूंकि इस क्षेत्र में यह देरी से आती है तथा प्रकोप भी कम रहता है। अतः अलग से कोई दवा छिड़कने की आवश्यकता नहीं है, पिछेती झुलसा रोग के लिए जिस दवा का छिड़काव दिया गया है उसी से इसकी भी रोकथाम हो जाती है। दिसम्बर माह में ही पौधों की निचली पत्तियों पर बहुत अधिक संख्या में छोटे-छोटे काले धब्बे दिखाई देते हैं, जिनकी निचली सतह धसी सी व चमकदार होती है। ये वातावरण में ओजोन की मात्रा बढ़ने से होती है। यूरिया का 2 प्रतिशत घोल बनाकर पत्तों पर छिड़काव करने से इस बीमारी को रोका जा सकता है। कु. ज्योति व कु. लवकर किस्मों में यह बीमारी बहुत अधिक आती है।

ज्वार का प्रमुख रोग -कीट से बचाव



ज्वार के मुख्य रोग एवं उनका नियंत्रण

सामान्यत: ज्वार में बीमारियों के प्रकोप से 30-40 प्रतिशत तथा कीटों से लगभग 10-20 प्रतिशत हानि फसल के उत्पादन में पायी गयी है,

काला दाना

फफूंद दाने गुलाबी, नारंगी या काले रंग के हो जाते हैं और अधिक संक्रमण की अवस्था में दानों का स्थान फफूंद के स्पोर से बना चूर्ण ले लेते हैं जिससे लगभग 100 प्रतिशत तक नुकसान होता है।

नियंत्रण

- बोने की अवधि को ऐसे रखें जिससे बरसात से पहले तैयार हो जाय
- केप्टान (0.3 प्रतिशत)+ डाईथेन एम 45 (0.03 प्रतिशत) के तीन छिड़काव 10 दिन के अंतराल पर फूल आने के बाद।

किट्ट

संकर किस्में इस रोग से ज्यादा प्रभावित होती है। पत्तियों की निचली और ऊपरी सतह पर लाल भूरे रंग के गोल धब्बे हो जाते हैं।

नियंत्रण

- 100 ग्राम से 150 ग्राम प्रति किग्रा बीज दर से थायरम से बीज उपचार।
- गर्मी की गहरी जुताई।
- लक्षण दिखते ही 10 दिन के अंतराल पर डायथेन एम 45 (0.3 प्रतिशत) के तीन छिड़काव।

लाल तना

इस रोग के लक्षण आरंभिक अवस्था में पौधों की निचली पत्तियों पर छोटे-छोटे रंगीन धब्बे के रुप में दिखाई देते हैं, जो बाद में ऊपर की तरफ बढ़ते हैं।

रोकथाम

- रोग प्रतिरोधी संकर किस्मों का चयन और इसके अतिरिक्त फसल



अवशेषों का उचित प्रबंध करें।
- उचित फसल चक्र अपनायें
- 3 ग्राम प्रति किग्रा बीज दर से थायरम या केप्टान से बीज का उपचार

जोनेट पर्ण धब्बा

यह फफूंद बरसात और पानी में फैलता है। यह बीमारी बरसात की अवधि में ज्यादा गंभीर हो जाती है।

रोकथाम

- उचित फसल चक्र का चुनाव करें।
- रोगरोधी किस्मों का चयन करें।

एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत का मामला: दो बहनों समेत 3 गिरफ्तार



ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा थाना क्षेत्र के नगला पदम गांव में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत के मामले में पुलिस ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए मृतक की बहन, बहनोई समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस सनसनीखेज मामले ने पूरे इलाके में हलचल मचा दी है, जहां एक ही घर से पांच लोगों के शव मिलने से हड़कंप मच गया था। पुलिस के अनुसार, इस पूरे मामले की जांच के दौरान मृतक के मोबाइल फोन से एक ऑडियो रिकॉर्डिंग बरामद हुई है, जिसने इस घटना की गुत्थी को सुलझाने में अहम भूमिका निभाई है। इस ऑडियो में मृतक ने अपनी मौत के लिए अपनी बड़ी बहन, बहनोई और छोटी बहन को जिम्मेदार ठहराया है। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 108 के तहत मुकदमा दर्ज किया है और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

डीसीपी ग्रेटर नोएडा श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि 17 अक्टूबर 2026 को नगला पदम गांव में एक ही परिवार के पांच सदस्यों के मृत अवस्था में पाए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस तुरंत हरकत में आई और मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की। मृतकों की पहचान महेश (37), उसकी पत्नी ललिता (35), बेटे लड्डू उर्फ साक्षात (11), बेटी मिस्टी (7) और बेटे रियांश (3) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, परिवार के सभी सदस्य 16 अक्टूबर की रात बाहर से अपने घर लौटे थे। घर लौटने के बाद उन्होंने खाना खाया और फिर सभी सो गए, लेकिन अगले दिन वे सुबह मृत पाए गए। घटना की सूचना मिलने पर जब पुलिस मौके पर पहुंची तो घटनास्थल पर फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को भी बुलाया गया, ताकि सभी आवश्यक वैज्ञानिक जांच कराई जा सके। इसके बाद पांचों शवों का चिकित्सकों के एक पैनल द्वारा पोस्टमार्टम कराया गया और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई। मृत्यु के वास्तविक कारणों का पूरी तरह से पता लगाने के लिए चिकित्सकों ने सभी शवों के विसरा सुरक्षित कर लिए हैं, जिन्हें अब जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

मकान का विवाद और मोबाइल की ऑडियो रिकॉर्डिंग: पुलिस के अनुसार, आसपास के लोगों और रिश्तेदारों से पूछताछ में एक नया पहलू सामने आया है। जांच में पता चला कि महेश की बड़ी बहन सुनीता ने कथित तौर पर अपनी मां चंद्रवती को प्रभावित कर उस मकान को अपने नाम करा लिया था, जिसमें महेश अपनी मां के साथ रहता था। इस बात की जानकारी होने के बाद से महेश काफी परेशान रहने लगा था। हालांकि, पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि इस विवाद की क्या भूमिका थी और घटना से इसका क्या संबंध है। घटना के खुलासे के लिए जब पुलिस ने महेश के मोबाइल फोन की जांच की, तो उसमें एक ऑडियो रिकॉर्डिंग हाथ लगी। इस रिकॉर्डिंग में उसने अपनी बड़ी बहन सुनीता, बहनोई शेखर और छोटी बहन सपना को इस घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया है। इसके अलावा, पुलिस ने घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली। पुलिस के मुताबिक, सामने आई इस फुटेज में कोई भी बाहरी व्यक्ति घर के अंदर प्रवेश करता हुआ दिखाई नहीं दिया है, जिससे मामले की परतें धीरे-धीरे खुलने लगीं।

यदि राम वन नहीं जाते तो राम, राम बन नहीं पाते : दीपक विग



नोएडा। श्री राम लखन धार्मिक रामलीला सेक्टर 46 में समाजवादी पार्टी के पूर्व महानगर अध्यक्ष दीपक विग का विपिन अग्रवाल, राजिंदर जैन, पूनम सिंह, गौरव यादव व अतिविशिष्ट अतिथि रहे नवाब सिंह नागर द्वारा उनका स्वागत व अभिनंदन किया गया। साथ में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शामिल बाबूलाल बंसल, अतुल यादव, सुनीता शारदा, मनोज गोयल, एडवोकेट गौरव सिंघल, दिनेश यादव अरविंद चौहान, नरेंद्र शर्मा, दाताराम यादव, राजीव श्रीवास्तव का भी स्वागत किया गया।

इसके साथ ही उद्यमी एवं समाजसेवी और सेक्टर 11 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष अनुज गुप्ता को भी सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राकेश यादव पूर्व मंत्री भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर भगवान राम एवं मर्यादा पुरुषोत्तम राम पर बोलते हुए श्री विग ने कहा कि जो भी नियति करती है अच्छे के लिए करती है। राजा दशरथ के पुत्र राजकुमार श्री राम जी का राज्याभिषेक होने वाला था लेकिन उन्हें वन जाने का अवसर मिला और उन्होंने जंगल में भी मंगल कर दिया। यदि राम वन नहीं जाते तो राम, राम बन नहीं पाते। नोएडा महानगर की दो ही रामलीलायें है जो सभी राजनीतिक दलो ओर सामाजिक व्यक्तियों को पूरा सम्मान देती हैं ओर सभी दल भी रामलीलयो में पूरा सहयोग योगदान करते हैं।

राष्ट्रवादी नवनिर्माण दल के अध्यक्ष श्रीकांत त्यागी ने फूंका 2027 यूपी विधानसभा चुनाव का बिगुल

नोएडा। राष्ट्रवादी नवनिर्माण दल (रानद) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीकांत त्यागी ने रविवार को मेरठ जिले के किठौर विधानसभा क्षेत्र के कौल गांव में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन के जरिए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 का बिगुल फूंका। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में 40 भृगुवंशी समाज के तथा 130-140 अन्य जातियों के प्रत्याशी उतारने का ऐलान किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्रीकांत त्यागी ने भाजपा पर भूमिहार, त्यागी और ब्राह्मण समाज को राजनीतिक रूप से हाशिए पर धकेलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा प्रशासन और पुलिस के सहारे के बिना चुनाव लड़े, तो उसे आगामी विधानसभा चुनाव में 140 से अधिक सीटें नहीं मिलेंगी। उन्होंने दावा किया कि किठौर विधानसभा क्षेत्र में भृगुवंशी समाज ने अन्य समाजों के साथ मिलकर इस बार रानद के झंडे तले अपने समाज के बेटे या बेटी को चुनाव लड़ाने और जिताने का संकल्प लिया है।

श्रीकांत त्यागी ने आरोप लगाया कि सम्मेलन में शामिल होने आ रहे पार्टी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका और उनके रास्तों में बाधाएं पैदा की गईं। उन्होंने कहा, 'मैं ऐलान करता हूं कि इसी मेरठ में एक महीने के अंदर इससे भी 100 गुना बड़ा कार्यक्रम करूंगा। रानद के कार्यकर्ता सरकार, पुलिस और प्रशासन को उनकी सही जगह दिखा देंगे।'

सम्मेलन में अनु त्यागी ने आरोप लगाया कि सरकार और स्थानीय प्रशासन ने उन्हें हेलीकॉप्टर से कार्यक्रम स्थल तक आने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने इसे महिला सम्मान के मुद्दे से जोड़ते हुए कहा, 'एक ओर भाजपा महिला शक्ति और नारी सम्मान की बात करती है, दूसरी ओर राजनीतिक कारणों से एक महिला का अपमान करती है। सरकार ने त्यागी समाज की बेटी को सम्मान देने से इनकार किया है। 'कार्यकर्ता सम्मेलन में वृंदावन के तुलसी पीठ से जुड़े संत श्री श्री तुलसी जी महाराज भी पहुंचे। उन्होंने श्रीकांत त्यागी को आशीर्वाद देते हुए अपने संबोधन की शुरुआत 'भगवान परशुराम की जय' के उद्घोष से की।

तुलसी जी महाराज ने कहा कि ब्राह्मण समाज की भूमिका निर्माण और राष्ट्र की रक्षा से जुड़ी है। उन्होंने श्रीकांत त्यागी के ब्राह्मण समाज की रक्षा के संकल्प का समर्थन करते हुए कहा कि समाज में सुख-शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अन्याय के विरुद्ध खड़ा होना जरूरी है। उन्होंने सम्मेलन में आने से लोगों को रोकने के कथित प्रयासों को अनुचित बताते हुए कहा कि सत्संग और सामाजिक आयोजनों में बाधा नहीं डाली जानी चाहिए।

शबरी उद्धार, राम-सुग्रीव मिलन और बाली वध का हुआ भावपूर्ण मंचन, रामभक्त हनुमान की वीरता ने जीता दर्शकों का दिल



नोएडा। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर नोएडा के सेक्टर-110 स्थित महर्षि नगर में आयोजित दुर्गा पूजा एवं श्रीरामलीला महोत्सव में शुक्रवार को रामभक्ति, वीरता और धर्म की विजय के प्रसंगों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। रामलीला में शबरी उद्धार, राम-सुग्रीव मिलन, बाली वध, अक्षय कुमार वध, रावण-हनुमान संवाद और लंका दहन का प्रभावशाली मंचन किया गया। विशेष रूप से लंका दहन के दृश्य ने दर्शकों में उत्साह भर दिया और पूरा परिसर जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा।

ए के लाल मीडिया प्रभारी ने बताया कि मुख्यअतिथि गौतम बुध नगर के सांसद डॉ महेश शर्मा आर चौधरी तेज सिंह रामलीला के प्रसंगों के माध्यम से भगवान श्रीराम की करुणा, मित्रता के महत्व और भक्त हनुमान की अद्भुत शक्ति एवं समर्पण को दर्शाया गया। शबरी प्रसंग ने भक्ति और प्रेम का संदेश दिया, जबकि राम-सुग्रीव मिलन तथा बाली वध के दृश्यों ने धर्म, न्याय और मित्रता के महत्व को रेखांकित किया। वहीं, रावण की सभा में हनुमान जी के निर्भीक संवाद और लंका दहन के मंचन ने दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया।

महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन मां दुर्गा की पूजा-अर्चना, वेद पाठ, भजन-कीर्तन, प्रवचन और आरती सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सुबह के वैदिक अनुष्ठानों से लेकर शाम के भक्ति संगीत तक, महर्षि नगर का वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इन कार्यक्रमों में शामिल होकर धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति अपनी आस्था व्यक्त कर रहे हैं।

आयोजकों के अनुसार, दुर्गा पूजा, विजयादशमी एवं श्रीरामलीला महोत्सव का उद्देश्य भगवान श्रीराम के आदर्शों, भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाना है। रामलीला के माध्यम से नई पीढ़ी को सत्य, त्याग, कर्तव्य, मर्यादा और पारिवारिक मूल्यों की सीख देने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर महर्षि महेश योगी संस्थान के अध्यक्ष एवं महर्षि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्रीमान अजय प्रकाश श्रीवास्तव तथा श्री राहुल भारद्वाज, श्री राम श्रीवास्तव,श्री लक्ष्मण श्रीवास्तव

श्री के के श्रीवास्तव एवं श्री संदीप श्रीवास्तव जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। श्री दुर्गा पूजा ,विजया दशमी एवं श्री रामलीला महोत्सव के संयोजक रामेंद्र सचान, शिशिर श्रीवास्तव, विनोद श्रीवास्तव, विनीत श्रीवास्तव, के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

जगनपुर में हुआ गुर्जर महासभा का अभिनंदन समारोह



ग्रेटर नोएडा। जगनपुर गांव में श्रीनिवास प्रधान द्वारा अखिल भारतीय गुर्जर महासभा का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी उपस्थित रहे। उनके साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सविंदर भाटी, जगबीर दौला, पंकज रोसा, गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी एवं अरुण भाटी सहित अन्य प्रमुख लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया। ग्रामवासियों ने सभी अतिथियों को सम्मान की पगड़ी पहनाकर एवं पुष्पमालाओं से आत्मीय स्वागत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदीश प्रधान ने की तथा संचालन जितेंद्र नागर ने किया। वक्ताओं ने समाज के उत्थान, शिक्षा, व्यवसाय और एकता पर विचार रखते हुए संगठित होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी ने सरकारों से गुर्जर समाज की राजनीतिक हिस्सेदारी सुनिश्चित करने की मांग की। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सविंदर भाटी ने पटेल जयंती के उपलक्ष्य में 27 अक्टूबर को दिल्ली में आयोजित होने वाली गुर्जर स्वाभिमान रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया।

जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने शादियों में डीजे, गोद भराई और बूरा खाने जैसी रस्मों पर होने वाले अनावश्यक खर्च तथा दिखावे के कारण कर्ज लेने की प्रवृत्ति से बचने की अपील की। उन्होंने दान-दहेज पर रोक लगाने का समर्थन करते हुए महिलाओं से सोशल मीडिया से दूरी बनाने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि समाज के लोग 27 अक्टूबर को दिल्ली पहुंचकर समाज की एकता के इस महायज्ञ में अपनी आहुति दें। उपस्थित जनसमूह ने दिल्ली पहुंचकर गुर्जर स्वाभिमान रैली को सफल बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर राजेंद्र प्रधान, नेमबीर सरपंच, राजसिंह प्रधान, सौरन प्रधान, अजय चेयरमैन, श्यामी प्रधान, हंसराज बाबा, चंद्रपाल नेताजी, विनोद प्रधान, सतवीर प्रधान, अजय आर्य, सुरेंद्र प्रधान, चमन शास्त्री, बलराज प्रधान, सुनील नागर, सिंहराज गुर्जर, गजेंद्र रेक्सवाल, बालकिशन नेताजी, भंवर सिंह सरपंच, रामवीर सरपंच, मुनेंद्र नागर, भीम सिंह भाटी, नरेश चपरगढ़, महेंद्र नागर, हरस्वरूप आर्य, रोहतास चौधरी, रुपेश वर्मा, बाबूराम आर्य एवं प्रेम सिंह भाटी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान लोकगायक हरेंद्र नागर एवं बेगराज नागर की टीम ने स्वागत गीत तथा दिल्ली रैली में पहुंचने के आह्वान गीत प्रस्तुत किए। समारोह के समापन पर भंडारे का आयोजन किया गया।

डांडिया नाईट में झूमा सेक्टर -34



नोएडा। सेक्टर-34 स्थित कम्यूनिटी सेंटर में फ़ेडरेशन ऑफ़ आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 द्वारा आयोजित डांडिया नाइट कार्यक्रम में लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। इसमें करीब तीन हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। गरबा तथा बॉलीवुड के गानों पर सेक्टर निवासियों ने खूब गरबा और डांडिया खेला।

फ़ेडरेशन आरडब्लूए महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया की नवरात्रि के शुभ मौके पर प्रकाश अस्पताल के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माता रानी के गरबे से हुई। इसके बाद ग्रुप डांडिया शुरू हुआ।

इसमें सेक्टर निवासियों ने शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों की प्रस्तुति के बाद रॉयडन दा बैंड द्वारा लाइव प्रस्तुति से डांडिया का आगाज हुआ। गरबा के गाने शुरू होते ही निवासियों ने ग्रुप बनाकर फ्लोर पर धमाल मचाने शुरू कर दिया। देखते ही देखते कम्युनिटी सेंटर का गार्डन लोगों से खचाखच भर गया।

इस दौरान आरडब्ल्यूए अध्यक्ष के के जैन महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा, उपाध्यक्ष कुलदीप मुंशी कोषाध्यक्ष एम सी भारद्वाज दीपाली पसारी कर्नल(रि) आई डी त्यागी सुधीर चौधरी ओमेन्द्र कुमार संजीव महतो आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

12वीं में अच्छे अंक लाने पर अदिति को किया सम्मानित, चेक, प्रमाण पत्र और शील्ड भेंट की



नोएडा। सावित्रीबाई फुले सोसाइटी की ओर से कक्षा 12वीं में अच्छे प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर अदिति पुत्री श्री सत्येंद्र सिंह को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सोसाइटी की ओर से अदिति को चेक, प्रमाण पत्र और शील्ड भेंट कर उसकी उपलब्धि की सराहना की गई।

सोसाइटी के इस सम्मान का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करना तथा शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। ऐसे प्रयासों से विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है और समाज में शिक्षा के महत्व का संदेश भी जाता है। सावित्रीबाई फुले सोसाइटी की इस पहल को शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है।

गलत का कभी साथ नहीं देना चाहिए, सच्चाई के मार्ग पर चलने वाला हमेशा जीतता है : पंकज सिंह

नोएडा। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी द्वारा 10 वर्षों से शुरू की गई रामलीला के आठवें दिन यानी रविवार को मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद नोएडा विधायक पंकज सिंह एवं स्वागत अध्यक्ष संजय सिंह चीफ जनरल मैनेजर गेल इंडिया लिमिटेड तथा सुशील कुमार गुप्ता के द्वारा पूजा अर्चना के साथ रामलीला का शुभारंभ कराया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि नोएडा विधायक पंकज सिंह ने कहा कि वे रामलीला समिति के आयोजन कर्ताओं को लिए इस प्रकार के आयोजन करने के लिए धन्यवाद देते हैं, विधायक पंकज सिंह ने कहा कि भगवान श्री राम की लीला हमें यह सीख देती है कि प्रत्येक मनुष्य को सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम ने सत्य के मार्ग पर चलते हुए असत्य को पराजित कर जीत दर्ज दर्ज की। उन्होंने कहा कि गलत का कभी साथ नहीं देना चाहिए और सही तथा सच्चाई के मार्ग पर चलने वाला हमेशा विजय प्राप्त करता है।

इस अवसर पर स्वागत अध्यक्ष संजय सिंह और सुशील कुमार गुप्ता ने भी रामलीला आयोजन समिति को बधाई दी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पुष्पराज सिंह अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा नवीन कुमार सिंह ओएसडी नोएडा प्राधिकरण के अलावा अभिषेक जैन गौरव मित्तल के अलावा अति विशिष्ट अतिथि डॉ आश्रय गुप्ता महानगर अध्यक्ष समाजवादी पार्टी, योगेंद्र शर्मा अध्यक्ष फोनरवा और उनकी टीम तथा डॉक्टर तन गोविल, राजकुमार चौधरी अध्यक्ष नोएडा एम्पलाइज एसोशिएशन, मूलचंद गुप्ता अध्यक्ष अग्रवाल मित्र मंडल मनोज चौहान, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता भरत यादव प्रधान, भाजपा के महामंत्री अमित त्यागी,भूपेंद्र मित्तल, विकास यादव, धर्मेंद्र चौहान आदि मौजूद रहे।

इस अवसर पर आए हुए ।अतिथियों का रामलीला आयोजन समिति के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल और महासचिव गिर्राज अग्रवाल और उनकी टीम ने स्वागत किया।

इस अवसर पर पंडित कृष्णा स्वामी ने आठवें दिन की रामलीला मंचन में सीता माता की खोज तथा राम विरह, राम का शबरी आश्रम में प्रवेश, श्री राम हनुमान मिलन, बाली वध, सुग्रीव का राज्याभिषेक, प्रभु राम सुग्रीव के साथ सीता की खोज के लिए बातचीत करना और हनुमान जी को लंका भेजना ,अशोक वाटिका में सीता माता का हनुमान जी से मिलन, अक्षय कुमार का वध होना ,रावण के दरबार में हनुमान जी का प्रवेश और लंका दहन की लीला का मंचन देखने योग्य था।

इस अवसर पर आयोजन समिति के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ,सीएम डी,प्रिया गोल्ड,वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन, पूनम सिंह, अध्यक्ष विपिन अग्रवाल, महासचिव गिर्राज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, पं कृष्णा स्वामी, संजय गोयल, आलोक गुप्ता, गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव, अशोक गोयल, विकास बंसल ,संदीप अग्रवाल, सुशील कुमार सिंघल, पीयूष गोयल, कार्तिक मिश्रा, रामरतन शर्मा, डॉ योगेंद्र सिंह ,अरुण चौहान, सुमित अग्रवाल, डॉक्टर श्वेता गोयल, शुभम गर्ग, रमेश गोयल, शेषनाथ मिश्रा , गौरव यादव, रामवीर यादव, मुकेश शर्मा पीयूष गोयल कार्तिक मिश्रा आदि मौजूद थे।

इसके अलावा धर्मेंद्र चौहान, नितिन गुप्ता, प्रमोद पाठक, संजय गुप्ता, शरद मित्तल, मनोज गोयल, कर्ण गर्ग, एसके शुक्ला, राकेश गुप्ता प्रेम बंसल सचिन बंसल नवीन गुप्ता सुमित अग्रवाल रंजीत सिंघल विकल गुप्ता, डॉ अमित अग्रवाल नवीन जैन, मुकेश अग्रवाल,अमित जैन कपिल गर्ग, तुषार , मनोज शर्मा, विवेक चौहान, हरीश शर्मा ,आशु गुप्ता ,ज्ञानेंद्र शर्मा ,जितेंद्र चतुर्वेदी, एसके अग्रवाल ,पवन चावला, संदीप विरमानी आदि मौजूद थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

सलारपुर में आधुनिक बारात घर की स्वीकृति पर विधायक पंकज सिंह का अभिनंदन

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन के गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी के नेतृत्व में सलारपुर गांव के प्रतिनिधिमंडल ने नोएडा विधायक श्री पंकज सिंह से मुलाकात की। गांव में आधुनिक बारात घर की स्वीकृति मिलने पर ग्रामवासियों ने विधायक को शॉल ओढ़ाकर एवं मिठाई खिलाकर उनका अभिनंदन किया। साथ ही बारात घर निर्माण के भूमि पूजन हेतु उन्हें आमंत्रित किया।



जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने बताया कि सलारपुर में आधुनिक बारात घर का निर्माण भाकियू एवं ग्रामवासियों की वर्षों पुरानी मांग रही है। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से अब ग्रामवासियों का यह सपना साकार होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से गांव की लगभग 30 हजार की आबादी के साथ क्षेत्र में रहने वाले लाखों प्रवासी भाइयों को भी लाभ मिलेगा।

अशोक भाटी के अनुसार, इसी सप्ताह बारात घर का शिलान्यास प्रस्तावित है। उन्होंने इस मांग को पूरा कराने में सहयोग देने के लिए विधायक एवं नोएडा प्राधिकरण का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जलकेश बाबूजी, सुखबीर प्रधान, विपिन प्रधान, मदन भाटी, रिकी प्रधान, सिंह राज गुर्जर, मनोज त्यागी, गजेंद्र रेक्सवाल, अजय गुर्जर सहित अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

ग्रेनो वेस्ट में आवागमन सुगम होगा

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लोगों के लिए राहत की खबर है। प्राधिकरण ने चार मूर्ति/गौड़ चौक से तुस्याना कट तक करीब 8.2 किलोमीटर में सड़क को चौड़ी किया जा रहा है। यह काम अगले दो माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे जाम की समस्या से बड़ी राहत मिल जाएगी। वहीं गौड़ चौक पर निर्माणाधीन अंडरपास को भी दीवाली से पहले खोलने की तैयारी है। दरअसल ग्रेटर नोएडा ईस्ट व वेस्ट को जोड़ने वाली 130 मीटर चौड़ी सड़क के दोनों तरफ बस-वे का निर्माण किया जा रहा है। चार मूर्ति चौक से सिरसा तक बनी 25 किलोमीटर लंबी इस सड़क के ज्यादातर हिस्से में बस-वे का काम पूरा हो चुका है।

बस-वे के लिए दो लेन अतिरिक्त सड़क बनाई जा रही है। परियोजना विभाग के अधिकारी के मुताबिक चार मूर्ति चौक से तुस्याना कट तक करीब 8.2 किलोमीटर में सड़क को चौड़ी किया जा रहा है। इससे ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। आसपास की सोसाइटियों में रहने वाले लोगों को हर रोज जाम की समस्या से जूझना पड़ता है।

माता सीता की खोज में निकले हनुमान जी ने किया लंका दहन

नोएडा। श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित श्रीरामलीला मंचन के अष्टम दिवस मुख्य अतिथि कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के अपर पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्रा, अपर पुलिस उपायुक्त अभय कुमार मिश्रा,श्रीपंच दशनाम जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता एवं श्रीदुधेश्वरनाथ मंदिर के पीठाधीश्वर श्री महंत नारायण गिरी जी महाराज,गोरखपुर विश्वविद्यालय के उप कुलपति श्री केपी सिंह,नोएडा पंजाबी समाज के अध्यक्ष पंकज अजमानी,एनआरआई सिद्धार्थ श्रीवास्तव, कार्डियोलॉजिस्ट डॉ भारतेंदु कुमार, आर्य समाज नोएडा के सचिव कैप्टन अशोक गुलाटी,आदि द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर रामलीला का शुभारंभ किया गया।श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग,अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव डॉ मुन्ना कुमार शर्मा द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया।

सर्वप्रथम श्रीराम जी की सुग्रीव से भेंट होती है और यह भेंट मित्रता में बदल जाता है।फिर श्रीराम द्वारा बाली का वध किया जाता है। बाली वध के उपरांत सुग्रीव का राजतिलक होता है।कुछ समय व्यतीत होने के बाद सीता की खोज के लिए सुग्रीव कोई प्रयास नहीं करते हैं।इससे श्रीराम व लक्ष्मण सुग्रीव पर क्रोधित होते हैं ।सीता की खोज के लिए अंगद,नील,जाम्वन्त,हनुमान को दक्षिण दिशा में भेजा जाता है।खोजते-खोजते उनकी भेंट सम्पाती से होती है जो कि जटायु का भाई है।उसने बताया कि सीता लंका में है और जो सौ योजन समुंद्र को लांघ सकता हो वही वहां जा सकता है।समुंद्र तट पर जाम्वन्त ने हनुमान जी को उनका बल याद दिलाया।इसके बाद हनुमान जी भगवान श्रीराम का नाम सुमिर कर लंका की ओर प्रस्थान करते हैं।रास्ते में उन्हें सुरसा मिलती है।सुरसा अपना बदन सोलह योजन तक फैलाती है। हनुमान जी 32 योजन तक अपना बदन फैलाते हैं।जब सुरसा समझ जाती है तो हनुमान जी सर नवाकर आगे चलते हैं। हनुमान जी अशोक वाटिका पहुंचकर जहां सीता बैठी हुई हैं उस पेड़ पर छुप जाते हैं और रामनाम की अंगूठी ऊपर से डालते हैं जिसे देखकर सीता के मन में विषमय होता है। इसके बाद सीताजी से आज्ञा पाकर हनुमान वाटिका से फल खाने लगते हैं और पेड़ तोडने लगते हैं।जब बाग के रखवालों ने रावण को बताया तो उसने अक्षय कुमार को भेजा जिसका हनुमान जी वध कर देते हैं।मेघनाद द्वारा हनुमान जी को पकड़कर रावण के दरबार में लाया जाता है,जहाँ हनुमान रावण से कहते हैं कि अब भी समय है अपने कुकर्मों के लिए श्रीराम से क्षमा मांग लो।वह दया की मूर्ति हैं।

निसंदेह तुमको क्षमा कर देंगे।परन्तु रावण अपने अहंकार में क्षमा मांगने से मना कर देता है।वहीं रावण दरबार में सभी कहते हैं कि हनुमान को मार दिया जाये।लेकिन विभीषण के समझाने पर रावण ने कहा कि इसकी पूंछ पर आग लगा दो।आग लगाने के बाद हनुमान जी एक महल से दूसरे महल पर जाते हैं और इस तरह पूरी लंका को जला देते हैं।लंका दहन के पश्चात रावण दरबार में श्रीराम से युद्ध की नीतियों पर सभी दरबारी अपनी राय प्रस्तुत कर रहे थे।रावण द्वारा विभीषण से उनकी राय पूछी जाती है।विभीषण,रावण से कहते हैं कि अब भी समय है तुम राम की शरण में चले जाओ।रावण इस बात पर अत्यधिक क्रोधित हो जाता है और विभीषण को लात मारकर लंका से बाहर जाने का आदेश देता है।रावण के त्याग के पश्चात विभीषण श्रीराम की शरण में चले जाते हैं।

दुर्गा पूजा पंडाल, मूर्ति विसर्जन और रावण दहन के लिए टीमें तैनात

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में दुर्गा पूजा पंडाल, मूर्ति विसर्जन और दशहरा के दिन रावण दहन के कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्राधिकरण ने विशेष तैयारी की है। शहर को आठ जोन में बांट तीन दिनों 18, 19 व 20 अक्तूबर के लिए टीमें गठित की गई हैं। इसमें सिविल, विद्युत, स्वास्थ्य और जल विभाग के अधिकारी शामिल हैं। अधिकारी के मुताबिक दुर्गा पूजा पंडाल, रावण दहन के अलावा मूर्ति विसर्जन वाले स्थानों पर बिजली, सड़क, स्ट्रीट लाइट और साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त की जा रही है। इस संबंध में शासन द्वारा भी आदेश दिए गए हैं। कार्यों की निगरानी के लिए मजिस्ट्रेट, सहायक मजिस्ट्रेट और नोडल अधिकारियों को नियुक्त किया गया है।

मजिस्ट्रेट के रूप में ओएसडी अजय कुमार शर्मा, लवगीत कौर और मुकेश कुमार सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं सहायक मजिस्ट्रेट के रूप में एसबी सिंह, अंकित तिवारी और पुष्पा यादव की तैनाती गई है। बंगाल में शनिवार को दुर्गा पंडाल में हुई दर्दनाक घटना को देखते हुए प्राधिकरण के अधिकारी और अधिक सतर्क हो गए हैं। ग्रेटर नोएडा ईस्ट और वेस्ट इलाके में 10 से अधिक स्थानों पर बने दुर्गा पंडाल और विजय महोत्सव में जाकर विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी बिजली सुरक्षा का जायजा ले रहे हैं। परियोजना विभाग द्वारा गड्ढों को भरने और सीवर के खुले मैनहोल को ढकने का काम किया जा रहा है।

अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी: एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने बताया कि ड्यूटी से संबंधित कार्यालय आदेश जारी कर दिया गया है। इसमें किसी तरह की लापरवाही बरतने पर संबंधित अधिकारी की हिस्सेदारी होगी। जिन अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, उनमें परियोजना विभाग के उप महाप्रबंधक विजय रावल, वरिष्ठ प्रबंधक नागेंद्र सिंह, सन्नी यादव, राजेश कुमार निम, प्रभात शंकर के अलावा विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक अजीत भाई पटेल, सौरभ भरद्वाज, अश्विनी कुमार चतुर्वेदी, स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार गौतम आदि अधिकारी शामिल हैं।

चोटपुर में सड़क निर्माण में धांधली व देरी पर भड़के लोग, विधायक आवास की ओर किया मार्च

नोएडा। चोटपुर कॉलोनी में गिट्टी चौक से ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल तक बन रही सड़क के निर्माण में देरी और घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए भारतीय किसान संगठन ने प्रदर्शन किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र यादव के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने विधायक पंकज सिंह के आवास की ओर पैदल मार्च किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रास्ते में रोक दिया, जिसके बाद वे सड़क पर बैठ गए और नारेबाजी की।



प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है और गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। उन्होंने संबंधित ठेकेदार पर जुर्माना लगाने और उसे ब्लैकलिस्ट करने की मांग की। साथ ही स्वीकृत दर पर किसी दूसरे ठेकेदार से गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराने और संबंधित जूनियर इंजीनियर (जेई) के खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने की मांग उठाई। मौके पर पहुंचीं एसीपी दीक्षा सिंह ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर नोएडा प्राधिकरण के उच्च अधिकारियों से वार्ता कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद संगठन ने विधायक पंकज सिंह के नाम संबोधित ज्ञापन एसीपी को सौंपा।

संगठन ने चेतावनी दी कि जल्द कार्रवाई नहीं हुई और सड़क निर्माण में तेजी नहीं आई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर लक्ष्मण,ऋषि, विवेक, राजेश, इंद्रजीत, दीपू यादव, डॉ सुनील, प्रदीप, पल्लवी, शेखा कुमारी, राधिका रावत, विवेक,मुश्ताक, तेजवीर, कमल, रहिसू, कमल शर्मा, आदि लोग मौजूद रहे।

इस मौके पर लक्ष्मण,ऋषि,आदेश, विवेक, राजेश, इंद्रजीत, दीपू यादव, , डॉ सुनील, प्रदीप, पल्लवी, शेखा कुमारी, राधिका रावत, विवेक,मुश्ताक, तेजवीर, कमल, रहिसू, कमल शर्मा, आदि लोग मौजूद रहे।

सनराइज विला स्कूल के बच्चों ने किया बेहतर कला का प्रदर्शन

पढ़ाई के साथ-साथ स्कूल रखता है सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर भी विशेष ध्यानः श्रीमती रजनी जैन

नोएडा। नन्हे बच्चों ने एक से एक कला का प्रदर्शन कर यह दिखा दिया कि ,अभी भी हमारे देश में संस्कृति कायम है, ऐसा ही एक उदाहरण शनिवार को सेक्टर 25 स्थित सनराइज विला स्कूल में देखने को मिला यहां के बच्चों ने राम ,रावण, सीता, लक्ष्मण, कुंभकरण, मेघनाथ ,हनुमान, जटायू आदि

कला का बेहतर रोल कर हमारे देश की संस्कृति को कायम रखा और बेहतर कला का प्रदर्शन करते हुए एक से एक कलाकारों ने पहली बार स्कूल में आयोजित रामलीला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में यह दिखा दिया कि बड़ों से भी बच्चे कम नहीं है।



इस अवसर पर दैनिक सच कहूं के वरिष्ठ संवाददाता एवं मीडिया क्लब के सचिव जगदीश शर्मा ने वहां पहुंचकर बेहतर कला का प्रदर्शन करने वाले बच्चों तथा स्कूल प्रबंधक , अध्यापक तथा स्टाफ एवं अभिभावकों का आभार प्रकट किया और कहां की इस प्रकार की रामलीला बच्चों में संस्कार ,सभ्यता कायम रखने का काम करती है, उन्होंने बच्चों अध्यापक और स्कूल प्रबंधक और अध्यापक आदि को शील्ड देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर स्कूल की सीएमडी अनिल जैन, श्रीमती रजनी जैन,तथा प्रधानाचार्य प्रवीण सिंह और स्कूल के अध्यापक, अध्यापिकाएं तथा स्टाफ का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर स्कूल की सीएम डी श्रीमती रजनी जैन ने कहा कि उनका प्रयास रहता है कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा ले सके, और पुरानी सभ्यता को कायम रख सके।

इस अवसर पर वरिष्ठ अध्यापिका आशा जोशी, मीनाक्षी, पारुल, सोनिया जोशी, वैभव कुमार,रोली सक्सेना, राजेश कुमार, पूनम, अर्पिता, अंजू, देवयानी आदि टीचर एवं स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

निर्माणाधीन फैक्ट्री के अंदर मिला 26 वर्षीय युवक का शव

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जारचा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इलाके में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक निर्माणाधीन फैक्ट्री के भीतर रविवार को एक युवक का शव बरामद हुआ। इस घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत हरकत में आई और मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार, रविवार को पुलिस को यह सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र की एक निर्माणाधीन फैक्ट्री में एक युवक का शव पड़ा हुआ है। इस सूचना के मिलने के बाद पुलिस बल ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की बारीकी से जांच-पड़ताल शुरू की।मौके पर पहुंचकर की गई शुरुआती जांच के दौरान मृतक की पहचान नदीम (26) पुत्र वकील के रूप में हुई है। पुलिस ने इस दर्दनाक हादसे की जानकारी तुरंत मृतक के परिजनों को दे दी है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में एक तरफा जीतेगी बीजेपी : विनोद तावड़े



नोएडा। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं प्रभारी उत्तर प्रदेश विनोद तावडे से मिले एंटी टेररिस्ट फ्रंट पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रभारी एडवोकेट राजेंद्र पंडित। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान इस समय देश में चल रहे राजनीतिक हलचल एवं विपक्ष द्वारा धरने प्रदर्शन को लेकर किया जा रहे षड्यंत्र पर चर्चा हुई। श्री तावड़े ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री के रूप में बच्चे बच्चे को सिर्फ योगी पसंद है। अब तो देश में प्रधानमंत्री के रूप में भी लोग योगी की मांग करने लगे हैं। आने वाले विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में एक तरफा भाजपा की सरकार बनने जा रही है। प्रदेशवासी देश के युवाओं को भटकाकर प्रदर्शन करने वालों को आईना दिखाने का काम करेंगे।

नोएडा पहुंचे राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी व्यापारियों ने किया स्वागत

नोएडा। उत्तर प्रदेश राज्य मंत्री, संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास मंत्री जसवंत सिंह सैनी शनिवार को नोएडा में गर्ग दरवाजे वाले के नाम से मशहूर मुकेश गर्ग के सेक्टर 9 स्थित कार्यालय पहुंचे। जहां पर मंत्री जी का स्वागत एवं सम्मान जोरदार तरीके से किया गया। इस औपचारिक भेंट मुलाकात के दौरान देश की राजनीति, नोएडा के विकास एवं आने वाले यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई। मंत्री जसवंत सिंह सैनी ने कहा कि व्यापारियों को जो सम्मान, जो सुरक्षा और जो सुविधाएं भाजपा सरकार में मिली है वह कोई अन्य सरकार देने में विफल रही है। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी के कार्यकाल में व्यापारियों की ऐतिहासिक प्रगति हुई है। उनके सुरक्षा एवं सम्मान के लिए सरकार हमेशा



सजग रहती है। इस अवसर पर उद्यमी, समाजसेवी एवं सेक्टर 11 आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अनुज गुप्ता, अग्रवाल मित्र मंडल के पुर्व अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, रोहतास गोयल, राजीव गर्ग, मूलचंद अवाना, सुरेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बरौला में खुले नाले में मिला 23 वर्षीय साहिल का शव

नोएडा। सेक्टर-49 थाना क्षेत्र में पड़ने वाले बरौला गांव के पास बने एक खुले नाले में रविवार के दिन 23 साल के एक युवक का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद पुलिस ने कागजी कार्रवाई करते हुए पंचायतनामा भरा और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। जांच के दौरान मृतक की पहचान साहिल के रूप में हुई है, जिसकी उम्र 23 साल थी। साहिल के पिता का नाम सुरेश पाल है। वह मूल रूप से मध्य प्रदेश के छतरपुर का रहने वाला था और वर्तमान में नोएडा के बरौला गांव में ही रह रहा था। पुलिस की शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि नशे की हालत में नाले में गिरकर डूबने की वजह से साहिल की मौत हुई है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मौत के सही और वास्तविक कारणों की जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और मामले की पूरी जांच के बाद ही साफ हो पाएगी।

जानकारी के अनुसार, पुलिस को सबसे पहले पीआरवी के जरिए सूचना मिली थी कि बरौला गांव के पास स्थित एक खुले नाले के अंदर एक अनजान व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। इस खबर के मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की। पुलिस ने नाले से शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम कराने के लिए भेज दिया। घटना की खबर मिलते ही मृतक के परिवार वाले और आसपास के स्थानीय लोग भी मौके पर एकत्र हो गए। मौके पर पहुंचे परिजनों और स्थानीय लोगों ने शव की पहचान साहिल के तौर पर की। साहिल की पहचान होने के बाद उसके परिवार के लोगों ने पुलिस को जानकारी दी कि 23 साल का साहिल नशे का आदी था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस पूरे मामले की हर पहलू से गहराई से जांच की जा रही है, ताकि घटना की सही वजह का पता लगाया जा सके।

खुले नालों पर उठे सवाल और प्राधिकरण पर आरोप: बरौला गांव के पास नाले में युवक का शव मिलने की घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा देखा गया। इस हादसे के बाद सामाजिक कार्यकर्ता चौधरी बीसी प्रधान ने नोएडा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल खड़े किए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता चौधरी बीसी प्रधान ने आरोप लगाया कि बरौला गांव के पास बीते कई सालों से नाले खुले पड़े हुए हैं। इन खुले नालों को आरसीसी स्लैब से ढकने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग लगातार की जा रही है, लेकिन इसके बावजूद भी अब तक प्राधिकरण की तरफ से कोई ठोस या असरदार कदम नहीं उठाया गया है।

बोनट पर दो युवकों को लटकाकर दौड़ाई कार, सेक्टर-18 की सड़क पर बाल-बाल बचे लोग

नोएडा। नोएडा सेक्टर-18 मार्केट के सामने की व्यस्त सड़क पर विवाद के बाद एक कैब चालक के दो युवकों को कार के बोनट पर लटकाकर तेज रफ्तार में गाड़ी दौड़ाने का मामला सामने आया है। घटना का करीब आठ सेकंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दो युवक कार के बोनट पर लटके दिखाई दे रहे हैं, जबकि चालक गाड़ी रोकने के बजाय उसे तेजी से आगे बढ़ाता नजर आ रहा है। इस दौरान सड़क पर चल रहे अन्य वाहन भी इसकी चपेट में आने से बचते दिख रहे हैं।

पुलिस ने गाजियाबाद नंबर की कार को सीज कर दिया है। वायरल वीडियो में कार के बोनट पर लटके दोनों युवक खुद को संभालने की कोशिश करते दिखाई देते हैं। उनके आसपास से कई वाहन गुजर रहे हैं। अचानक हुए इस घटनाक्रम के कारण सड़क पर चल रहे वाहन चालकों की रफ्तार धीमी पड़ती नजर आती है। इससे कुछ देर के लिए जाम जैसी स्थिति बनती दिखाई दे रही है। इसके बावजूद कार चालक अन्य वाहनों के बीच से तेजी से निकलता हुआ आगे बढ़ जाता है।

सुरक्षा पर उठे सवाल: इस घटनाक्रम ने व्यस्त सड़क पर लोगों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने नोएडा पुलिस को टैग कर आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हालांकि, अभी तक विवाद की वजह और घटना के समय की परिस्थितियों की पुष्टि नहीं हुई है।

छापेमारी कर दुकान से पेंट के 74 नकली डिब्बे बरामद

नोएडा। सेक्टर-49 क्षेत्र में नामचीन पेंट कंपनी के नकली उत्पाद बेचने का मामला सामने आया है। कंपनी की ओर से की गई शिकायत के बाद पुलिस ने एक दुकान पर छापा मारकर पेंट के 74 डिब्बे जब्त किए। पुलिस को दी शिकायत में अंकित शुक्ला ने बताया कि वह एशियन पेंट्स कंपनी की ओर से अधिकृत जांच अधिकारी हैं। शनिवार को उन्हें गोपनीय सूचना मिली कि सेक्टर-49 थानाक्षेत्र में श्रीराम पेंट्स नाम की दुकान पर नकली उत्पाद बेचे जा रहे हैं। सूचना मिलने के बाद वह पुलिस टीम के साथ दुकान पर पहुंचे। वहां मौजूद राम सागर नामक व्यक्ति ने खुद को दुकान का मालिक बताया।

इसके बाद शिकायतकर्ता ने दुकान में रखे पेंट के डिब्बों की जांच की। जांच में अलग-अलग नामों और पैकिंग में एशियन पेंट्स के 74 डिब्बे मिले। इनमें रॉयल लग्जरी इमल्शन, एप्कोलाइट प्रीमियम इमल्शन, ट्रैक्टर इमल्शन, एपेक्स अल्टिमा, एपेक्स डस्ट प्रूफ और ऐस एक्सटीरियर इमल्शन समेत अन्य उत्पाद शामिल थे। शिकायतकर्ता ने इन उत्पादों को नकली बताया। इसके बाद पुलिस ने सभी 74 डिब्बों को जब्त कर लिया। शिकायत में दुकान के मालिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शिकायतकर्ता का कहना है बाजार में उनके ब्रांड का नकली पेंट बिकने से एक तरफ तो कंपनी को राजस्व का घाटा हो रहा तो दूसरी तरफ छवि भी धूमिल हुई है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में ऐतिहासिक राम लीला मंदिर पर कब्जे की कोशिश! प्रशासन ने किया सील



इस्लामाबाद एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत स्थित डेरा इस्माइल खान के रहीम बाजार में स्थित ऐतिहासिक राम लीला मंदिर को स्थानीय प्रशासन ने शनिवार को ताला लगाकर पूरी तरह सील कर दिया है। मंदिर की ऐतिहासिक इमारत को ध्वस्त कर वहां कमर्शियल प्लाजा बनाने की कथित साजिश के सामने आने के बाद नागरिक समाज और अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के कड़े विरोध के बाद प्रशासन को यह कदम उठाना पड़ा है।

ACP हामिद सिद्दीकी के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई के बाद मंदिर परिसर में जारी हर तरह के निर्माण और तोड़फोड़ गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। मंदिर को ध्वस्त कर व्यापारिक परिसर में बदलने की कोशिशों की खबर मिलने के बाद स्थानीय नागरिक समाज के प्रतिनिधियों और हिंदू समुदाय के नेताओं की एक आपातकालीन संयुक्त बैठक सुहैल अहमद आजमी (स्थानीय नागरिक समाज संगठन के अध्यक्ष) के कार्यालय में की गई।

इस बैठक में पूर्व प्रांतीय असेंबली सदस्य और हिंदू समुदाय के प्रतिनिधि किशोर कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद नौमान सहित नागरिक समाज के कई नेता शामिल हुए।

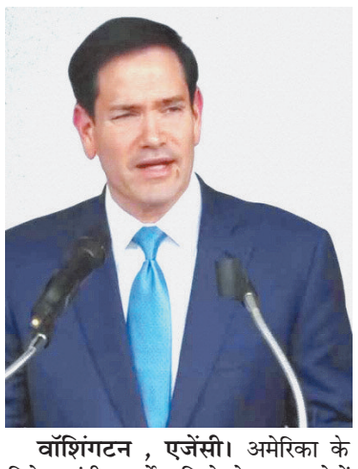
बैठक में शामिल नेताओं ने मंदिर की जमीन को अवैध तरीके से कमर्शियल प्लाजा के लिए आवंटित किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई और पाकिस्तानी सांसदों से इस मामले को पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में उठाने की अपील की। बैठक में वक्ताओं ने राम लीला मंदिर के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर जोर देते हुए बताया कि यह ऐतिहासिक मंदिर डेरा इस्माइल खान की उन लगभग 400 ऐतिहासिक इमारतों में शामिल है, जिन्हें इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड की ओर से सांस्कृतिक विरासत संपत्ति के रूप में शामिल किया गया है। नागरिक समाज ने चेतावनी दी कि ऐतिहासिक धरोहरों को ध्वस्त कर व्यापारिक परिसरों में तब्दील करने से शहर की सदियों पुरानी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान पूरी तरह मिट जाएगी।

नागरिक समाज, व्यापारिक समुदाय, साहित्यिक हलकों और विरासत संगठनों के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर ऐतिहासिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश का पुरजोर विरोध करने का संकल्प लिया। नागरिक समाज और हिंदू नेताओं ने सवाल उठाया कि संबंधित अधिकारियों ने कानूनी प्रक्रिया को दरकिनार कर मंदिर की जमीन पर कमर्शियल प्लाजा निर्माण की अनुमति कैसे दे दी। प्रतिभागियों ने मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ जिला प्रशासन, नेशनल असेंबली के अध्यक्ष, पुरातत्व विभाग और अन्य संबंधित अधिकारियों के सामने शिकायत दर्ज कराई जाएगी।

रक्षा मंत्री बनते ही अमेरिका को ललकार, ईरान पर गिराया 'मदर ऑफ ऑल बम' तो खैर नहीं

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने लंबे अरसे के बाद नया रक्षा मंत्री नियुक्त किया है। ईरान की संसद ने मेहराद अखलाकी केटाब्ची को रविवार को यह पद सौंपा। इस तरह से आठ महीने बाद ईरान को नया रक्षा मंत्री मिला है। मेहराद ने भी ईरान के नए रक्षा मंत्री का पद संभालते ही अमेरिका को ललकार दिया है। मेहराद ने कहा कि अगर अमेरिकी दुश्मनों ने कुछ भी गलत किया तो उनकी खैर नहीं। ईरान के लोगों और इस्लाम के रक्षकों का जवाब और ज्यादा खतरनाक और हैरान करने वाला होगा। साथ ही उन्होंने अमेरिका द्वारा ईरान के खिलाफ 'मदर ऑफ ऑल बम' के इस्तेमाल को लेकर भी बयान दिया है। अखलाकी ने माजिद इब्न अल-रेजा की जगह ली, जो तत्कालीन रक्षा मंत्री अजीज नसिरजादेह के फरवरी में अमेरिकी-इजरायली हवाई हमलों में मारे जाने के बाद जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अखलाकी ने ईरान की रक्षा इंडस्ट्री में दशकों बिताए हैं। उन्होंने इसके एयरोस्पेस और मिसाइल सेक्टरों में वरिष्ठ पदों पर काम किया है। उन्हें ईरान के रक्षा क्षेत्र में काम करने के कारण अमेरिका और यूरोपीय संघ की प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है।

यूक्रेन की सैटेलाइट सेवा पर विवाद: रुबियो ने व्हाइट हाउस को बताया बेदाग, कहा- अमेरिका का कोई हाथ नहीं



वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उन आरोपों को खारिज किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने यूक्रेन के ड्रोन में इस्तेमाल होने वाली सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं को जानबूझकर सीमित किया। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि यूक्रेन रूस के भीतर दूर तक हमले करने के लिए अमेरिका की एक अलग सैन्य संचार प्रणाली तक पहुंच मांग रहा है।

ज्वाइंट बेस एंड्रयूज में पत्रकारों से बातचीत के दौरान रुबियो ने एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की दो सेवाओं स्टारलिंक और स्टारशील्ड के बीच अंतर स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि स्टारलिंक एक व्यावसायिक सैटेलाइट संचार सेवा है, जबकि स्टारशील्ड का इस्तेमाल सैन्य और रक्षा संबंधी जरूरतों के लिए किया जाता है। यूक्रेन में सैटेलाइट कनेक्टिविटी पर लगी पाबंदियों को लेकर चिंता बढ़ने के बीच रुबियो का यह बयान सामने आया है। यूक्रेन युद्ध के मैदान में तेज गति वाले ड्रोन के संचालन और रूसी हवाई हमलों से बचाव के लिए इन सेवाओं पर निर्भर है।

व्हाइट हाउस ने इंटरनेट की गति कम करने का आदेश नहीं दिया: रुबियो ने कहा, 'व्हाइट हाउस में किसी ने भी किसी को इंटरनेट या उसकी गति धीमी करने का आदेश नहीं दिया, ताकि कुछ खास ड्रोन उसका इस्तेमाल न कर सकें।' उन्होंने कहा कि उनकी जानकारी के अनुसार, सेवा में आई बाधा को दूर कर दिया गया है और स्थिति पहले जैसी हो गई है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यह जानकारी उन्हें पहले मिली रिपोर्टों पर आधारित थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी सैटेलाइट से जुड़ी ड्रोन सेवाओं पर पाबंदियों को लेकर चिंता जताई है। यह चिंता ऐसे समय सामने आई है, जब रूसी सेना यूक्रेन के बुनियादी ढांचे पर लगातार हमले कर रही है। रुबियो ने अमेरिकी हस्तक्षेप के आरोपों को खारिज करते हुए कहा, 'इससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है। '

स्टारलिंक और स्टारशील्ड में बताया अंतर

अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि स्टारलिंक और स्टारशील्ड अलग-अलग व्यवस्थाओं के तहत काम करते हैं। उन्होंने स्टारलिंक को व्यावसायिक उत्पाद बताया, जबकि स्टारशील्ड को रक्षा और सैन्य जरूरतों के लिए विकसित प्रणाली बताया। रुबियो ने कहा कि अमेरिकी सेना स्टारशील्ड का इस्तेमाल करती है और इस सेवा तक यूक्रेन की पहुंच को लेकर बातचीत जारी है।

उन्होंने कहा, 'फिलहाल यूक्रेन को इसकी सुविधा उपलब्ध नहीं है और इस पर बातचीत चल रही है।' रुबियो के मुताबिक, यूक्रेन ने रूस के भीतर गहराई तक हमले करने के उद्देश्य से इस सैन्य संचार प्रणाली तक पहुंच मांगी है। उन्होंने कहा, 'उन्होंने रूस के भीतर दूर तक हमले करने के लिए इसकी पहुंच मांगी है। फिलहाल उनके पास इसकी पहुंच नहीं है।'

अमेरिकी सांसदों ने जांच की मांग की

अमेरिका के नौ सांसदों के एक द्विदलीय समूह ने यूक्रेनी सेना की सैटेलाइट संचार सेवाओं में आई बाधा की जांच कराने की मांग की है। सांसदों ने रक्षा विभाग के महानिरीक्षक से इस मामले की जांच करने को कहा है। सांसदों ने आशंका जताई कि इस तरह की बाधाओं से अमेरिकी राजनयिकों, सैन्यकर्मियों और सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों के लिए जोखिम पैदा हो सकता है। उन्होंने यह भी पता लगाने की मांग की कि क्या अमेरिकी अधिकारियों ने इन पाबंदियों को मंजूरी दी थी या उन्हें इसकी जानकारी पहले से थी। रुबियो ने व्हाइट हाउस की भूमिका से जुड़े आरोपों को गलत बताया। उन्होंने कहा, 'मैंने दूसरे दिन इस बारे में एक रिपोर्ट देखी थी। यह पूरी तरह गलत है।' उन्होंने दोहराया कि प्रशासन को मिली जानकारी के अनुसार, व्यावसायिक सेवा सामान्य रूप से काम करने लगी है। हालांकि, सेवा बाधित होने की तकनीकी वजह, यूक्रेन के सैन्य अभियानों पर इसके प्रभाव और सभी सेवाओं के पूरी तरह बहाल होने को लेकर सवाल अब भी बने हुए हैं।

आधुनिक युद्ध में सैटेलाइट सेवाओं की अहमियत

स्टारशील्ड को सरकारी और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी जरूरतों के लिए विकसित किया गया है। इसमें विशेष संचार सुविधाएं भी शामिल हैं। यह विवाद दिखाता है कि आधुनिक युद्ध में सैटेलाइट संचार ढांचा कितना महत्वपूर्ण हो गया है। साथ ही, इससे यह सवाल भी उठता है कि सैन्य अभियानों के लिए बाहरी कंपनियों के नियंत्रण वाली तकनीक पर निर्भर देशों को किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

आज ही बंद हो जाएंगे प्रोटेस्ट, लंदन पहुंच ध्रुव राठी ने कर दिया ऐलान; मगर एक शर्त भी रख दी

लंदन एजेंसी। यूट्यूबर ध्रुव राठी ने लंदन पहुंचकर भारत में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शनों पर बड़ा ऐलान कर दिया है। राठी ने कहा है कि आज ही ये प्रोटेस्ट बंद हो जाएंगे, लेकिन इसके लिए उन्होंने एक शर्त रखी कि पहले ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा करवा दिया जाए। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट में शामिल होने के लिए ध्रुव राठी पिछले दिनों जर्मनी से भारत आए थे, लेकिन पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इसके चलते वे प्रोटेस्ट में शामिल नहीं हो सके थे। राठी बाद में लंदन चले गए और वहां की संसद के सामने ज्ञानेश कुमार और मोदी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। लंदन में कुछ लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुए ध्रुव राठी ने कहा, अपने देश में हमें प्रोटेस्ट करने की इजाजत नहीं दी जा रही और जिस देश ने हम पर राज किया, उसके संसद के बाहर खड़े हैं। इसे कहते हैं लोकतंत्र। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली में 35 हजार से ज्यादा सीएपीएफ और दिल्ली पुलिस के जवान लगाए गए ताकि लोग प्रोटेस्ट न कर सकें। सात हजार से ज्यादा लोगों को डिटेन किया गया। पत्रकारों को पीटा गया। मुझे भी पुलिस ने किडनैप किया। मैं बस यह चाहता हूं कि अपने घर जाकर अपने परिवार वालों को बताओ कि क्या चल रहा है देश में। बताओ कैसे वोट चोरी की जा रही है।

ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा करवा दो, आज ही खत्म हो जाएंगे प्रोटेस्ट: राठी ने यह भी कहा कि कई लोग हैं, जो इन पर यकीन नहीं कर रहे कि देश में कितने हालात खराब हो गए हैं। कुछ भाजपा सपोर्टर्स को लगता है कि यहां पर अराजकता करने की कोशिश की जा रही है। अराजकता तो तुम लोग ला रहे हैं। आज ही प्रोटेस्ट बंद हो जाएंगे। ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा करवा दो और एक ऐसे चुनाव आयुक्त को अप्वाइंट करो जिन्हें पीएम मोदी और नेता विपक्ष दोनों ने साथ में मिलकर चुना हो।

पाकिस्तान में भूख से बेहाल लाखों लोग, दुनिया के 10 सबसे बड़े खाद्य संकट वाले देशों में शामिल



इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में महंगाई, गरीबी और जलवायु संबंधी आपदाओं के कारण खाद्य संकट गंभीर बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय मानवीय सहायता संगठन एक्शन अगेंस्ट हंगर की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान दुनिया के उन 10 देशों में शामिल है, जहां भूख और खाद्य असुरक्षा की समस्या सबसे ज्यादा केंद्रित है।

'डॉन' की रिपोर्ट के मुताबिक, विश्व खाद्य दिवस से पहले जारी 'टेन लार्जेस्ट ग्लोबल फूड क्राइसिस' रिपोर्ट में पाकिस्तान की स्थिति पर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 में देश के लगभग 1.06 करोड़ लोगों को मानवीय सहायता की जरूरत पड़ सकती है। यह स्थिति ऐसे समय में है, जब पाकिस्तान आर्थिक सुधार की कोशिशों में जुटा है और कुछ आर्थिक संकेतकों में सुधार के दावे किए जा रहे हैं। हालांकि, इसका लाभ समाज के कमजोर वर्गों तक पर्याप्त रूप से नहीं पहुंच पा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन 10 देशों में करीब 17.7 करोड़ लोग रहते हैं। पिछले एक दशक में गंभीर भूख से प्रभावित लोगों की संख्या दोगुनी हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के 47 देशों में लगभग 26.6 करोड़ लोग गंभीर भूख का सामना कर रहे हैं। इनमें ऐसे लोग भी शामिल हैं, जिन्हें पर्याप्त भोजन और जरूरी पोषण उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। खाद्य संकट का सबसे ज्यादा असर कम आय वाले परिवारों पर पड़ रहा है। खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों और घटती आमदनी के कारण उनके लिए रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो रहा है। मानवीय सहायता में कमी से हालात और चुनौतीपूर्ण बन रहे हैं। पाकिस्तान में खाने-पीने की वस्तुओं की ऊंची कीमतें, बेरोजगारी और परिवारों की घटती क्रय शक्ति खाद्य संकट को बढ़ा रही हैं। आर्थिक अस्थिरता के कारण कई परिवार जरूरी सामान खरीदने में भी कठिनाई महसूस कर रहे हैं। कृषि उत्पादों की प्रतिकूल कीमतों का असर किसानों और उनसे जुड़े लोगों की आजीविका पर भी पड़ रहा है। कम आय वाले परिवारों के लिए भोजन, स्वास्थ्य और शिक्षा पर होने वाले खर्च के बीच संतुलन बनाना लगातार कठिन होता जा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि मानवीय सहायता के लिए उपलब्ध धनराशि बढ़ती जरूरतों के मुकाबले पर्याप्त नहीं है। ऐसे में कुछ परिवार खर्च चलाने के लिए भोजन कम कर रहे हैं और अपनी आजीविका से जुड़ी संपत्तियां बेचने को मजबूर हो रहे हैं। आर्थिक दबाव के कारण कुछ परिवार बच्चों को स्कूल से निकालने जैसे कदम भी उठा रहे हैं, ताकि घर का खर्च चलाया जा सके। इससे बच्चों के पोषण, शिक्षा और भविष्य पर लंबे समय तक असर पड़ने का खतरा है।

कंसास में फुटबॉल मैच के दौरान मैदान में घुसी कार; बच्चे समेत दो की मौत, हिरासत में वाहन चालक



कंसास , एजेंसी। झअमेरिका के कंसास राज्य के विचिटा शहर में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। एक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में फुटबॉल मैच के दौरान कार मैदान पर घुस गई। इस घटना में एक बच्चे समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए।

सीएनएन ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि घटना के बाद पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया। विचिटा पुलिस विभाग के आरोन मोसेस ने कहा कि चालक हिरासत में है और उससे आम लोगों को अब कोई अतिरिक्त खतरा नहीं है।

दोपहर करीब 3:25 बजे हुआ हादसा

अधिकारियों के अनुसार, यह घटना स्ट्राइकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुई। स्थानीय समय के मुताबिक, दोपहर करीब 3:25 बजे कार परिसर में घुस गई। उस समय मैदान पर फुटबॉल मैच चल रहा था। मोसेस ने बताया कि घटना के वक्त कार में दो नाबालिग भी सवार थे। हादसे के बाद वाहन घटनास्थल पर ही मौजूद रहा। मृतकों की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। अधिकारियों के मुताबिक, मरने वालों में एक नाबालिग और एक वयस्क शामिल हैं। जांच एजेंसियां घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी हैं।

कार की रफ्तार और सुरक्षा घेरे को लेकर जांच

पुलिस घटनास्थल से मिले सबूतों का विश्लेषण कर रही है, ताकि हादसे की परिस्थितियों को समझा जा सके। सीएनएन के मुताबिक, जांचकर्ताओं ने अभी यह तय नहीं किया है कि कार कितनी तेज रफ्तार से चल रही थी और वह सुरक्षा घेरा पार कर मैदान तक कैसे पहुंची। हादसे के बाद खेल परिसर में होने वाले कार्यक्रम तत्काल रोक दिए गए।

फ्लैग फुटबॉल के मुकाबले भी स्थगित

कंसास स्टेट हाई स्कूल एक्टिविटीज एसोसिएशन (केएसएचएसएए) ने बताया कि स्ट्राइकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रही राज्य स्तरीय फ्लैग फुटबॉल प्रतियोगिता के तीसरे स्थान और चैंपियनशिप के मुकाबले स्थगित कर दिए गए। पुलिस ने घटनास्थल की जांच और सुरक्षा व्यवस्था के लिए आसपास के मैदान को सुरक्षित किया था। एसोसिएशन ने हादसे से प्रभावित परिवारों और टीमों के प्रति संवेदना जताई। उसने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि आपात स्थिति को देखते हुए दोनों मुकाबलों को बाद की तारीख तक स्थगित करना उचित समझा गया। एसोसिएशन के मुताबिक, मुकाबलों की नई तारीखों की जानकारी सोमवार को दी जाएगी।

इटली में महंगाई के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन: मेलोनी बोलीं- विरोध करना अधिकार, शहरों को आग के हवाले करना नहीं

रोम , एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने देश के कई बड़े शहरों में महंगाई के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के दौरान हिंसा और तोड़फोड़ की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतंत्र का अहम हिस्सा हैं, लेकिन राजनीतिक हिंसा और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं। मेलोनी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक बयान जारी कर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और हिंसा करने वालों के बीच अंतर किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात रखने और प्रदर्शन करने के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। पीएम मेलोनी ने कहा, 'मैं उन हजारों लोगों का बहुत सम्मान करती हूं, जिन्होंने आज शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन किया। इनमें ट्रेड यूनियन सीजीआईएल के आह्वान पर जुटे लोग भी शामिल थे। इस प्रदर्शन में वामपंथी नेता भी शामिल हुए। प्रदर्शन का मुद्दा चाहे कुछ भी हो,



इसमें भागीदारी किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र की बुनियाद है।'

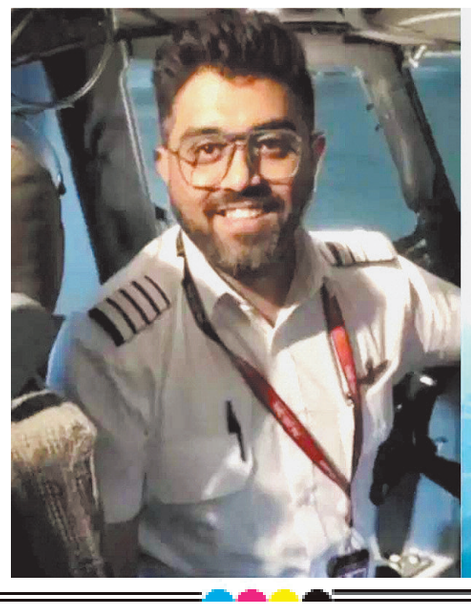
मिलान और बोलोन्या में हिंसा, पुलिसकर्मी घायल: प्रधानमंत्री ने कहा कि कई शहरों में कानून लागू कराने वाले अधिकारियों को सीधे हमलों और तोड़फोड़ का सामना करना पड़ा। हालात को देखते हुए प्रशासन को आपात कदम उठाने पड़े।

मेलोनी ने कहा, 'दूसरी ओर, हम इटली के अन्य शहरों में हुई घटनाओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते। मिलान में सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंके गए, अधिकारी घायल हुए और हिंसा तथा तोड़फोड़ के कारण जुलूस रोकना पड़ा। ट्यूरिन में कुछ लोगों को पत्थर और खिड़कियां तोड़ने में इस्तेमाल होने वाले हथौड़ों के साथ रोका गया। बोलोन्या में हिंसा के कारण रेलवे स्टेशन को एहतियातन बंद करना पड़ा।'

उन्होंने हिंसा करने वालों को ऐसे उपद्रवी बताया, जो प्रदर्शनों का फायदा उठाकर अराजकता फैलाते हैं, सुरक्षा सुनिश्चित करने वालों पर हमला करते हैं और पूरे शहर को बंधक जैसी स्थिति में डाल देते हैं। मेलोनी ने कहा, 'प्रदर्शन करना अधिकार है। हमारे शहरों को आग के हवाले करना नहीं।'

मैं ऐसे नहीं मर सकता..., कैप्टन मच्छार ने सुनाई फ्लाई दुबई खौफनाक कांड की पूरी आपबीती, किसी डरावनी फिल्म से कम नहीं कहानी

दुबई , एजेंसी। पिछले महीने दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाई दुबई की फ्लाइट में भारतीय पायलट स्मित मछार की बहादुरी के किस्से सभी की जुबां पर छाए हुए हैं. उन्होंने अपनी बहादुरी से 170 से ज्यादा लोगों की जान बचाई थी. इस दौरान मछार गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे. इस बीच मछार उस घटना को याद करते हुए बताया कि उन्हें पहले लगा कि उनकी फ्लाइट की छत से कोई चीज़ टूटकर उनके सिर के पिछले हिस्से पर आ लगी है. लेकिन बाद में उन्हें अहसास हुआ कि उन पर उनके ही को-पायलट ने हमला किया है. 'स्काई न्यूज़ अरबिया' को दिए एक इंटरव्यू में मछार ने उस खौफनाक घटना को याद किया और बताया कि कैसे एक सामान्य फ्लाइट अचानक जान बचाने की लड़ाई में बदल गई. कैप्टन स्मित मछार , उड़ान भरने के दो घंटे बाद, कंप्यूटर पर लैंडिंग का समय और ईंधन की जानकारी देख रहे थे, तभी उनके सिर के पिछले हिस्से पर जोरदार प्रहार हुआ. उन्हें लगा कि उनके बोइंग 737 के कॉकपिट की छत का कोई हिस्सा टूटकर गिर गया है. कुछ ही सेकंड बाद, जब उन पर और वार होने लगे, तो उन्होंने मुड़कर देखा कि उनके सह-पायलट उन पर हमला कर रहे थे.





भारतीय पायलट ने बताई पूरी घटना: उन्होंने कहा कि फ्लाइट बिल्कुल सामान्य तरीके से चल रही थी, सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी थीं और ऐसा कुछ भी नहीं हुआ था जिससे आगे होने वाली घटना का कोई संकेत मिलता. उन्होंने बताया कि यह पहली बार था जब वे इस को-पायलट के साथ उड़ान भर रहे थे.

मछार के अनुसार, उड़ान के लगभग दो घंटे बाद एक दूसरे कैप्टन जिन्हें वापसी की उड़ान संभालनी थी कॉकपिट में उनसे मिलने आए. उसी समय को-पायलट भी शौचालय गए थे और थोड़ी देर बाद वापस लौट आए. मछार ने इंटरव्यू में बताया कि दोनों कैप्टन कुछ देर तक बातचीत करते रहे, फिर को-पायलट ने कहा कि वह नमाज पढ़ना चाहता है. उसने दूसरे कैप्टन को कॉकपिट से बाहर जाने के लिए कहा.

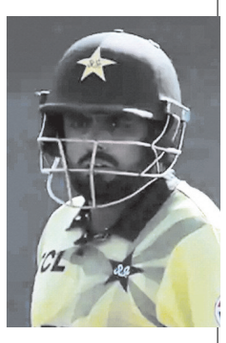
अचानक सिर पर हुआ तेज वार: मछार ने बताया कि शुरुआत में यह अनुरोध कुछ अजीब नहीं लगा. उन्होंने समझाया कि पायलट अपने आराम के समय विमान का कंट्रोल किसी और को सौंप सकते हैं, और इस दौरान नमाज पढ़ने की भी अनुमति होती है. हमला शुरू होने के समय मछार अपनी सीट पर बैठे थे और लैंडिंग के समय और ईंधन की जानकारी के लिए अपना कंप्यूटर चेक कर रहे थे. वहीं को-पायलट उनके पीछे खड़े होकर नमाज पढ़ कर रहे थे, तभी हमला शुरू हो गया. अचानक उनके सिर के पिछले हिस्से पर बहुत जोर से वार हुआ. 38 वर्षीय पायलट मछार ने बताया कि अचानक उनके सिर के पिछले हिस्से पर बहुत ज़ोरदार प्रहार हुआ. मुझे महसूस हुआ कि कोई बहुत भारी चीज़ लगी है. शुरुआत में उन्हें लगा कि शायद फ्लाइट की छत का कोई हिस्सा टूटकर उन पर गिर गया है, लेकिन कुछ ही सेकंड में उन्हें समझ आ गया कि उन पर हमला हुआ है. उन्होंने बताया कि इन वार की वजह से उनकी नज़र सिमटकर बस कुछ इंच तक ही रह गई थी, वार के कारण उन्हें केवल कुछ इंच तक ही दिखाई दे रहा था. बाद में डॉक्टरों से उन्हें पता चला कि ऐसा हमले के कारण ही हुआ था.

संक्षिप्त समाचार

बाबर आजम के इंटरनेशनल क्रिकेट में 16000 रन पूरे

पाकिस्तान के 5वें बल्लेबाज, श्रीलंका के खिलाफ टीम स्कोर 204/4

करांची (एजेंसी)। बाबर आजम ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 16 हजार रन पूरे कर लिए हैं। उन्होंने ट्राई सीरीज के पहले मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ रविवार को यह अचीवमेंट हासिल की। बाबर ऐसा करने वाले पाकिस्तान के 5वें बल्लेबाज बन गए।



रावलपिंडी में चल रहे मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी है। पाकिस्तानी टीम ने 36 ओवर में 4 विकेट पर 204 रन बना लिए हैं। सलमान आगा और हसन नवाज क्रीज पर हैं। आगा अर्धशतक पूरा कर चुके हैं।

सईम अयूब 7, फखर जमान 16 रन बनाकर आउट - पहले बल्लेबाजी कर रही पाकिस्तानी टीम की शुरुआत खराब रही है। टीम ने 32 रन के स्कोर पर 2 विकेट गंवा दिए थे। ओपनर सईम अयूब 7 और फखर जमान 16 रन बनाकर आउट हुए। दोनों ओपनर्स को दिलशान मदुशंका ने कैच आउट कराया।

साद बेग ने डेब्यू किया, 262वें वनडे खिलाड़ी - टॉस के दौरान कप्तान शाहीन शाह अफरीदी ने बताया कि साद बेग वनडे डेब्यू कर रहे हैं। वे पाकिस्तान के 262वें वनडे खिलाड़ी हैं। कप्तान शाहीन अफरीदी ने उन्हें डेब्यू कैप दी और गले लगाया।

वनडे ट्राई सीरीज- जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को 99 रन से हराया

एर्विन-टेलर में 150 रन की साझेदारी, ब्रैड इवांस को 4 विकेट



अबूधाबी (एजेंसी)। जिम्बाब्वे ने यूएई में चल रही वनडे ट्राई सीरीज के पहले मुकाबले में बांग्लादेश को 99 रन से हरा दिया। 93 रन बनाने वाले क्रेग एर्विन प्लेयर ऑफ द मैच रहे। अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में जिम्बाब्वे ने बैटिंग चुनी। जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 271 रन बनाए। ब्रेंडन टेलर ने भी 81 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 150 रन की साझेदारी कर जिम्बाब्वे की पारी संभाली। जवाब में बांग्लादेश 33.4 ओवर में 172 रन पर ऑलआउट हो गई। ब्रैड इवांस ने 45 रन देकर 4 विकेट लिए।

- **टेलर-एर्विन ने संभाली जिम्बाब्वे की पारी** - जिम्बाब्वे ने टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी चुनी। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने शुरुआती स्पेल में तीन विकेट लेकर जिम्बाब्वे को दबाव में डाल दिया। उन्होंने सात ओवर के अंदर ब्रायन बेनेट, बेन करन और तफादजवा त्सिगा को आउट किया। इसके बाद जिम्बाब्वे का स्कोर 24 रन पर 3 विकेट हो गया। यहां से टेलर-एर्विन ने पारी संभाली। एर्विन शतक से 7 रन दूर रह गए। बांग्लादेश की ओर से तस्कीन अहमद ने 10 ओवर में 44 रन देकर 3 विकेट लिए। सैफ हसन और शोरिफुल इस्लाम ने 2-2 विकेट लिए।

आईपीएल ऑक्शन 16 दिसंबर को हो सकता है

बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजी से प्रतिनिधिमंडल की जानकारी मांगी, गोवा में होना है इवेंट

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का प्लेयर ऑक्शन 16 दिसंबर को हो सकता है। ऑक्शन गोवा के ढ्रुश्ट ग्रैंड गोवा होटल में हो सकता है। हालांकि बीसीसीआई ने अभी तक फ्रेंचाइजी मालिकों और सीईओ को तारीख और वेन्यू की पुष्टि वाला ऑफिशियल ईमेल नहीं भेजा है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार को बीसीसीआई की लॉजिस्टिक्स टीम ने वॉट्सऐप मैसेज के जरिए फ्रेंचाइजी को ऑक्शन की प्रस्तावित तारीख और जगह की जानकारी दी है। बोर्ड ने फ्रेंचाइजी से यह भी पूछा है कि ऑक्शन में शामिल होने के लिए उनके प्रतिनिधिमंडल में कितने लोग आएंगे। 15 दिसंबर को ऑक्शन से पहले ब्रीफिंग रखी गई है। यह आईपीएल 2026 के ऑक्शन की तस्वीर है। हर टीम से ऑक्शन में आने वाले प्रतिनिधियों की जानकारी बीसीसीआई ने मांगी है, ताकि उनके ठहरने की व्यवस्था की जा सके।



- **यात्रा और ठहरने की व्यवस्था के लिए भेजा मैसेज** - रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई का यह मैसेज मुख्य रूप से गोवा में यात्रा और ठहरने की व्यवस्था करने के लिए भेजा गया है। बोर्ड की ओर से आधिकारिक सूचना बाद में जारी की जा सकती है। ऑक्शन की तारीख में बदलाव होगा या नहीं, इस पर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है।

उसी दिन भारत-श्रीलंका वनडे भी

16 दिसंबर को भारत और श्रीलंका के बीच बेंगलुरु में वनडे मैच भी होना है। ऐसे में ऑक्शन और इंटरनेशनल मैच एक ही दिन होने की स्थिति में शेड्यूल में बदलाव होगा या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। इससे पहले रिपोर्ट्स में भारत-श्रीलंका वनडे सीरीज के पहले वनडे मैच का वेन्यू बदलने की संभावना जताई गई थी। यह मुकाबला 13 दिसंबर को नई दिल्ली में होना है। हालांकि, बीसीसीआई ने हाल ही में मैच का वेन्यू बदलने की योजना से इनकार किया था।

भारतीय कप्तान गिल रणजी मैच में 1 रन बनाकर आउट

छत्तीसगढ़ के अजय मंडल ने बोल्ड किया; हर्षल पटेल के 250 फर्स्ट क्लास विकेट

रायपुर (एजेंसी)। भारतीय टीम के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल रणजी ट्रॉफी 2026-27 में अपने पहले मैच में एक रन पर आउट हो गए हैं। उन्हें रविवार को छत्तीसगढ़ के अजय मंडल ने बोल्ड कर दिया। चंडीगढ़ में चल रहे इस मैच में टॉस जीतकर बैटिंग कर रही पंजाब ने पहली पारी में 3 विकेट पर 89 रन बना लिए हैं। एक अन्य मुकाबले में गुजरात के हर्षल पटेल ने दिल्ली के 2 विकेट झटक लिए हैं। उनके फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 250 विकेट हो चुके हैं।



न्यूजीलैंड दौरे के लिए रणजी खेल रहे हैं गिल

भारतीय कप्तान शुभमन गिल न्यूजीलैंड दौरे की तैयारी के लिए रणजी ट्रॉफी का मैच खेलने उतरे हैं। 2 दिन पहले जारी टीम में उन्हें टेस्ट और शुरुआती 3 वनडे मैच के लिए भारत का कप्तान बनाया गया है।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीती

गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने 2 महीने पहले श्रीलंका के खिलाफ 2 मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम की थी। कोलंबो में इस सीरीज का दूसरा मैच ड्रॉ रहा था। जबकि, पहले मुकाबले को टीम इंडिया ने 165 रन से जीता था।

सौराष्ट्र के गेंदबाजों ने कर्नाटक को दिए शुरुआती झटके

जयदेव उनादकट और चेतन सकारिया की स्विंग गेंदबाजी के सामने कर्नाटक की टीम मुश्किल में नजर आई। टीम ने शुरुआती दौर में 22 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। रोहन पाटिल और विजयकुमार वैशाख आउट हुए, जबकि मयंक अग्रवाल और केवी अनीश नाबाद हैं। सौराष्ट्र ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। रविवार को उनादकट का 35वां जन्मदिन भी है।

साई किशोर ने लक्ष्य रायचंदानी को आउट किया

तमिलनाडु के कप्तान आर साई किशोर ने उत्तराखंड के खिलाफ लंच से ठीक पहले भारत की अंडर-19 टीम के खिलाड़ी लक्ष्य रायचंदानी को 15 रन पर आउट किया। लंच तक उत्तराखंड ने 41 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे। इससे पहले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने शुरुआती तीन विकेट लेकर उत्तराखंड के टॉप ऑर्डर को झकझोर दिया।

हर्षल पटेल के 250 फर्स्ट क्लास विकेट पूरे - गुजरात के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल ने दिल्ली के खिलाफ सनत सांगवान को आउट कर फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपने 250 विकेट पूरे किए। इसके बाद उन्होंने यश ढुल को भी पवेलियन भेजा। दूसरी ओर, दिल्ली के ओपनर प्रियांश आर्य ने 55 गेंदों में अपना दूसरा फर्स्ट क्लास अर्धशतक पूरा किया। दिल्ली ने 94 रन पर 2 विकेट गंवाए थे।

लियोनेल मेस्सी के दो गोल, इंटर मियामी ने अटलांटा यूनाइटेड को 3-1 से हराया



अटलांटा (एजेंसी)। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) मुकाबले में अटलांटा यूनाइटेड को 3-1 से हरा दिया। शनिवार को खेले गए इस मुकाबले में मेस्सी ने दो गोल किए और एक गोल करने में अहम भूमिका निभाई। उनके दमदार प्रदर्शन से इंटर मियामी ने मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी।

मेस्सी ने गोल के साथ असिस्ट भी किया - लियोनेल मेस्सी ने मुकाबले में अपने शानदार खेल से टीम की जीत में अहम योगदान दिया। उन्होंने दो गोल करने के अलावा इंटर मियामी के शुरुआती गोल का मौका भी तैयार किया। मेस्सी की रचनात्मक खेल शैली और बेहतरीन तालमेल ने अटलांटा यूनाइटेड के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाए रखा।

पहले हाफ के आखिरी क्षणों में बेर्टेरामे ने खोला खाता - इंटर मियामी की ओर से पहला गोल जर्मन बेर्टेरामे ने पहले हाफ के अंतिम क्षणों में किया। इस गोल को तैयार करने में लियोनेल मेस्सी और लुईस सुआरेज ने अहम भूमिका निभाई। एमएलएस में अपने शुरुआती 26 मुकाबलों में बेर्टेरामे का यह नौवां गोल था। इस गोल के साथ इंटर मियामी ने मुकाबले में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली।

मेस्सी के नाम 40 गोल योगदान, रिकॉर्ड पर नजर - इस मुकाबले के बाद मेस्सी के नाम गोल और असिस्ट मिलाकर कुल 40 गोल योगदान दर्ज हो चुके हैं। वह लॉस एंजिलिस एफसी के कार्लोस वेला के 2019 में बनाए गए 49 गोल योगदान के रिकॉर्ड से नौ योगदान पीछे हैं। मेस्सी के पास इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए चार मुकाबले शेष हैं। ऐसे में आने वाले मैचों में उनका प्रदर्शन खास नजरों में रहेगा। यदि वह इसी तरह गोल करने और गोल में मदद देने का सिलसिला जारी रखते हैं, तो रिकॉर्ड के करीब पहुंच सकते हैं।

- **56वें और 60वें मिनट में मेस्सी के लगातार दो गोल** - दूसरे हाफ में मेस्सी ने अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखा। उन्होंने 56वें मिनट में गोल करके इंटर मियामी की बढ़त 2-0 कर दी। इसके चार मिनट बाद, यानी 60वें मिनट में, उन्होंने एक और गोल दाग दिया। इस तरह इंटर मियामी ने मुकाबले में 3-0 की मजबूत बढ़त बना ली। दोनों गोलों में जर्मन बेर्टेरामे ने अहम भूमिका निभाई, जबकि मेस्सी के दूसरे गोल में लुईस सुआरेज का भी योगदान रहा। इस तरह तीनों खिलाड़ियों के बीच बेहतरीन तालमेल इंटर मियामी की जीत का बड़ा कारण बना।

भारत में फिर लौटनी चाहिए फॉर्मूला-1 रेस, दिग्गज मिका हाकिनेन ने बताई वजह



मुंबई (एजेंसी)। फॉर्मूला-1 के दिग्गज ड्राइवर और दो बार के विश्व चैंपियन मिका हाकिनेन का मानना है कि भारत में इस मोटरस्पोर्ट की लोकप्रियता और प्रशंसकों की बड़ी संख्या को देखते हुए यहां फिर से फॉर्मूला-1 रेस का आयोजन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत आने के बाद उन्हें यहां इस खेल के प्रति लोगों का उत्साह और प्रशंसकों की संख्या का अंदाजा हुआ है। भारत सरकार ने भी देश में फॉर्मूला-1 की वापसी के लिए प्रयास शुरू किए हैं।

हाकिनेन ने फैनकोड की ओर से आयोजित एक विशेष साक्षात्कार में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, भारत में कई साल पहले रेस का आयोजन हुआ था और मैंने सुना है कि इसे लेकर चर्चा चल रही है। यहां आने के बाद मैंने महसूस किया कि भारत में फॉर्मूला-1 के प्रशंसकों की संख्या बहुत बड़ी है।

उन्होंने भारत में रेस की वापसी की वकालत करते हुए कहा, मेरा मानना है कि फॉर्मूला-1 भारत में होना चाहिए। इसे यहां वापस आना ही चाहिए। भारत के इतिहास में दो ड्राइवर फॉर्मूला-1 में हिस्सा ले चुके हैं। इससे भी भारत में रेस आयोजित करने की जरूरत और मजबूत होती है। हाकिनेन के मुताबिक, भारत में फॉर्मूला-1 रेस का आयोजन केवल खेल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे कारोबार और निवेश के नए अवसर भी पैदा हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय आयोजन से कंपनियों को भारत में अपने नेटवर्क का विस्तार करने और व्यावसायिक संबंध मजबूत करने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा, यह कंपनियों के लिए भारत आकर नेटवर्क बनाने, कारोबार शुरू करने और आपसी व्यावसायिक संबंध मजबूत करने का शानदार अवसर है।

फुटबॉल मैच के दौरान मैदान पर घुसी कार

6 साल के बच्चे समेत 2 की मौत, कई घायल; ड्राइवर हिरासत में है

कंसास (अमेरिका) (एजेंसी)। अमेरिका के कंसास में शनिवार को एक फुटबॉल मैच के दौरान एक कार मैदान में घुस गई। हादसे में 6 साल के एक बच्चे समेत 2 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए। यह घटना विचिटा स्थित स्ट्राइकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुई। कार करीब 3:25 बजे मैदान में घुसी, उस समय स्टेट फुटबॉल चैंपियनशिप का मैच चल रहा था। विचिटा पुलिस ने ड्राइवर को तुरंत हिरासत में ले लिया। अधिकारियों के मुताबिक, अब आम लोगों को अब कोई खतरा नहीं है। कार के अंदर 2 नाबालिग सवार थे। हादसे के बाद कार घटनास्थल पर ही रही।



कार के मैदान पर घुसने की जानकारी नहीं - विचिटा पुलिस विभाग के आरोन मोसेस ने बताया कि ड्राइवर हिरासत में है। उन्होंने कहा, 'उस ड्राइवर से आम लोगों को अब कोई और खतरा नहीं है।' घटना में मारे गए दोनों लोगों में एक नाबालिग और एक वयस्क शामिल हैं।

श्रेयस बोले- वैभव सूर्यवंशी को मौका मिलेगा

कहा- 2 मैच में बेहतर गेंदबाजी करते तो नतीजा अलग होता, सीरीज 2-2 से बराबर

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत के टी-20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वैभव सूर्यवंशी को मौका जरूर मिलेगा। उन्हें इसका इंतजार करना होगा। बेंगलुरु में शनिवार को 5वें टी-20 मैच के बाद श्रेयस से वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग-11 में शामिल नहीं करने पर सवाल किया गया था। इस पर अय्यर ने कहा- 'मैं उससे यही कहता हूं कि तुम्हें मौका मिलेगा। कभी-कभी इंतजार करना पड़ता है। हमारे पास 2 शानदार ओपनर हैं। वैभव के साथ हमारी बातचीत इसी बारे में होती रही है।' वैभव इस सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिला।

अय्यर ने होप के प्रदर्शन की तारीफ की - भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि दूसरे और चौथे मैच में बेहतर गेंदबाजी करते, तो सीरीज का नतीजा अलग हो सकता था। उन्होंने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों और खासकर शाई होप को पूरी सीरीज में अच्छा खेलने का श्रेय दिया।



अय्यर ने कहा, जहां श्रेय देना चाहिए, वहां देना चाहिए। उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। शाई होप ने पूरी सीरीज में जिस तरह बल्लेबाजी की, वह शानदार था।

होप बोले- हमारी टीम भारत में सीरीज के बेहद करीब थी - वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने कहा, 'हम सीरीज जीतने के बहुत करीब थे। ऐसा कुछ, जो हमने 20 से ज्यादा वर्षों में नहीं किया है।' उन्होंने कहा, 'हम निश्चित रूप से आगे बढ़ रहे हैं। सफलता का मतलब केवल सीरीज जीतना नहीं है।' होप ने कहा कि टीम के खिलाड़ियों ने अलग-अलग मौकों पर जिम्मेदारी उठाई।

फेनेस्टा ओपन में हरियाणा की खुशी कादियान का जलवा

- **एक ही दिन में दो खिताब जीतकर रचा इतिहास**

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा की युवा टेनिस खिलाड़ी खुशी कादियान ने 31वीं फेनेस्टा ओपन नेशनल टेनिस चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक ही दिन में दो सिंगल्स खिताब अपने नाम कर लिए। अंडर-16 डबल्स का खिताब जीतने के एक दिन बाद खुशी ने अंडर-16 और अंडर-14 सिंगल्स का खिताब भी जीतकर अपनी हैट्रिक पूरी की।

अंडर-16 सिंगल्स फाइनल में दर्ज की रोमांचक जीत - खुशी कादियान ने दिन की शुरुआत अंडर-16 सिंगल्स के फाइनल से की, जहां उन्होंने कड़े मुकाबले में रंजना संग्राम को 7-6 (7-3), 7-5 से हराकर खिताब अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा, लेकिन खुशी ने दबाव में शानदार खेल दिखाते हुए जीत हासिल की।



अंडर-14 सिंगल्स में सिद्धि पांडे को हराकर पूरी की हैट्रिक - अंडर-16 सिंगल्स का खिताब जीतने के बाद खुशी ने दोपहर में अंडर-14 सिंगल्स के फाइनल में भी कोर्ट पर वापसी की। उन्होंने दूसरी वरीयता प्राप्त सिद्धि पांडे को 6-3, 6-2 से हराया। यह मुकाबला एक घंटे 16 मिनट तक चला। इस जीत के साथ खुशी ने अंडर-16 डबल्स, अंडर-16 सिंगल्स और अंडर-14 सिंगल्स के खिताब जीतकर टूर्नामेंट में अपनी शानदार हैट्रिक पूरी की।

अंडर-16 सिंगल्स जीतकर पूरा किया दोहरा खिताबी अभियान - चंडीगढ़ के रिभव सरोहा ने भी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अंडर-16 सिंगल्स का खिताब जीतकर अपनी उपलब्धियों में एक और राष्ट्रीय खिताब जोड़ लिया। इससे पहले वह पिछले सप्ताह अंडर-18 का खिताब जीत चुके थे। शीर्ष वरीयता प्राप्त रिभव ने फाइनल में गैरवरीय यशविन दहिया को 6-2, 6-3 से हराया। यह मुकाबला एक घंटे 32 मिनट तक चला।

- **अंडर-18 का खिताब जीतना सबसे खास- रिभव** - अपनी जीत पर खुशी जाहिर करते हुए रिभव सरोहा ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो यह बहुत अच्छा लग रहा है। यह मेरे लिए बेहद खास एहसास है। भारत का यह राष्ट्रीय टूर्नामेंट मेरे लिए बहुत प्रतिष्ठित है और इसे जीतकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैं उन सभी लोगों का आभारी हूं, जिन्होंने मेरी सफलता में मेरा साथ दिया।
- **पुरस्कार वितरण समारोह में खेल जगत की हस्तियां रहीं मौजूद** - फेनेस्टा बिल्डिंग सिस्टम्स के कार्यकारी निदेशक और बिजनेस हेड सकेत जैन, भारतीय हॉकी खिलाड़ी और 2026 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता ज्योति रुमावत तथा एशियाई खेलों के निशानेबाजी रजत पदक विजेता नीरज कुमार ने पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

गावस्कर बोले- हार्दिक पंड्या की जगह कोई नहीं ले सकता

टीम इंडिया को उनका रिप्लेसमेंट ढूंढना बंद कर देना चाहिए, 4 बॉलर्स खिलाने चाहिए

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि भारत को हार्दिक पंड्या का विकल्प तलाशना बंद करना चाहिए। पंड्या की जगह कोई नहीं ले सकता। 77 साल के गावस्कर ने कहा कि इंडियन टीम को अलग-अलग रोल प्ले करने वाले प्लेयर्स पर ध्यान देना चाहिए। उसे अपनी गेंदबाजी मजबूत रखने के लिए कम से कम 4 स्पेशलिस्ट बॉलर्स खिलाने चाहिए। गावस्कर ने जियोस्टार पर कहा कि 5वें और छठे गेंदबाजी विकल्प के तौर पर ऐसे ऑलराउंडर होने चाहिए, जो बल्लेबाजी भी कर सकें। गावस्कर ने कहा, 'हम कभी-कभी हार्दिक पंड्या का रिप्लेसमेंट तलाशने में जरूरत से ज्यादा जुट जाते हैं। हार्दिक पंड्या की जगह कोई नहीं ले सकता।' उन्होंने कहा, 'अगर आपको उनकी क्षमता वाला खिलाड़ी नहीं मिलता, तो ऐसे खिलाड़ी को चुनिए, जो थोड़ा अलग काम कर सके।' पंड्या इंजरी के कारण टीम इंडिया से बाहर हैं। उन्होंने इसी साल मार्च में टी-20 वर्ल्ड कप में आखिरी बार भारत के लिए खेला था।

